सूर्योदय 6:17 सूर्यास्त 6:03

आज का तापमान

शिमला	15.0 न्यू	25.5 अधि
धर्मशाला	17.5 न्यू	28.5 अधि

बाजार

सेंसेक्स	71,909.70
निफ्टी	22,421.95

सोना 1,48,138 चांदी 2,20,829

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | रविवार, 4 अक्तूबर 2026 | 18 अश्विन, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 160, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

हैदराबाद में सेना के जवानों ने चोरी किए थे हथियार

एजेंसी, हैदराबाद। हैदराबाद में आर्मी फेसिलिटी से हथियार चोरी के मामले में शनिवार को 3 सेना कर्मियों समेत 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया। यह जानकारी मल्काजगिरी पुलिस कमिश्नर बी सुमति ने दी। इस मामले में मुख्य आरोपी तेलंगाना के नागरकुर्नूल जिले का पूर्व हवलदार उप्पुथल्ला मल्लेश है। उसे 11 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था। मल्लेश पर 30 और 31 अगस्त की दरमियानी रात बोलारम में कोटे और बटालियन मैगजीन से एके-203 असॉल्ट राइफलें और गोलियां चोरी करने का आरोप है। चोरी का सामान नागरकुर्नूल के अचामेप्ट में उसके पिता के घर छिपाया गया था। पुलिस ने बताया कि चोरी का पूरा सामान बरामद कर लिया गया है। जांच में किसी आतंकी या उग्रवादी संगठन से कनेक्शन नहीं मिला।

नायरा का पेट्रोल 5 डीजल 3 रुपए महंगा

एजेंसी, भोपाल। नायरा एनर्जी ने पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ा दी हैं। कंपनी ने पेट्रोल के दाम में 5 रुपए प्रति लीटर और डीजल में 3 प्रति लीटर का इजाफा किया है। नई कीमतें शनिवार सुबह से ही लागू हो गई हैं। इस बढ़ोतरी के बाद भोपाल में एक लीटर पेट्रोल 119.54 रुपए और डीजल 102.64 का हो गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दामों में आई तेजी के बाद रिटेल कीमतों और बढ़ती लागत के बीच के अंतर को कम करने के लिए यह फैसला लिया गया है। इस साल की शुरुआत में जब ईरान संघर्ष के कारण ग्लोबल एनर्जी सप्लाई प्रभावित हुई थी, तब कंपनी ने 26 मार्च को भी पेट्रोल 5 और डीजल 3 प्रति लीटर महंगा कर दिया था।

राहुल गांधी ने शुरू की 'सत्याग्रह' पहल

एजेंसी, नई दिल्ली। राहुल गांधी ने देशभर में अन्याय और अपने हक के लिए लड़ रहे लोगों की आवाज को एक साथ जोड़ने के लिए सत्याग्रह नाम से एक पहल शुरू की है। राहुल ने कहा कि जो भी लोग अन्याय के खिलाफ लड़ रहे हैं, वे अपनी कहानी भेजें। मैं नेता विपक्ष के रूप में संसद से लेकर सड़क तक आपके साथ खड़ा हूं। राहुल की इस पहल का नाम महात्मा गांधी के 'सत्याग्रह' से जुड़ा है। आजादी की लड़ाई के दौरान गांधीजी ने भी यही तरीका अपनाया था। गांधी हेरिटेज पोर्टल के मुताबिक, उस समय लोगों ने गांधीजी को जमीन, संपत्ति, जेल और अन्याय से जुड़े मामलों की जानकारी भेजी थी। गांधीजी को भेजे गए 8,500 से ज्यादा लेटर आज भी मौजूद हैं। हालांकि, वास्तविक संख्या ज्यादा हो सकती है।

अमेरिका के ओहायो में हिंदू मंदिर पर हमला खिड़कियां-दरवाजे तोड़े

एजेंसी, वॉशिंगटन। अमेरिका के ओहायो में शुक्रवार को हिंदू मंदिर पर ईंटों से हमला किया गया। इसमें मंदिर को काफी नुकसान हुआ। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन के मुताबिक, दोपहर 1:30 बजे श्री स्वामीनारायण वडताल धाम हिंदू मंदिर को निशाना बनाया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक हमले में मंदिर की खिड़कियां टूट गईं। घटना के समय पुजारी और कई श्रद्धालु मंदिर के अंदर मौजूद थे। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज मौजूद है। अधिकारी इनकी जांच कर रहे हैं।

एशियाड में भारत ने जीते 21 गोल्ड

भारत के पदकों की संख्या पहुंची 85; तालिका में चौथे स्थान पर, चीन 341 पदकों के साथ शीर्ष पर







◆भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान को 19 रन से हराकर दूसरी बार एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक जीता

◆कुश्ती में अमन सहरावत ने जीता स्वर्ण, पुरुष हॉकी टीम ने भी मलयेशिया को हराकर गोल्ड पर जमाया कब्जा

एजेंसी, नागोया। एशियन गेम्स 2026 में शनिवार के दिन भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य समेत कुल नौ पदक अपने नाम किए।

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने फाइनल में पाकिस्तान को 19 रन से हराकर लगातार दूसरी बार एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक जीता। पुरुष हॉकी टीम ने भी मलयेशिया को 5-1 से हराकर गोल्ड पर कब्जा जमाया और लगातार दूसरी बार चैंपियन बनी। तीरंदाजी में कुमकुम मोहोद ने महिला व्यक्तिगत रिकर्व में भारत को पहली बार स्वर्ण दिलाकर 48 साल का इंतजार खत्म किया, जबकि गोल्फ में प्रणवी शरत उर्स ने महिला व्यक्तिगत स्पर्धा का स्वर्ण अपने नाम किया। वहीं, महिला गोल्फ टीम ने रजत, अंतिम पंघाल ने कुश्ती में रजत और दीपक पूनिया तथा नीरज चौहान ने कांस्य पदक जीते। इन उपलब्धियों के बाद भारत के कुल पदकों की संख्या 85 हो गई है।

भारत ने कुल 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदक जीते हैं और पदक तालिका में चौथे स्थान पर है। पदक तालिका में चीन 341 पदकों के साथ शीर्ष पर रहा, जिसमें 169 स्वर्ण, 89 रजत और 83 कांस्य शामिल हैं। जापान 267 पदकों के साथ दूसरे और दक्षिण कोरिया 149 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। 2023 में भारत ने 28 गोल्ड सहित 106 मेडल जीते थे।



भारत का पहला गोल्ड जीता। कुश्ती में अमन सहरावत ने भी

दिल्ली में पीएम मोदी से मिले हरियाणा भाजपा के विधायक



◆पीएम मोदी ने हरियाणा के खिलाड़ियों और किसानों से जुड़े मुद्दों पर की चर्चा

एजेंसी, गुरुग्राम। हरियाणा भाजपा के सभी 48 विधायकों की दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास पर पीएम नरेंद्र मोदी के साथ मीटिंग हुई। करीब एक घंटे तक चली इस मीटिंग में प्रधानमंत्री मोदी ने प्रदेश के खिलाड़ियों और किसानों को लेकर चर्चा की।

सीएम नायब सैनी के साथ पीएम ने अकेले में भी मुलाकात की। मीटिंग के बाद इलैक्ट्रिक बस में सीएम के साथ सभी विधायक दिल्ली स्थित हरियाणा भवन लौट गए। इसके बाद सीएम आज शाम सिंगापुर दौरे के लिए रवाना होंगे। 12 साल में ये पहला मौका था, जब हरियाणा भाजपा के सभी विधायकों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संवाद किया। इससे पहले 2014 में भाजपा के सभी विधायकों की पीएम मोदी के साथ मीटिंग हुई थी। पीएम संग मीटिंग से पहले शनिवार दोपहर सीएम ने हरियाणा भवन में सभी विधायकों के साथ लंच किया। वहीं, मीटिंग में विधायकों के अलावा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता और संगठन मंत्री पवन राणा भी मौजूद रहे। भाजपा सूत्रों की मानें तो 1 नवंबर को हरियाणा दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरियाणा आ सकते हैं। ऐसे में उनके संभावित दौरे से पहले भाजपा विधायकों के साथ होने वाली यह बैठक अहम रही। इससे पहले प्रदेश अध्यक्ष अर्चना गुप्ता ने 29 जुलाई को पदभार संभालने के बाद प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की थी। मुलाकात के बाद उन्होंने बताया था कि प्रधानमंत्री ने हरियाणा के विधायकों से मिलने का वादा किया है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, विधायकों के साथ बैठक सितंबर में कराने का प्रस्ताव था, लेकिन प्रधानमंत्री की व्यस्तता के कारण इसे टाल दिया गया।

हिमाचल में अगले छह माह में चार हजार और शिक्षक होंगे नियुक्त : सीएम सुखविंद्र सुक्खू

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए राज्य सरकार जल्द नीति लागू करेगी और सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) जारी रहेगी। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने रामपुर विधानसभा क्षेत्र के नोगली में आयोजित जनसभा में यह बात कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में रहने तक पुरानी पेंशन योजना बंद नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आउटसोर्स कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए राज्य सरकार नीति तैयार करने पर काम कर रही है। इसे आने वाले समय में लागू किया जाएगा। करुणामूलक आधार पर रोजगार के पात्र मामलों में करीब 70 फीसदी मामलों का समाधान किया जा चुका है और पात्र लोगों को रोजगार दिया गया है। शिक्षा क्षेत्र का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में अब तक 10 हजार से अधिक शिक्षकों की भर्ती की जा चुकी है। अगले छह महीने में चार हजार और शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। प्रदेश में 150 से अधिक सीबीएसई स्कूल खोले गए हैं, जिनमें करीब दो हजार शिक्षकों की नियुक्ति हो चुकी है। ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को घर के नजदीक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड से संबद्ध 300 विद्यालयों को स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जा रहा है। सुक्खू ने दावा किया कि वर्ष 2021 में पूर्व भाजपा सरकार के कार्यकाल में गुणात्मक शिक्षा के क्षेत्र में हिमाचल 21वें स्थान पर था और अब पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। शिक्षा और स्वास्थ्य सरकार की प्राथमिकताओं में हैं और इन क्षेत्रों में धन की कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी।



◆आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए जल्द नीति होगी लागू

होर्मुज में जहाज पर मिसाइल हमला, 5 भारतीय थे सवार, सभी सुरक्षित

एजेंसी, मस्कट। होर्मुज स्ट्रेट में शुक्रवार को एक जहाज पर मिसाइल हमला हुआ। इसमें सवार 5 भारतीय नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया है। ओमान में भारतीय दूतावास ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। ये नाविक कुवैत के झंडे वाले टैंकर एमटी काजिमाह III पर सवार थे। यह कच्चे तेल से भरा था और अफ्रीका की ओर जा रहा था। हालांकि, यह हमला किसने किया, यह अभी जानकारी तक सामने नहीं आई। फरवरी से अब तक होर्मुज में हमलो में 100 से ज्यादा भारतीय नाविक प्रभावित हो चुके हैं। वहीं, इन हमलों में 11 भारतीय नाविकों की जान गई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इससे पहले मंगलवार को बताया था कि इस क्षेत्र में चल रहे व्यावसायिक जहाजों पर 4500 से ज्यादा भारतीय नाविक सवार हैं।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों को किया सम्मानित



◆कहा-जनता की सुरक्षा में निडर होकर करें काम

एजेंसी, जालंधर। पंजाब सरकार ने राज्य में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और नशीले पदार्थों व अपराध के खिलाफ शानदार कार्रवाई करने वाले पुलिस अधिकारियों को नकद इनाम देकर सम्मानित किया। महाराजा रणजीत सिंह पुलिस अकादमी, फिलौर में आयोजित एक विशेष समारोह के दौरान मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अधिकारियों का मार्गदर्शन किया।

इस दौरान उन्होंने जमीनी स्तर पर तैनात एसएचओ व डीएसपी अधिकारियों की भूमिका की जमकर सराहना की। पंजाब पुलिस के बहादुर और उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को उनकी सेवाओं के लिए नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इनाम वितरण के पश्चात मंच संचालक ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को मंच पर आकर संबोधित करने और सभी का मार्गदर्शन करने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत में राज्यभर से आए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, आईजी, डीआईजी, एसपी, एसएसपी और एसएचओ का स्वागत किया। कार्यक्रम में मंच पर पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव, मुख्य सचिव केएपी सिन्हा, वरिष्ठ अधिकारी प्रवीण सिन्हा, साक्षी सिन्हा, सीपी जालंधर रेंज, जालंधर देहाती के एसएसपी तथा जालंधर के डिप्टी कमिश्नर हिमांशु अग्रवाल उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री मान ने इस अनोखे कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए पूरी टीम को बधाई दी। अपने भाषण में मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बताया कि जब इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की जा रही थी, तब उन्होंने केवल कागजी आंकड़ों और रिकवरी रिपोर्टों पर निर्भर रहने के बजाय सीधे जनता के संपर्क में रहने वाले अधिकारियों से मिलने का फैसला किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है, जब राज्य के डीजीपी, मुख्य सचिव और शीर्ष पुलिस प्रशासनिक अधिकारी सीधे एसएचओ और डीएसपी स्तर के अधिकारियों के साथ संवाद कर रहे हैं।

तिरुपति की फार्मा कंपनी में फटा बॉयलर, पांच की मौत

एजेंसी, तिरुपति। आंध्र प्रदेश के तिरुपति में श्री सिटी की एक फार्मा कंपनी में बॉयलर फट गया। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं, 10 लोग गंभीर रूप से घायल हुए।

घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। धमाकों के कारणों का पता नहीं चल पाया। पुलिस जांच कर रही है। धमाका इतना तेज था कि बिल्डिंग का हिस्सा मलबे में तब्दील हो गया। सत्यवेडु मंडल में हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और इमरजेंसी सर्विस टीमें मौके पर पहुंची और राहत-बचाव का काम शुरू किया। एक अधिकारी के मुताबिक, बॉयलर फटने की सही वजह अभी पता नहीं चली है। अधिकारी यह जांच कर रहे हैं कि हादसा तकनीकी खराबी, सुरक्षा व्यवस्था में चूक, संचालन संबंधी लापरवाही या किसी अन्य कारण से हुआ। अधिकारियों ने अभी सभी मृतकों की पहचान और हादसे की पूरी जानकारी जारी नहीं की है। बचाव अभियान और घायलों की मेडिकल जांच पूरी होने के बाद मृतकों और घायलों की संख्या की पुष्टि होने की उम्मीद है। राज्य में यह पिछले एक साल में हुआ एक और बड़ा औद्योगिक हादसा है। इसी साल जून में विशाखापट्टनम स्टील प्लांट में पिघला हुआ स्टील ले जा रहा लैडल टूट गया था। इसके बाद आग में 8 कर्मचारियों की मौत हुई थी।



ओखला लैंडफिल साइट पर पहुंची सीएम रेखा गुप्ता, कूड़ा निस्तारण की समीक्षा

दिल्ली को कूड़े के पहाड़ों से पूरी तरह मुक्त कराना लक्ष्य

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को ओखला लैंडफिल साइट का दौरा कर कूड़ा निस्तारण की प्रगति और अधिकारियों के साथ आगे की कार्ययोजना की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि दिल्ली को कूड़े के पहाड़ों से पूरी तरह मुक्ति दिलानी है। इसके लिए पूरी टीम मिशन मोड में दिन-रात काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से कहा कि जनवरी 2025 से पहले जमा लगभग सारा पुराना कचरा (लेगसी कचरा) प्रोसेस किया जा चुका है। यहां अभी जो कचरा जमा है, वह जनवरी 2025 के बाद का कचरा है और उसे भी चौबीसों घंटे प्रोसेस किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार दो मोर्चों पर लड़ रही है। पहले पिछली सरकारों से मिले



◆कहा- कचरे के पहाड़ यमुना सफाई और सड़क सुधार पर सरकार का ध्यान

पुराने कचरे को खत्म करना और दूसरा यह पक्का करना कि रोजाना आने वाला 3,000 से 4,000 मीट्रिक टन ताजा कचरा को तुरंत प्रोसेस किया जाए। इसीलिए आज यहां एक और कचरा प्रोसेस करने वाली यूनिट की शुरुआत की जा रही है। इससे ताजा कचरे और कंस्ट्रक्शन व डिमोलिशन कचरे दोनों की प्रोसेसिंग पक्की होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए कचरे के नए पहाड़ नहीं बनेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार प्रदूषण कम करने के लिए हर पहलू काम कर रही है, चाहे वह कचरे के पहाड़ों, यमुना की सफाई या सड़क के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाना हो।

अमित शाह बोले-एमपी को 2029 तक करेंगे नशामुक्त



एजेंसी, भोपाल। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि मध्य प्रदेश को 31 दिसंबर, 2029 तक नशामुक्त करेंगे। भोपाल के भेल दशहरा मैदान पर हुए 11 जिलों के करीब 35 हजार गोपालकों के सम्मेलन में उन्होंने गोशालाओं को 101 करोड़ दिए।

उज्जैन में बन रहे 255 करोड़ के डेयरी प्लांट का वर्चुअली भूमिपूजन भी किया। शाह ने कहा कांग्रेसी हमारा विरोध करते हैं। मैं आज उनको हिसाब देने आया हूं। आपने 75 साल में देश में दूध का कुल उत्पादन 14 करोड़ 7 लाख टन पहुंचाया था। मोदी ने 10 साल में 25 करोड़ तक पहुंचाने का काम किया है। प्रति व्यक्ति दूध उत्पादन 2014-15 में 307 ग्राम था, अब 58 प्रतिशत बढ़कर 485 ग्राम हो गया। हमारा देश दुनियाभर में सबसे ज्यादा दूध उत्पादन करने वाला देश बना है। इसमें पहले 5 राज्य- उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र बीजेपी शासित हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा मेरी एक मीटिंग मुख्यमंत्री और गृह विभाग के साथ है। मध्यप्रदेश 31 दिसंबर 2029 से पहले नारकोटिक्स से मुक्त हो जाए, इस प्रकार की बारीक प्लानिंग आज करना चाहते हैं। अभिभावकों, विशेष कर माताओं से कहने आया हूं आपके बेटे-बेटी के लिए नशे की जगह नहीं होगी।

50 हजार बेटियों को जल्द देंगे स्कूटी : योगी

कहा- 4.60 लाख छात्रों को स्कॉलरशिप दी, इसे गुटखा-चाट में खर्च मत कर देना

एजेंसी, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसी भी छात्र को धनराशि के अभाव में अपनी स्कूली शिक्षा से वंचित न होना पड़े। हर छात्र को शिक्षा प्राप्त करने और आगे बढ़ने का समान अवसर मिले, इसके लिए डबल इंजन सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती समाजवादी पार्टी (सपा) सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि 2016-17 में अनुसूचित जाति-जनजाति की छात्रवृत्ति भेजी ही नहीं गई। तत्कालीन सरकार यह छात्रवृत्ति खा गई थी। 2017 में हमारी सरकार बनी तो हमने 2016-17 व 2017-18 की छात्रवृत्ति एक साथ भेजी। पहले केवल 2900 करोड़ रुपए ही छात्रवृत्ति दी जाती थी। आज हमारी सरकार 6200 करोड़ रुपए (दोगुने से अधिक) छात्रवृत्ति देती है। मुख्यमंत्री ने शनिवार को लोकभवन में चालू वित्त वर्ष के लिए पूर्वदशम (09-10) तथा दशमोत्तर कक्षाओं के 4.60 लाख से अधिक विद्यार्थियों के खाते में 148 करोड़ रुपए से अधिक की छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति हस्तांतरित की और 11 विद्यार्थियों को अपने हाथ से छात्रवृत्ति प्रमाण पत्र भी सौंपे। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि छात्रों के लिए पैसे की कोई कमी नहीं है। हर पात्र बच्चे को छात्रवृत्ति मिलेगी, छूटे हुए बच्चे भी जल्द आवेदन करें। उन्होंने बच्चों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि छात्रवृत्ति की राशि को खान-पान के बजाय शिक्षा पर ही खर्च कीजिए। इससे अच्छी पाठ्य पुस्तकें, रेफरेंस बुक खरीदिए। पाठ्यक्रम के साथ ही महापुरुषों की आत्मकथा, ज्ञानवर्धक व धार्मिक पुस्तकों को पढ़िए, अपना बुक बैंक बढ़ाइए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले जेईई, नीट की तैयारी के लिए युवा दूसरे राज्यों में जाते थे। अब युवा मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग के जरिए इसका लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगले महीने 50,000 मेधावी बच्चियों को स्कूटी देंगे। 2017 के पहले सैफई सिंडिकेट को लूट-खसोट से ही फुर्सत नहीं थी। अपने परिवार की सोचने वाले इन लोगों के लिए प्रदेश के अन्य लोग बेगाने थे, पर अब यूपी खुशहाली की राह पर चला है।



सराहा हरियाणा के युवाओं ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात, साझा किए उत्तराखंड भ्रमण के अनुभव

अंतरराज्यीय भ्रमण से बढ़ता है अनुभवों व विचारों का आदान-प्रदान: धामी

एजेंसी, देहरादून। हरियाणा से उत्तराखंड के तीन दिवसीय भ्रमण पर आए युवाओं ने शनिवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास में भेंट की। युवाओं ने राज्य में कनेक्टिविटी, पर्यटन, होम-स्टे, सौर ऊर्जा, सीमांत क्षेत्रों के विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के अनुभव मुख्यमंत्री के साथ साझा किए।

युवाओं ने कहा कि पर्वतीय भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद उत्तराखंड में सड़क और डिजिटल कनेक्टिविटी के विस्तार की दिशा में कार्य हुआ है। उन्होंने रेलवे नेटवर्क के विस्तार, स्वच्छ पर्यावरण और बेहतर वायु गुणवत्ता की भी सराहना की। युवाओं के अनुसार होम-स्टे को बढ़ावा देने से स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार के अवसर बढ़े हैं। सीमांत क्षेत्रों में अवस्थापना सुविधाओं के विकास के प्रयासों को भी उन्होंने उपयोगी बताया। युवाओं ने कहा कि तीर्थाटन और पर्यटन के लिए विकसित की जा रही सुविधाओं का असर दिखाई दे रहा है। बेहतर कनेक्टिविटी व सुविधाओं से श्रद्धालुओं व पर्यटकों की आवाजाही बढ़ी है। उन्होंने सोलर रूफटॉप योजना को राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप उपयोगी पहल बताया। युवाओं ने उत्तराखंड के शांत वातावरण और स्थानीय लोगों के आत्मीय व्यवहार की भी प्रशंसा की। मुख्यमंत्री धामी ने युवाओं का स्वागत करते हुए कहा कि 'अतिथि देवो भव:' देवभूमि उत्तराखंड की संस्कृति और परंपरा का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने कहा कि अंतरराज्यीय भ्रमण से युवाओं को देश की सांस्कृतिक विविधता, विभिन्न राज्यों में किए जा रहे नवाचारों और विकास की कार्यप्रणालियों को समझने का अवसर मिलता है। इससे राज्यों के बीच विचारों और अनुभवों का आदान-प्रदान भी बढ़ता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार विकास का लाभ समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से कार्य कर रही है। गरीबों, महिलाओं, युवाओं, किसानों और अन्य वर्गों के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने के साथ सरकारी भर्ती प्रक्रियाओं को पारदर्शी बनाने के लिए कदम उठाए गए हैं। पिछले लगभग पांच वर्षों में करीब 35 हजार युवाओं को सरकारी सेवाओं में नियुक्ति दी गई है।



उत्तराखंड विकास, विरासत को साथ लेकर आगे बढ़ रहा

सीएम ने कहा कि उत्तराखंड विकास और विरासत को साथ लेकर आगे बढ़ रहा है। समान नागरिक संहिता, महिला सशक्तीकरण, स्वरोजगार, पर्यटन, स्थानीय उत्पादों, होम-स्टे, सौर ऊर्जा और सीमांत क्षेत्रों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से अपने भ्रमण के अनुभव सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल माध्यमों से साझा करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वे उत्तराखंड के डिजिटल ब्रांड एंबेसडर की भूमिका निभा सकते हैं। राज्य की संस्कृति, पर्यटन, तीर्थाटन, स्थानीय उत्पादों, होम-स्टे, मिलेट्स, हस्तशिल्प और महिला स्वयं सहायता समूहों के कार्यों की जानकारी देश के अन्य हिस्सों तक पहुंचाने में युवा महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने 1,471 पंजीकृत श्रमिकों को 5.78 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की

श्रमिक कल्याण बोर्ड ने शिक्षा से लेकर आवास तक विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, रामपुर। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने रामपुर विधानसभा क्षेत्र के नोगली में हिमाचल प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड के माध्यम से प्रदेश के 1471 पंजीकृत श्रमिकों एवं उनके आश्रितों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत कुल 5,78,81,725 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की। इस सहायता से विधवा, दिव्यांग और जरूरतमंद श्रमिक परिवारों के साथ-साथ श्रमिकों के बच्चों को उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, विवाह और अन्य आवश्यकताओं के लिए आर्थिक संबल मिला।



मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत विधवा, एकल, निराश्रित एवं दिव्यांग महिलाओं को घर निर्माण के लिए कुल 45.95 लाख रुपये की सहायता प्रदान की गई। इससे जरूरतमंद महिलाओं को सुरक्षित आवास उपलब्ध करवाने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मदद मिलेगी। सरकार की ओर से श्रमिक परिवारों की सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सहायता उपलब्ध करवाई जा रही है।

◆नोगली में श्रमिकों के लिए आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सुक्खू के साथ लाभार्थी और अधिकारी

वित्तीय सहायता का बड़ा हिस्सा पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा और विवाह के लिए प्रदान किया गया। शिक्षा सहायता योजना के तहत 968 लाभार्थियों को 2,74,04,500 रुपये की सहायता दी गई, जबकि विवाह सहायता योजना के तहत 359 लाभार्थियों को 1,83,09,000 रुपये प्रदान किए गए। इससे श्रमिक परिवारों को बच्चों की पढ़ाई और विवाह संबंधी खर्चों में आर्थिक राहत मिली। इसके अतिरिक्त दुर्घटना मृत्यु एवं अंतिम संस्कार सहायता के 21 मामलों में 54,20,000 रुपये दिए गए। मातृत्व एवं पितृत्व लाभ के 30 मामलों में 7,14,000 रुपये की सहायता प्रदान की गई। बालिका जन्म उपहार योजना के तहत 15 बालिकाओं के परिवारों को 7,65,000 रुपये दिए गए। मानसिक दिव्यांग आश्रितों के लिए 10 लाभार्थियों को 2,15,000 रुपये तथा दिव्यांग पेंशन के तहत एक लाभार्थी को 25,000 रुपये की सहायता प्रदान की गई।

प्रदेश के विभिन्न जिलों और बोर्ड के उप कार्यालयों के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को यह सहायता उपलब्ध करवाई गई। हमीरपुर में 225 लाभार्थियों को 76,74,400 रुपये, चंबा में 164 को 70,54,800 रुपये, सिरमौर में 140 को 51,80,600 रुपये, मंडी में 171 को 64,80,883 रुपये और किन्नौर में 126 लाभार्थियों को 48,39,388 रुपये की सहायता मिली। इसी प्रकार कांगड़ा में 270 लाभार्थियों को 1,02,07,200 रुपये, शिमला में 88 को 45,58,253 रुपये, बिलासपुर में 104 को 32,98,800 रुपये, ऊना में 72 को 33,93,400 रुपये, सोलन में 63 को 30,51,000 रुपये और कुल्लू में 48 लाभार्थियों को 21,43,001 रुपये की सहायता प्रदान की गई।

एंबुलेंस का सायरन सुनते ही रास्ता दें, नहीं तो 10 हजार जुर्माना और जेल तक की सजा

सड़क पर कुछ सेकंड की देरी मरीज के लिए पड़ सकती है भारी, पुलिस ने की अपील

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। सड़क पर एंबुलेंस या अन्य आपातकालीन वाहन का सायरन सुनाई देने पर वाहन चालकों को तुरंत सतर्क होकर सुरक्षित तरीके से रास्ता देना चाहिए। हिमाचल प्रदेश पुलिस ने सड़क सुरक्षा को लेकर वाहन चालकों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि एंबुलेंस, अग्निशमन वाहन और अन्य अधिकृत आपातकालीन वाहनों को प्राथमिकता से रास्ता देना प्रत्येक वाहन चालक की जिम्मेदारी है। आपातकालीन स्थिति में कुछ सेकंड की देरी भी मरीज या अन्य प्रभावित व्यक्ति के लिए गंभीर साबित हो सकती है।

पुलिस के अनुसार सड़क पर एंबुलेंस, अग्निशमन वाहन अथवा अन्य अधिकृत आपातकालीन वाहन दिखाई दे या उसका सायरन सुनाई दे तो वाहन चालक को सुरक्षित तरीके से सड़क के बाईं ओर होकर रास्ता बनाना चाहिए। आपातकालीन वाहन के आगे निकलने तक उसका मार्ग बाधित नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि, रास्ता बनाते समय वाहन चालक को अचानक ब्रेक लगाने या ऐसा कोई कदम उठाने से बचना चाहिए, जिससे सड़क पर अन्य वाहनों के लिए खतरा पैदा हो। मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 194ई के तहत आपातकालीन वाहनों को रास्ता नहीं देने पर कार्रवाई का प्रावधान है। इसके दायरे में एंबुलेंस, अग्निशमन वाहन और राज्य सरकार की ओर से निर्धारित अन्य आपातकालीन वाहन आते हैं। वर्ष 2019 में किए गए संशोधन के बाद यह प्रावधान मोटर वाहन कानून का हिस्सा बना था।



कानूनी प्रावधान के अनुसार पहली बार नियम का उल्लंघन करने पर 10 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। वहीं, दूसरी या बाद की बार उल्लंघन करने पर छह महीने तक की सजा, 10 हजार रुपये तक का जुर्माना या दोनों का प्रावधान है। ऐसे में आपातकालीन वाहन का रास्ता रोकना महज यातायात नियमों की अनदेखी नहीं, बल्कि कानून का उल्लंघन भी है। पुलिस ने कहा कि एंबुलेंस अक्सर दुर्घटना, गंभीर बीमारी या अन्य आपात परिस्थितियों में मरीजों को अस्पताल पहुंचाने के लिए दौड़ रही होती है। इसी तरह अग्निशमन वाहन को घटनास्थल तक पहुंचने में होने वाली देरी राहत एवं बचाव कार्य को प्रभावित कर सकती है। इसलिए वाहन चालकों को सायरन सुनते ही धैर्य और सावधानी के साथ रास्ता बनाना चाहिए।

पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे आपातकालीन वाहन के निकलने तक उसका मार्ग अवरुद्ध न करें। सड़क पर दिखाई गई थोड़ी सी समझदारी किसी व्यक्ति तक समय पर चिकित्सा या राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करते हुए आपातकालीन वाहनों को निर्बाध रास्ता उपलब्ध करवाएं। विशेषकर भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों और संकरे मार्गों पर वाहन खड़ा करने से बचें, ताकि एंबुलेंस तथा अग्निशमन वाहनों को समय पर गंतव्य तक पहुंचने में किसी प्रकार की बाधा न हो।

हरिकृष्ण हिमराल ने मुख्य चुनाव आयुक्त को बर्खास्त करने की मांग की

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जिला शिमला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के अध्यक्ष हरिकृष्ण हिमराल ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्त (नियुक्ति, सेवा शर्तें और पदावधि) अधिनियम, 2023 को लेकर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर सवाल उठाए हैं। पत्रकारों से बातचीत में हिमराल ने कहा कि इस कानून के तहत मुख्य चुनाव आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों को उनके आधिकारिक कर्तव्यों के दौरान या उसके बाद किए गए कार्यों के संबंध में दीवानी और आपराधिक कार्यवाही से सुरक्षा का प्रावधान किया गया है।



उनके अनुसार, इससे चुनाव आयोग की जवाबदेही को लेकर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। अधिनियम में मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति तथा उनकी सेवा शर्तों से संबंधित प्रावधान किए गए हैं। हिमराल ने कहा कि नियुक्ति प्रक्रिया में चयन समिति की संरचना को लेकर भी कांग्रेस लगातार सवाल उठाती रही है। उन्होंने दावा किया कि इसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश की जगह केंद्रीय मंत्रिमंडल के सदस्य को शामिल किया गया, जिससे नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर पारदर्शिता पर सवाल खड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने की प्रक्रिया संविधान में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के समान निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और अधिकारियों की जवाबदेही से जुड़े प्रावधानों को लेकर विभिन्न पक्षों की ओर से न्यायिक मंचों पर सवाल उठाए गए हैं।

हिमराल के अनुसार, कानून के समर्थकों का तर्क है कि इस तरह की सुरक्षा चुनाव आयोग की स्वतंत्र कार्यप्रणाली सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है, जबकि आलोचकों का मानना है कि इससे जवाबदेही प्रभावित हो सकती है। हिमराल ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर आरोप लगाए।

शिमला जिला में प्रवासी श्रमिकों के रोजगार एवं स्वरोजगार से पूर्व सत्यापन अनिवार्य

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जिला दंडाधिकारी शिमला अनुपम कश्यप ने शिमला जिले में आने वाले प्रवासी श्रमिकों के संबंध में आवश्यक आदेश जारी किए हैं। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय न्याय संहिता के संबंधित प्रावधानों के तहत जारी आदेश का उद्देश्य जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। आदेश एक अक्टूबर 2026 से प्रभावी हो गया है और 30 नवंबर तक लागू रहेगा।

आदेश के अनुसार, जिले में आने वाले किसी भी प्रवासी श्रमिक को नियोक्ता, ठेकेदार या व्यापारी तब तक गैर-औपचारिक कार्य, सेवा अथवा ठेका श्रम में नियोजित नहीं कर सकेगा, जब तक संबंधित श्रमिक के व्यक्तिगत विवरण, पासपोर्ट आकार की तस्वीर और अन्य आवश्यक जानकारी संबंधित पुलिस थाना प्रभारी को उपलब्ध नहीं करवाई जाती। इसके बाद पुलिस द्वारा उसकी पहचान और पूर्ववृत्त का सत्यापन किया जाएगा। इसी तरह शिमला जिले में आने वाला कोई भी व्यक्ति गैर-औपचारिक व्यवसाय या स्वरोजगार शुरू करने अथवा रोजगार प्राप्त करने से पहले संबंधित थाना प्रभारी को इसकी सूचना देगा। जिस क्षेत्र में वह काम, व्यवसाय या स्वरोजगार करना चाहता है, वहां के संबंधित पुलिस थाने को इसकी जानकारी देना भी अनिवार्य होगा।

जिला दंडाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन करने वाले प्रवासी श्रमिकों के साथ-साथ उनके नियोक्ताओं के विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत उल्लंघन करने वालों पर दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान है। जिला प्रशासन के अनुसार, आदेश की तात्कालिक आवश्यकता को देखते हुए इसे तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। प्रशासन ने संबंधित नियोक्ताओं, ठेकेदारों, व्यापारियों और अन्य लोगों से आदेश का पालन सुनिश्चित करने को कहा है।

झूठे आरोप लगाने से पहले विकास परियोजनाएं देखें बिंदल: सुमन भारती

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुमन भारती शर्मा ने हिमाचल भाजपा अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल की ओर से प्रदेश सरकार पर 600 करोड़ रुपये का कर्ज लेने और प्रचार पर भारी खर्च करने संबंधी लगाए गए आरोपों पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं को आरोप लगाने से पहले प्रदेश में चल रहे बड़े निर्माणाधीन प्रोजेक्टों का दौरा करना चाहिए, ताकि उन्हें धरातल पर हो रहे विकास कार्य दिखाई दे सकें।



सुमन भारती ने कहा कि केवल बयानबाजी और आंकड़ों की बाजीगरी से विकास कार्यों की वास्तविकता नहीं बदली जा सकती। उन्होंने कहा कि बिंदल ने प्रदेश की सड़कों की स्थिति पर सवाल उठाए हैं, लेकिन उन्हें यह भी बताना चाहिए कि पांच घंटे के सफर के दौरान दिखाई दिए करीब एक हजार होर्डिंग में से कितने राष्ट्रीय राजमार्ग, फोरलेन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और केंद्र की सड़क परियोजनाओं से संबंधित थे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने आपदा में क्षतिग्रस्त सड़कों, स्वास्थ्य संस्थानों, हिमकेयर के लंबित भुगतान और कर्मचारियों के देयों को पूरा करने के लिए कर्ज लिया है, न कि प्रचार के लिए। उन्होंने प्रचार पर एक हजार करोड़ रुपये खर्च होने के आरोप को बेबुनियाद बताते हुए कहा कि इसका कोई सरकारी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया है। सुमन भारती ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और किसानों से जुड़े क्षेत्रों को मजबूत करने के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने दावा किया कि मेडिकल कॉलेजों में करीब तीन हजार करोड़ रुपये के आधुनिक उपकरण लगाए गए हैं तथा शिक्षा के क्षेत्र में भी कई विद्यालयों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। किसानों और जरूरतमंद वर्गों के लिए भी विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि पंचायती राज संस्थाओं में केवल अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव को जनता का जनमत नहीं माना जा सकता। सुमन भारती ने भाजपा से अपने संगठन की आंतरिक गुटबाजी पर ध्यान देने की बात कही और कहा कि कांग्रेस सरकार अपनी घोषित योजनाओं पर काम कर रही है तथा सरकारी खर्च का विवरण विधानसभा के समक्ष रखती है।

शिमला पुलिस ने 12 ग्राम चिट्टा सहित युवक को किया गिरफ्तार



भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने शोघी के पास एक बस से करीब 12 ग्राम चिट्टा बरामद किया है। पुलिस ने मामले में 25 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, विशेष सैल की टीम दो अक्टूबर को पुलिस चौकी शोघी के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग-05 पर वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान सोलन की ओर से आ रही एक बस को रोककर यात्रियों और सामान की जांच की गई। बस में बैठे एक युवक ने पुलिस को देखकर अपनी जींस की जेब से एक वस्तु निकालकर पैरों के नीचे छिपा दी। संदेह होने पर पुलिस ने सीट और आसपास के हिस्से की तलाशी ली। इस दौरान सिगरेट की डिब्बी बरामद हुई, जिसके अंदर पारदर्शी पॉलीथीन पाउच में हल्के भूरे रंग का पदार्थ रखा था। जांच में पदार्थ चिट्टा/हेरोइन पाया गया, जिसका वजन करीब 12 ग्राम था। पुलिस ने युवक की पहचान मयंक नेगटा, निवासी तहसील चौपाल, जिला शिमला के रूप में की है। उसकी उम्र 25 वर्ष बताई गई है। बरामद मादक पदार्थ को कब्जे में लेकर पुलिस थाना बालूगंज में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21 के तहत अभियोग दर्ज किया गया है।

यूएन महासभा में हिमाचल का गौरव बढ़ाएंगे सिकंदर कुमार

न्यूयॉर्क में 5 से 9 अक्टूबर तक विभिन्न अंतरराष्ट्रीय बैठकों में शामिल होगा भारतीय दल

भारतेन्दु संवाददाता, नई दिल्ली/न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र में भारत की ओर से भाग लेने वाले उच्चस्तरीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा सांसद प्रोफेसर डॉ. सिकंदर कुमार करेंगे। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का यह दौरा पांच से नौ अक्टूबर 2026 तक संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय, न्यूयॉर्क में प्रस्तावित है। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल विभिन्न अंतरराष्ट्रीय बैठकों, द्विपक्षीय संवाद और नीतिगत चर्चाओं में हिस्सा लेगा।

सिकंदर कुमार के नेतृत्व में होने वाले इस दौरे में वैश्विक स्तर पर भारत से जुड़े विभिन्न विषयों और सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा होगी। दौरे की शुरुआत पांच अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के नॉर्थ लॉन में स्थापित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ होगी। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन की ओर से प्रतिनिधिमंडल को संयुक्त राष्ट्र में भारत की भूमिका, प्राथमिकताओं और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के योगदान को लेकर विस्तृत जानकारी दी जाएगी। प्रतिनिधिमंडल संयुक्त राष्ट्र से जुड़े विभिन्न संस्थानों के अधिकारियों के साथ भी संवाद करेगा।



कार्यक्रम के तहत संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम, यूनिसेफ और आतंकवाद विरोधी कार्यालय के साथ महत्वपूर्ण बैठकें प्रस्तावित हैं। इन बैठकों में विकास, बाल कल्याण, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और आतंकवाद से निपटने जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। सात अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय कपास दिवस के अवसर पर आयोजित विशेष सत्र में भी भारतीय प्रतिनिधिमंडल भाग लेगा। 'कपास स्थिरता : आजीविका, मूल्य संवर्धन और साझेदारी' विषय पर होने वाले इस सत्र में कपास क्षेत्र से जुड़े मुद्दों, आजीविका, मूल्य संवर्धन और अंतरराष्ट्रीय साझेदारी पर चर्चा होगी। दौरे के दौरान फ्रांस और रवांडा सहित विभिन्न देशों के स्थायी प्रतिनिधियों तथा अन्य वैश्विक कूटनीतिज्ञों के साथ द्विपक्षीय संवाद भी होंगे। इन बैठकों के माध्यम से भारत के विभिन्न देशों के साथ सहयोग और संबंधों को लेकर विचारों का आदान-प्रदान किया जाएगा।

◆वैश्विक मंच पर भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे सिकंदर कुमार

आठ अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के कॉन्फ्रेंस रूम में आयोजित होने वाले हिंदी दिवस समारोह में भारतीय सांसद भी भाग लेंगे। समारोह में हिंदी के अंतरराष्ट्रीय प्रचार-प्रसार और वैश्विक स्तर पर भारतीय भाषाओं की भूमिका पर चर्चा होगी। प्रतिनिधिमंडल के कार्यक्रम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीक भी प्रमुख विषय रहेगा।

शिमला के चिन्हित क्षेत्रों में रैलियों, प्रदर्शन सार्वजनिक बैठकों और नारेबाजी पर प्रतिबंध

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जिला दंडाधिकारी शिमला अनुपम कश्यप ने शहर में कानून-व्यवस्था और सार्वजनिक शांति बनाए रखने के उद्देश्य से पंजाब सुरक्षा राज्य अधिनियम, 1953 की धारा छह के तहत आदेश जारी किए हैं। आदेश के तहत मॉल रोड और इसके आसपास के चिन्हित क्षेत्रों में सार्वजनिक बैठकें, जुलूस, रैलियां, प्रदर्शन, नारेबाजी और बैंड बजाने पर प्रतिबंध रहेगा।

इसके अलावा ऐसे सामान या वस्तुएं ले जाने पर भी रोक रहेगी, जिनका इस्तेमाल हथियार के रूप में किया जा सकता है। जिला प्रशासन के अनुसार, किसी भी रैली, प्रदर्शन, सार्वजनिक बैठक या बैंड बजाने के लिए सक्षम प्राधिकारी से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। आदेश का उद्देश्य शहर में सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखना और कानून-व्यवस्था से जुड़ी किसी

◆मॉल रोड समेत चिन्हित क्षेत्रों में सार्वजनिक गतिविधियों पर प्रतिबंध

भी स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करना है। हालांकि, ड्यूटी के दौरान पुलिस, अर्द्धसैनिक बलों और सैन्य कर्मियों पर यह आदेश लागू नहीं होगा।

यह आदेश एक अक्तूबर 2026 से प्रभावी हो गया है और 30 नवंबर 2026 तक लागू रहेगा। आदेश का उल्लंघन कानून के अनुसार दंडनीय होगा। प्रतिबंधित क्षेत्र में छोटा शिमला से कैनेडी हाउस और रिज तक मॉल रोड, रेंडेजवस रेस्टोरेंट से रिवोली सिनेमा की ओर 150 मीटर तक का मार्ग तथा स्केंडल प्वाइंट से काली बाड़ी मंदिर तक का क्षेत्र शामिल है। छोटा शिमला गुरुद्वारा से कसुम्पटी मार्ग, राजभवन से ओक ओवर, कार्ट रोड से मजीठा हाउस तक क्षेत्र प्रतिबंधित रहेगा।

पीडीएनए से कांगड़ा में सड़क और पेयजल योजनाओं पर खर्च होंगे 10 .63 करोड़

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष एवं कांगड़ा के विधायक पवन काजल ने कहा कि कांगड़ा विधानसभा क्षेत्र में पोस्ट डिजास्टर नीड्स एसेसमेंट (पीडीएनए) के तहत केंद्र सरकार ने 10 करोड़ 63 लाख रुपये की राशि जारी की है। उन्होंने बताया कि स्वीकृत राशि की 30 प्रतिशत पहली किस्त करीब तीन करोड़ रुपये लोक निर्माण मंडल कांगड़ा कार्यालय को प्राप्त हो चुकी है। इसके अलावा जल शक्ति विभाग के लिए एक वर्ष के भीतर ढाई करोड़ रुपये की राशि पीडीएनए के तहत स्वीकृत की गई है।

काजल ने कहा कि इस राशि से आपदा के दौरान क्षतिग्रस्त हुई ग्रामीण सड़कों, सुरक्षा दीवारों तथा ग्रामीण क्षेत्रों की पेयजल योजनाओं के जल भंडारण टैंकों का निर्माण और मरम्मत कार्य करवाया जा रहा है। जनसंपर्क अभियान के तहत सहोड़ा गांव में उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से स्वीकृत राशि का श्रेय लेने को लेकर कुछ कांग्रेस नेता ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि राजल-नंदरुल सड़क पर सुरक्षा दीवार तथा समीरपुर-देहरिया-चील-वेही-कपाड़िया सड़क की मरम्मत पर करीब 15 लाख रुपये खर्च किए जा रहे हैं।

काजल ने कहा कि हार जलाड़ी-नंदरुल खर्ट को जोड़ने के लिए बनेर खड्ड पर निर्माणाधीन पुल बजट के अभाव में रुका हुआ है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं से इस पुल के लिए बजट उपलब्ध करवाने की मांग की। उनके अनुसार यह कार्य प्रदेश सरकार के क्षेत्राधिकार में आता है और उन्होंने विधानसभा में भी कई बार इसके लिए बजट की मांग उठाई है। काजल ने कहा कि समेला सुरंग से कांगड़ा बाईपास तक सड़क निर्माण के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने लोक निर्माण विभाग को 11 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। सड़क का निर्माण कार्य जारी है और त्योहारों के मौसम तक इसकी टारिंग पूरी करने का लक्ष्य है।

तैयारियां उपायुक्त ने विभागवार तैयारियों का लिया जायजा, समयबद्ध व्यवस्थाओं के दिए निर्देश

राष्ट्रपति के प्रस्तावित मनाली प्रवास की तैयारियों की समीक्षा

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के छह से आठ अक्टूबर तक प्रस्तावित मनाली प्रवास को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। राष्ट्रपति के प्रस्तावित दौरे के मद्देनजर शनिवार को बहुउद्देश्यीय भवन के सभागार में तैयारियों की समीक्षा के लिए बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त डॉ. अमित कुमार शर्मा ने की। बैठक में जिला प्रशासन, पुलिस विभाग सहित विभिन्न केंद्रीय एवं राज्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में उपायुक्त ने राष्ट्रपति के प्रस्तावित प्रवास को लेकर की जा रही तैयारियों की विभागवार समीक्षा की। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, सड़क एवं पार्किंग व्यवस्था,



विद्युत और पेयजल आपूर्ति, संचार सुविधाओं, साफ-सफाई तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों से जानकारी ली गई। उन्होंने सभी विभागों को निर्धारित प्रोटोकॉल और सुरक्षा मानकों के अनुरूप व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उपायुक्त डॉ. अमित कुमार शर्मा ने कहा कि राष्ट्रपति का प्रवास महत्वपूर्ण है, इसलिए सभी संबंधित अधिकारी और कर्मचारी अपने दायित्वों का समयबद्ध तरीके से निर्वहन करें।

उन्होंने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा तैयारियों में किसी भी स्तर पर कमी नहीं रहने देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी की जाए और जरूरत पड़ने पर अधिकारी मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लें। बैठक में राष्ट्रपति के दौरे के दौरान ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों के सुरक्षा एवं प्रवेश पास समय पर तैयार करने को लेकर भी निर्देश जारी किए गए। उपायुक्त ने कहा कि पास से संबंधित प्रक्रिया समय रहते पूरी की जाए, ताकि ड्यूटी के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो।

उन्होंने सुरक्षा से जुड़े सभी पहलुओं की नियमित समीक्षा करने के निर्देश भी दिए। राष्ट्रपति के मनाली प्रवास के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने पर भी विशेष जोर दिया गया। संबंधित अधिकारियों को सड़क और पार्किंग व्यवस्था की आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा बिजली, पानी, संचार और साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया।

तीन दिन से लापता किशोरी तक 112 की सूचना से पहुंची पुलिस, परिजनों से मिलाया

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। तीन दिन से लापता 17 वर्षीय किशोरी को हिमाचल प्रदेश पुलिस ने आपातकालीन हेल्पलाइन ईआरएसएस-112 पर मिली सूचना के आधार पर सुरक्षित बरामद कर लिया। किशोरी की मां ने उसकी तलाश के लिए 112 पर सूचना दी थी। सूचना प्राप्त होते ही मामले को दर्ज कर सीएडी/ईआरयू प्रणाली के माध्यम से सिरमौर जिले के पांवटा साहिब पुलिस थाने तक पहुंचाया गया। इसके बाद स्थानीय पुलिस और ईआरएसएस-112 की टीम ने आपसी समन्वय से किशोरी की तलाश शुरू की। किशोरी की मां की लिखित शिकायत के आधार पर पांवटा साहिब थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। मामले की जांच सहायक उपनिरीक्षक रविंदर कुमार को सौंपी गई। पुलिस टीम ने उपलब्ध सूचना और विभिन्न माध्यमों से किशोरी की तलाश तेज की और उसे सुरक्षित बरामद करने में सफलता हासिल की।

उत्तरकाशी में पुलिस ने चलाया साइबर जागरूकता अभियान



भारतेंदु संवाददाता, उत्तरकाशी। पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय के निर्देशन में पुलिस की ओर से जिले के विभिन्न क्षेत्रों और गांवों में 'साइबर जागरूक उत्तराखंड-सुरक्षित डिजिटल उत्तराखंड' थीम पर साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान लोगों को साइबर अपराधों के प्रति सजग रहने और सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। शनिवार को पुलिस चौकी डुंडा की टीम ने ग्रामीणों और युवाओं को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल और संदेश, संदिग्ध लिंक, फर्जी ई-मेल तथा लालच भरे ऑनलाइन प्रस्तावों से सावधान रहने की जानकारी दी। पुलिस ने लोगों को एटीएम कार्ड की जानकारी, सीवीवी, पिन, ओटीपी और बैंक संबंधी विवरण किसी अनजान व्यक्ति से साझा न करने की सलाह दी। संदिग्ध गतिविधि होने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने को कहा गया। साइबर ठगी की स्थिति में 1930 पर संपर्क करने की जानकारी भी दी गई। धरासू पुलिस ने यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर ब्रह्मखाल और शिवगुफा के पास स्थानीय लोगों व श्रद्धालुओं को डिजिटल अरेस्ट जैसी ठगी से बचाव के बारे में बताया। पुलिस ने कहा कि ठग पुलिस, सीबीआई या अन्य सरकारी एजेंसी का अधिकारी बनकर डराने का प्रयास कर सकते हैं। बड़कोट पुलिस ने राजकीय इंटर कॉलेज खराड़ी में विद्यार्थियों, एनसीसी कैडेट और ग्रामीणों को संदिग्ध लिंक, फर्जी कॉल और ऑनलाइन ठगी से बचाव के उपाय बताए।

ओटीपी, पिन और बैंक विवरण साझा न करने की दी हिदायत

हरियाणा के युवाओं ने मुख्यमंत्री से साझा किए उत्तराखण्ड भ्रमण के अनुभव

राज्य की कनेक्टिविटी, पर्यटन और होम-स्टे योजनाओं को हरियाणा के युवाओं ने सराहा

अनिल थपलियाल

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शनिवार को मुख्यमंत्री आवास में उत्तराखंड के तीन दिवसीय भ्रमण पर आए हरियाणा के युवाओं ने मुलाकात की। युवाओं ने मुख्यमंत्री के साथ भ्रमण के दौरान मिले अनुभव साझा किए और राज्य में कनेक्टिविटी, पर्यटन, होम-स्टे, सौर ऊर्जा, सीमांत क्षेत्रों के विकास तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। युवाओं ने कहा कि पर्वतीय भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद उत्तराखंड में सड़क और डिजिटल कनेक्टिविटी के विस्तार के साथ रेलवे नेटवर्क के विकास पर भी तेजी से काम हो रहा है।



उत्तराखंड की पर्यटन सुविधाओं और स्वच्छ पर्यावरण से प्रभावित हुए हरियाणा के युवा।

युवाओं ने राज्य के स्वच्छ पर्यावरण और बेहतर वायु गुणवत्ता की विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने कहा कि होम-स्टे को बढ़ावा देने और सरकार की ओर से दी जा रही सहायता से स्थानीय लोगों के लिए स्वरोजगार के नए अवसर तैयार हो रहे हैं। सीमांत क्षेत्रों में अवस्थापना सुविधाओं के विकास और पर्यटन व तीर्थाटन से जुड़ी सुविधाओं में सुधार को भी उन्होंने उपयोगी बताया। युवाओं ने सौर ऊर्जा से जुड़ी योजनाओं को राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप महत्वपूर्ण पहल बताया।

उत्तराखंड के अनुभव देशभर तक पहुंचाएं युवा : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि 'अतिथि देवो भव:' उत्तराखंड की संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। ऐसे अंतरराज्यीय भ्रमण युवाओं को विभिन्न राज्यों की संस्कृति, विकास कार्यों और नवाचारों को समझने का अवसर देते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए कार्य कर रही है। युवाओं से उन्होंने उत्तराखंड में देखे और समझे अनुभवों को मित्रों तथा सामाजिक माध्यमों के जरिए साझा करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा उत्तराखंड के डिजिटल ब्रांड एंबेसडर की भूमिका निभाते हुए राज्य की संस्कृति, पर्यटन, स्थानीय उत्पादों, होम-स्टे और महिला स्वयं सहायता समूहों के कार्यों को देशभर तक पहुंचा सकते हैं।

हरिद्वार में होगा 52वां अखिल भारतीय प्राच्यविद्या सम्मेलन



पतंजलि विवि में 29 अक्टूबर से जुटेंगे देश-विदेश के विद्वान

भारतेंदु संवाददाता,हरिद्वार। 52वें अखिल भारतीय प्राच्यविद्या सम्मेलन को लेकर पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति स्वामी रामदेव ने कहा कि हरिद्वार में संस्कृत और संस्कृति का दिव्य संगम होने जा रहा है। यह सम्मेलन 29 से 31 अक्टूबर तक पतंजलि विश्वविद्यालय में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत के शास्त्रों और सनातन परंपरा की समृद्ध विरासत संस्कृत भाषा में सुरक्षित है। भारतीय संस्कार, सभ्यता, योग, अध्यात्म और संस्कृति की इसी ज्ञान परंपरा को सम्मेलन के माध्यम से नई पीढ़ी से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। स्वामी रामदेव ने कहा कि आयोजन केवल विमर्श का मंच नहीं होगा, बल्कि भारत की प्राचीन ज्ञान-संपदा के वैज्ञानिक पक्ष को समझने और उसे वर्तमान संदर्भों से जोड़ने का अवसर भी प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में योग, आयुर्वेद, दर्शन, वेद-वेदांत, व्याकरण, साहित्य, इतिहास और पुरातत्व सहित विभिन्न विषयों पर गहन चर्चा होगी। विद्वान और शोधकर्ता इन विषयों से जुड़े शोधपत्र प्रस्तुत करेंगे। सम्मेलन में देश-विदेश के शिक्षाविद, प्राच्यविद्या विशेषज्ञ और शोधार्थियों के शामिल होने की संभावना है। विद्यार्थियों में भी आयोजन को लेकर उत्साह है। अब तक करीब एक हजार पंजीकरण हो चुके हैं। अधिक सहभागिता को देखते हुए पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ाकर 10 अक्टूबर कर दी गई है। स्वामी रामदेव ने विद्यार्थियों, शोधार्थियों और संस्कृति प्रेमियों से सम्मेलन में भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्राचीन विद्याएं केवल अतीत की धरोहर नहीं हैं, बल्कि वर्तमान की चुनौतियों के समाधान में भी उपयोगी हो सकती हैं। पतंजलि का संकल्प 'विरासत और विज्ञान, शोध और बोध, दृष्टि और दक्षता' के माध्यम से ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाना है। अपनी जड़ों को समझना और उनसे जुड़ना ही भविष्य को मजबूत बनाने का आधार है।

मसूरी सेंट जॉर्ज कॉलेज के वार्षिक खेल समारोह में अतीब सरवर रहे सबसे तेज धावक



आर्या विक्रम राणा बने 'आयरन मैन ऑफ एसजीसी, मार्थिस हाउस ने जीती इंटर हाउस चैंपियनशिप

सुनील सोनकर

मसूरी। सेंट जॉर्ज कॉलेज मसूरी में शनिवार को आयोजित वार्षिक खेल प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने खेल प्रतिभा और अनुशासन का शानदार प्रदर्शन किया। विभिन्न स्पर्धाओं में दमदार प्रदर्शन के आधार पर मार्थिस हाउस ने ओवरऑल इंटर हाउस चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। मार्थिस हाउस के मोहम्मद अतीब सरवर प्रतियोगिता के सबसे तेज धावक रहे। वहीं सीनियर वर्ग में इशगुन सिंह और जूनियर वर्ग में अर्श कंदोई को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ जिमनास्ट चुना गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ देहरादून के प्रसिद्ध बाल रोग विशेषज्ञ और वर्ष 1974 बैच के मैनोराइट डॉ. विपिन वैष नें किया। उन्होंने प्रतियोगिता के उद्घाटन की घोषणा की। इसके बाद विद्यार्थियों ने भव्य एथलीट मार्च पास्ट प्रस्तुत किया। मैदान पर विभिन्न वर्गों के विद्यार्थियों ने दौड़, थ्रो, जंप और मैराथन सहित विभिन्न स्पर्धाओं में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में ट्राएथलॉन के विजेता आर्या विक्रम राणा को 'आयरन मैन ऑफ एसजीसी' के खिताब से नवाजा गया। उन्होंने 1500 मीटर दौड़ में भी प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं त्रिकूद में आरूष राणा विजेता रहे। आर्या विक्रम राणा को सर्वश्रेष्ठ लॉन्ग डिस्टेंस रनर का खिताब भी मिला। फीट ऑफ स्ट्रेंथ में आरव रूंगटा और डिस्कस थ्रो में माधव गुप्ता ने बाजी मारी। विभिन्न आयु वर्ग की मैराथन स्पर्धाओं में भी विद्यार्थियों ने दमखम दिखाया। सीनियर मैराथन में कक्षा 12, इंटर मैराथन में कक्षा नौ 'बी', जूनियर मैराथन में कक्षा आठ 'बी' और सब-जूनियर मैराथन में कक्षा छह 'बी' ने खिताब जीता। कक्षा चार की मैराथन में शान्विक वर्मा विजेता रहे। बेस्ट एथलीट सीनियर का खिताब आदित्य मांगलिक, इंटर वर्ग में ओजस्व सिंह, जूनियर वर्ग में स्टैनजिन गेदुन और सब-जूनियर वर्ग में सम्राट जायसवाल को मिला। बेस्ट मार्चिंग सीनियर का पुरस्कार कक्षा दस 'बी', इंटर का कक्षा नौ 'बी' और जूनियर का कक्षा छह 'ए' को प्रदान किया गया। बेस्ट एथलीट मार्च पास्ट का खिताब कलिंस और मार्थिस हाउस को संयुक्त रूप से मिला। मुख्य अतिथि डॉ. विपिन वैष ने कहा कि सेंट जॉर्ज कॉलेज में शिक्षा के साथ खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों और अन्य पाठ्य सहगामी गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर विद्यालय और देश का नाम रोशन करने का आह्वान किया। उन्होंने विद्यार्थियों को बेहतर स्वास्थ्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अपने स्वास्थ्य की जिम्मेदारी प्रत्येक व्यक्ति की स्वयं की है, इसलिए स्वस्थ रहने के लिए नियमित रूप से स्वास्थ्य का ध्यान रखना जरूरी है। कार्यक्रम में स्कूल के ब्रास बैंड ने 'सारे जहां से अच्छा' सहित विभिन्न धुनों की प्रस्तुति दी। रेड बेल और ब्लू बेल की प्रस्तुतियों ने भी दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।प्रतियोगिता का आयोजन प्रधानाचार्य ब्रदर जयसीलन, सुपीरियर एवं स्पोर्ट्स सेक्रेटरी ब्रदर ब्रिटो, उप-प्रधानाचार्य ब्रदर सिलवेनुस, खेल विभाग के को-ऑर्डिनेटर आनंद थापा, भवनेश नेगी और खेल विभाग के शिक्षकों के निर्देशन में किया गया। समारोह में देश के विभिन्न हिस्सों से आए पैट्रिशियन ब्रदर्स, 1986 के रूबी जुबली बैच, सिल्वर जुबली बैच, 2001 के सिल्वर बैच और 2016 के डिकेडियन बैच के मैनोराइट्स, शिक्षक और कर्मचारी मौजूद रहे।

केदारनाथ में व्यापारी संघ का धरना समाप्त

डीएम से वार्ता के बाद बनी सहमति, यात्रा और दर्शन व्यवस्था सामान्य

अनिल थपलियाल

चमोली। श्री केदारनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के विरोध में केदारनाथ धाम व्यापारी संघ और स्थानीय दुकानदारों की ओर से शनिवार को हेलीपैड परिसर में दिया जा रहा धरना जिलाधिकारी विशाल मिश्रा से वार्ता के बाद समाप्त हो गया। इसके बाद धाम में यात्रा और दर्शन व्यवस्था सामान्य रूप से संचालित होती रही।

शासन से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में प्रशासन ने शनिवार को मास्टर प्लान के तहत अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की थी। इसके विरोध में व्यापारी संघ और स्थानीय दुकानदारों ने धरना दिया। मामले की जानकारी मिलने पर जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने व्यापारियों और दुकानदारों से वार्ता कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान व्यापारियों ने अपनी विभिन्न मांगें और समस्याएं रखीं। प्रशासन की ओर से संबंधित बिंदुओं पर आवश्यक जानकारी देकर स्थिति स्पष्ट की गई।



मास्टर प्लान के विरोध में धरना खत्म, केदारनाथ में यात्रा सुचारू

जिलाधिकारी के साथ हुई वार्ता के बाद अपराह्न करीब 3:30 बजे व्यापारियों और स्थानीय दुकानदारों ने धरना समाप्त कर दिया। इसके बाद केदारनाथ धाम में सभी व्यवस्थाएं सामान्य रूप से संचालित होती रहीं। प्रशासन के अनुसार वर्तमान में धाम में श्रद्धालुओं की आवाजाही, दर्शन व्यवस्था और यात्रा से जुड़ी अन्य गतिविधियां सुचारू रूप से चल रही हैं। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए प्रशासन और संबंधित विभाग व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी कर रहे हैं। जिला प्रशासन ने यात्रा से जुड़े सभी पक्षों से आपसी सहयोग, शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की है।

उत्तराखंड में एसआईआर के बाद अंतिम मतदाता सूची जारी, 71.58 लाख मतदाता शामिल

विकास बलोनी

देहरादून। उत्तराखंड में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के बाद तीन अक्टूबर को अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी गई। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने बताया कि अंतिम सूची में कुल 71,58,949 मतदाता शामिल हैं। इनमें 34,21,036 महिलाएं, 37,37,701 पुरुष और 212 थर्ड जेंडर मतदाता हैं।



घर-घर जाकर छूटे मतदाताओं की चिन्हित करेंगे बीएलओ

उन्होंने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की शुरुआत आठ जून 2026 को हुई थी। इसके बाद 14 जुलाई को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित की गई। सूची पर प्राप्त दावों और आपत्तियों के निस्तारण के बाद अंतिम मतदाता सूची जारी की गई है। पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान 1,29,872 नए मतदाताओं के नाम जोड़े गए, जबकि 1,04,708 नाम नियमानुसार हटाए गए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि जो लोग अभी भी मतदाता सूची में अपना नाम नहीं जुड़वा पाए हैं, वे निर्धारित प्रपत्र भरकर निर्वाचन आयोग के माध्यम से या बूथ स्तरीय अधिकारी के जरिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि बूथ स्तरीय अधिकारी घर-घर जाकर छूटे हुए मतदाताओं को चिन्हित करेंगे। इसके अलावा रात्रि आश्रय स्थलों, श्रमिक बस्तियों और बेघर लोगों के लिए विशेष शिविर भी लगाए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में किसी भी पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से छूट न जाए, इसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। अंतिम सूची जारी होने के बाद भी पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में नाम शामिल कराने का अवसर उपलब्ध रहेगा।

वीकेंड पर देहरादून-मसूरी ऋषिकेश में लागू रहेगा विशेष यातायात प्लान



भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। वीकेंड के दौरान देहरादून, मसूरी और ऋषिकेश में बढ़ने वाले यातायात दबाव को देखते हुए देहरादून पुलिस ने दो से चार अक्टूबर तक विशेष यातायात योजना लागू की है। प्रमुख चौराहों, बाजार क्षेत्रों और पर्यटन स्थलों पर अतिरिक्त यातायात पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। यातायात दबाव बढ़ने पर जरूरत के अनुसार मार्ग परिवर्तन किया जाएगा। दिल्ली, हरियाणा, गाजियाबाद, मेरठ, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर और रुड़की से मसूरी आने वाले वाहनों को डाट काली आरटीओ चेकपोस्ट, ट्रांसपोर्ट नगर, आइएसबीटी, शिमला बाईपास, सेंट जूड चौक, कमला पैलेस, बल्लीवाला फ्लाईओवर, बल्लूपुर, कैंट तिराहा, सप्लाई डिपो, जोहड़ी तिराहा, पुरकुल गांव और कुठालगेट होते हुए मसूरी भेजा जाएगा। मसूरी से ऋषिकेश जाने वाले वाहनों के लिए कुठालगेट, पुराना राजपुर रोड, साईं मंदिर, किरसाली चौक, कालागांव, मालदेवता, थानों रोड और भानियावाला का मार्ग निर्धारित किया गया है। मसूरी में पार्किंग क्षमता 90 प्रतिशत भरने पर पर्यटकों के वाहनों को किंग क्रेग पार्किंग में खड़ा कराया जाएगा और वहां से स्थानीय टैक्सी की सुविधा दी जाएगी। किंग क्रेग भरने पर वाहनों को गज्जी बैंड से हाथीपांव रोड होते हुए जीरो प्वाइंट की ओर भेजा जाएगा। ऋषिकेश में अत्यधिक यातायात दबाव होने पर भारी वाहनों को नेपाली फार्म से लालतप्पड़, भानियावाला, रानीपोखरी और नटराज चौक होते हुए भेजा जाएगा। चंद्रभागा पुल से जयराम आश्रम तिराहे तक हरिद्वार रोड पर आटो और विक्रम के लिए जीरो जोन रहेगा। पुलिस ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा से पहले यातायात योजना की जानकारी लेकर निकलें। एंबुलेंस, पुलिस और अग्निशमन जैसे आपात सेवा वाहनों को मार्ग परिवर्तन से मुक्त रखा जाएगा।

पर्यटकों की भीड़ बढ़ने पर लागू होगा डायवर्जन

महाराज ने शारदा कॉरिडोर, नायकखेड़ा के कार्यों का किया स्थलीय निरीक्षण

अनिल थपलियाल

टनकपुर (चंपावत)। सिंचाई, पर्यटन, लोक निर्माण एवं ग्रामीण निर्माण मंत्री सतपाल महाराज ने शनिवार को टनकपुर पहुंचकर शारदा कॉरिडोर परियोजना और आपदा प्रत्यास्थता के लिए नायकखेड़ा में बन रहे पारिस्थितिक गलियारा विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने शारदा घाट के पुनर्निर्माण, किरोड़ा नाले पर चल रहे सुरक्षात्मक कार्यों तथा बाढ़ से बचाव के लिए किए जा रहे अन्य कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। शारदा कॉरिडोर परियोजना पर 6020.89 लाख रुपये खर्च किए जा रहे हैं, जबकि नायकखेड़ा परियोजना के लिए 85.23 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत है। अधिकारियों के अनुसार शारदा कॉरिडोर के पूरा होने से करीब 3900 लोगों को लाभ मिलेगा और लगभग 33 हेक्टेयर भूमि को बाढ़ से सुरक्षा मिल सकेगी।



शारदा कॉरिडोर से 3900 लोगों को मिलेगा लाभ

परियोजना का उद्देश्य बनबसा से माता रणकोची तक शारदा नदी के तटवर्ती क्षेत्र को विकसित कर धार्मिक पर्यटन, प्रकृति और स्थानीय आजीविका को बढ़ावा देना है। महाराज ने कहा कि शारदा नदी के तट को पर्यावरण के अनुकूल, स्वच्छ, सुरक्षित और आकर्षक बनाया जाएगा। इसके तहत घाट, पहुंच मार्ग, पैदल पथ, प्रकाश व्यवस्था, सौंदर्यीकरण और आवश्यक जनसुविधाओं का विकास किया जाएगा। उन्होंने स्थानीय कारीगरों, विक्रेताओं और समुदायों के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर विकसित करने पर भी जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान मंत्री ने अधिकारियों से निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और प्रगति की जानकारी ली तथा सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं से क्षेत्र को बाढ़ से सुरक्षा मिलने के साथ पर्यटन गतिविधियों को भी गति मिलेगी। इस अवसर पर सिंचाई, लोक निर्माण विभाग सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत आंगन मिलन कार्यक्रम आयोजित

भारतेंदु संवाददाता, पौड़ी। सेवा संकल्प अभियान के तहत आंगनबाड़ी केंद्र नागधारा में आंगन मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक राजकुमार पोरी ने बच्चों का अन्नप्राशन कराया और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को शाल भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक विकास को लेकर जागरूकता बढ़ाने के साथ मातृशक्ति से सीधा संवाद स्थापित करना रहा। इस दौरान महिलाओं और लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर जोर दिया गया।

बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य को लेकर बढ़ाई जागरूकता

विधायक राजकुमार पोरी ने कहा कि बच्चों के स्वस्थ विकास और बेहतर पोषण में आंगनबाड़ी केंद्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यकत्रियां ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों और महिलाओं तक पोषण, स्वास्थ्य तथा जागरूकता से जुड़ी सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

कार्यक्रम में सीडीपीओ आशा रावत, सुपरवाइजर सुषमा रावत, अर्चना रमोला, रजनी असवाल, वरिष्ठ कार्यकर्ता महावीर सिंह नेगी, महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष संगीता डोभाल, वार्ड सभासद संगीता रावत सहित लाभार्थी और स्थानीय लोग मौजूद रहे। इस दौरान विधायक राजकुमार पोरी एवं संगीता डोभाल ने आंगनबाड़ी कार्यकत्री मीनाक्षी रावत और रजनीश वाला को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में बच्चों और महिलाओं से जुड़ी योजनाओं की जानकारी साझा करते हुए उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर भी चर्चा की गई।

रुड़की में पांच से 23 अक्टूबर तक अग्निवीर भर्ती रैली

भारतेंदु संवाददाता, रुड़की। भारतीय सेना में अग्निवीर बनने के इच्छुक युवाओं के लिए भर्ती रैली पांच अक्टूबर से रुड़की में शुरू होगी। सेना भर्ती कार्यालय लैंसडौन के अनुसार भर्ती वर्ष 2027 के लिए अग्निवीर भर्ती रैली का आयोजन बंगाल इंजीनियर ग्रुप एंड सेंटर, रुड़की में पांच से 23 अक्टूबर तक किया जाएगा। इसमें केवल वे पात्र अभ्यर्थी शामिल हो सकेंगे, जिन्होंने एक से 12 जून के बीच आयोजित ऑनलाइन सामान्य प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की है। अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र में निर्धारित तिथि और समय के अनुसार भर्ती स्थल पर पहुंचना होगा।



अग्निवीर भर्ती रैली में शामिल होंगे सीईई उत्तीर्ण अभ्यर्थी

सेना भर्ती कार्यालय के अनुसार उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के अभ्यर्थियों के लिए अग्निवीर क्लर्क और स्टोर कीपर तकनीकी की भर्ती प्रक्रिया आयोजित होगी। वहीं गढ़वाल क्षेत्र के चमोली, देहरादून, हरिद्वार, पौड़ी गढ़वाल, रुद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल और उत्तरकाशी जिलों के अभ्यर्थियों के लिए अग्निवीर सामान्य ड्यूटी, तकनीकी और ट्रेड्समैन श्रेणी में भर्ती होगी। इन सात जिलों के अभ्यर्थियों की जिलेवार प्रक्रिया 13 अक्टूबर से शुरू होगी।

भर्ती कार्यालय ने अभ्यर्थियों से सभी मूल दस्तावेज साथ लाने और प्रवेश पत्र में दर्ज विवरण की जांच करने की अपील की है। साथ ही दलालों और बिचौलियों से सावधान रहने को कहा गया है। सेना ने स्पष्ट किया है कि भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और योग्यता आधारित होगी। चयन के नाम पर किसी को धन न देने की सलाह भी दी गई है।

ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण सम्पन्न



भारतेंदु संवाददाता, नई टिहरी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी टिहरी गढ़वाल नितिका खंडेलवाल ने शुक्रवार को ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, ईवीएम और वीवीपैट मशीनों के रखरखाव सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने वेयरहाउस में स्थापित सभी सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की। सभी कैमरे सुचारु रूप से कार्य करते पाए गए। जिलाधिकारी ने सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था को भी परखा। निरीक्षण के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। उन्होंने वेयरहाउस की व्यवस्थाओं और अब तक की गई कार्रवाई पर संतोष व्यक्त किया। इस दौरान भाजपा से जयेंद्र पंवार, कांग्रेस के महासचिव गब्बर सिंह व नवीन सेमवाल तथा निर्वाचन विभाग से जवाहर सिंह सहित संबंधित अधिकारी और प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पंजाब कांग्रेस में बदलाव के बीच राजा वड़िंग ने राहुल गांधी को सौंपा इस्तीफा

इस्तीफे के कुछ घंटे बाद कांग्रेस ने परगट सिंह को पंजाब का नया प्रधान नियुक्त किया



भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने नई दिल्ली में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी से मुलाकात कर प्रदेश अध्यक्ष पद से अपना इस्तीफा सौंप दिया। 10 जनपथ पर दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे तक बातचीत हुई। इस दौरान पंजाब के राजनीतिक हालात, पार्टी के सामने मौजूद चुनौतियों और संगठन को मजबूत करने से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। मुलाकात के बाद वड़िंग ने बातचीत को अच्छा बताया।

वड़िंग करीब साढ़े चार साल तक पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। इस्तीफे के बाद उन्होंने कहा कि वह राहुल गांधी की वजह से इतने लंबे समय तक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद पर रहे। उन्होंने यह भी कहा कि शायद उनके नेता की कोई मजबूरी रही होगी, जिसके कारण उन्हें यह पद छोड़ना पड़ा। वड़िंग के इन बयानों से पद छोड़ने को लेकर उनकी प्रतिक्रिया सामने आई। वड़िंग ने पंजाब कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि संभव है कि पायलट चाहते हों कि उन्हें प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाकर पार्टी चुनाव की तैयारी आगे बढ़ाए।

हालांकि, वड़िंग ने यह भी स्पष्ट किया कि उनके पास इस बात का कोई ठोस प्रमाण नहीं है। उन्होंने बताया कि पंजाब प्रभारी बनने के बाद पायलट से उनकी केवल एक बार करीब 15 मिनट की मुलाकात हुई थी। वड़िंग के अनुसार, उन्हें इस्तीफा देने के लिए सीधे तौर पर नहीं कहा गया था। उन्होंने परिस्थितियों को समझते हुए खुद इस्तीफा देने का फैसला किया। इस्तीफे से दो दिन पहले उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल पर खुद को पूर्व पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष बताया था। इसके बाद उनके पद छोड़ने की चर्चा तेज हो गई थी।

कांग्रेस हाईकमान ने वड़िंग के इस्तीफे के कुछ घंटे बाद जालंधर कैंट से विधायक और पूर्व भारतीय हॉकी कप्तान परगट सिंह को पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी का नया अध्यक्ष नियुक्त कर दिया। संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से नियुक्ति संबंधी पत्र जारी किया गया। परगट सिंह अब वड़िंग की जगह प्रदेश संगठन की कमान संभालेंगे। परगट सिंह 2012 से जालंधर कैंट विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

उन्होंने 2012 में शिरोमणि अकाली दल और 2017 तथा 2022 में कांग्रेस के उम्मीदवार के रूप में चुनाव जीता था। वह पंजाब कांग्रेस में महासचिव समेत विभिन्न संगठनात्मक जिम्मेदारियां भी निभा चुके हैं। वड़िंग के इस्तीफे और परगट सिंह की नियुक्ति ऐसे समय हुई है, जब पंजाब कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी कर रही है। पार्टी के भीतर संगठनात्मक बदलाव और नेताओं के बीच समन्वय का मुद्दा भी चर्चा में है। परगट सिंह के सामने संगठन को लेकर विभिन्न नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय बनाने की जिम्मेदारी होगी। वड़िंग ने राहुल गांधी से मुलाकात के दौरान अपने कार्यकाल और पंजाब कांग्रेस की स्थिति से भी अवगत कराया।

उन्होंने पद छोड़ने के बाद पार्टी के साथ अपने संबंधों को लेकर भी बयान दिए। कांग्रेस की ओर से उनके कार्यकाल के दौरान संगठन के लिए किए गए काम की सराहना की गई है। इस्तीफे के बाद वड़िंग ने कहा कि वह कांग्रेस के साथ जुड़े रहेंगे और पार्टी की गतिविधियों में अपनी भूमिका निभाते रहेंगे। उन्होंने पंजाब कांग्रेस के नए अध्यक्ष परगट सिंह को शुभकामनाएं दीं। पार्टी में संगठनात्मक बदलाव के बीच अब नए अध्यक्ष के सामने नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय बनाने तथा आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी होगी।

नशा मुक्ति केंद्रों में इलाज के साथ होगी एचआईवी, हेपेटाइटिस-बी और सी की स्क्रीनिंग



भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्रों में एचआईवी, हेपेटाइटिस-बी और हेपेटाइटिस-सी की जांच के लिए ट्रिपल एच स्क्रीनिंग शुरू करने की तैयारी की है। सरकार की यह पहल नशे के दुरुपयोग के साथ-साथ रक्त के माध्यम से फैलने वाले संक्रामक रोगों की रोकथाम पर केंद्रित है। यह योजना 'युद्ध नशेआं विरुद्ध' अभियान का हिस्सा बताई गई है। सरकारी नशा मुक्ति केंद्रों में आने वाले लोगों को नशे की लत से बाहर निकालने के लिए उपचार और पुनर्वास सेवाएं दी जाती हैं।

अब उपचार के साथ स्वास्थ्य संबंधी जांच को भी मजबूत करने की दिशा में कदम उठाया जा रहा है। ट्रिपल एच स्क्रीनिंग के तहत एचआईवी, हेपेटाइटिस-बी और हेपेटाइटिस-सी की जांच की जाएगी। इससे संक्रमण की स्थिति की पहचान करने और जरूरत के अनुसार आगे की चिकित्सा प्रक्रिया तय करने में मदद मिल सकेगी। पंजाब सरकार के अनुसार, नशे की समस्या से जूझ रहे लोगों को व्यापक उपचार उपलब्ध करवाने के साथ संक्रामक बीमारियों की रोकथाम भी जरूरी है। इसी उद्देश्य से नशा मुक्ति केंद्रों में स्क्रीनिंग की व्यवस्था शुरू करने की योजना बनाई गई है। सरकार का मानना है कि समय पर जांच होने से संक्रमण की पहचान और आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच आसान हो सकती है।

यह पहल राज्य में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने की दिशा में एक कदम है। नशा मुक्ति केंद्रों में उपचार लेने वाले लोगों की जांच के दौरान सामने आने वाली स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों के आधार पर उन्हें संबंधित चिकित्सा सेवाओं से जोड़े जाने की व्यवस्था पर भी जोर रहेगा। सरकार की योजना के तहत ट्रिपल एच स्क्रीनिंग को सरकारी नशा मुक्ति एवं रिहैबिलिटेशन केंद्रों में लागू किया जाएगा। इसका उद्देश्य नशे की लत से प्रभावित लोगों को उपचार के साथ जरूरी स्वास्थ्य जांच उपलब्ध करवाना और संक्रमणों की रोकथाम के प्रयासों को मजबूत करना है। इससे नशा मुक्ति सेवाओं में स्वास्थ्य जांच और उपचार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

इसके साथ ही स्क्रीनिंग के दौरान सामने आने वाले मामलों में मरीजों को आवश्यक परामर्श और संबंधित स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने पर भी जोर दिया जाएगा। इससे नशा मुक्ति केंद्रों में उपचार लेने वाले लोगों की स्वास्थ्य स्थिति की बेहतर निगरानी हो सकेगी। ट्रिपल एच जांच के माध्यम से संक्रमण की समय पर पहचान होने से उपचार शुरू करने में सुविधा मिलेगी। सरकार का उद्देश्य नशे की समस्या से प्रभावित लोगों को उपचार, पुनर्वास और स्वास्थ्य जांच की सुविधाएं एक ही व्यवस्था के तहत उपलब्ध करवाना है।

सीटीयू ने ड्यूटी के दौरान रील और निजी वीडियो बनाने पर लगाया प्रतिबंध



भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। चंडीगढ़ परिवहन उपक्रम (सीटीयू) ने यात्रियों की सुरक्षा और ड्यूटी के दौरान कर्मचारियों की जिम्मेदारी को ध्यान में रखते हुए नया नियम लागू किया है। इसके तहत ड्राइवर, कंडक्टर, इंस्पेक्टर समेत रूट और फील्ड स्टाफ के ड्यूटी के दौरान रील बनाने और निजी वीडियो तैयार करने पर रोक लगा दी गई है। इस संबंध में मंडल प्रबंधक सीटीयू एवं निदेशक परिवहन के कार्यालय की ओर से आदेश जारी किए गए हैं।

नए निर्देशों के अनुसार सीटीयू और सीसीबीएसएस के कर्मचारी ड्यूटी पर तैनात रहते समय निजी उद्देश्य के लिए किसी भी प्रकार का वीडियो या अन्य कंटेंट बनाकर इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट नहीं कर सकेंगे। बस चलाते समय रील या वीडियो बनाने पर विशेष रूप से प्रतिबंध लगाया गया है। यह नियम बस में ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों पर भी लागू होगा। विभाग ने कर्मचारियों के वर्दी में निजी कंटेंट बनाने को लेकर भी स्पष्ट निर्देश दिए हैं। ऐसा कोई भी कंटेंट प्रतिबंधित रहेगा, जिसका आधिकारिक ड्यूटी से संबंध नहीं है।

इसका उद्देश्य कर्मचारियों को ड्यूटी के दौरान निजी गतिविधियों से दूर रखना और यात्रियों की सुरक्षा पर पूरा ध्यान केंद्रित करना है। इसके अलावा सीटीयू और सीसीबीएसएस की बसों, बस स्टैंड, डिपो, कार्यालय, वर्कशॉप और यात्री सुविधाओं का निजी या व्यावसायिक कंटेंट तैयार करने के लिए इस्तेमाल करने पर भी रोक लगाई गई है। कर्मचारी इन स्थानों या परिवहन उपक्रम से जुड़े संसाधनों का उपयोग निजी वीडियो, रील या अन्य इंटरनेट मीडिया सामग्री बनाने के लिए नहीं कर सकेंगे।

विभाग की ओर से जारी आदेश में ड्यूटी के दौरान निर्धारित जिम्मेदारियों का पालन करने पर जोर दिया गया है। खासकर बस संचालन के दौरान ड्राइवर और कंडक्टर को यात्रियों की सुरक्षा और सेवा पर ध्यान देना होगा। रूट और फील्ड स्टाफ के लिए भी ड्यूटी के समय निजी कंटेंट तैयार करने से बचने के निर्देश दिए गए हैं।

चंडीगढ़ में दो नई झीलों की तैयारी, वन्यजीवों को मिलेगा पानी

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। चंडीगढ़ में पर्यावरण और वन्यजीव संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए जंगलों में दो नई झीलें विकसित करने की तैयारी है। ये झीलें प्राकृतिक रूप से मौजूद गड्ढों को विकसित कर बनाई जाएंगी। पहली झील पटियाला की राव के साथ धनास के पास स्थित जंगल में और दूसरी सुखना चो में सुखना लेक के नीचे वाले हिस्से में दड़वा या हल्लोमाजरा से सटे जंगली क्षेत्र में प्रस्तावित है। इन जलस्रोतों के विकसित होने से भूजल स्तर में सुधार के साथ आसपास के हरित क्षेत्र और मिट्टी में नमी संरक्षण को भी फायदा मिलने की उम्मीद है। झीलों का निर्माण पर्यटन के बजाय मुख्य रूप से पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखकर किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, इसके लिए मूल जंगल से किसी पेड़ को काटने की योजना नहीं है। दोनों झीलों के निर्माण के लिए भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई), देहरादून से पर्यावरणीय मंजूरी मांगी गई है। डब्ल्यूआईआई की रिपोर्ट मिलने के बाद ही निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। योजना के अनुसार काम आगे बढ़ा तो अगले दो वर्षों में दोनों झीलें विकसित हो सकती हैं।

661 करोड़ बैंक घोटाले के आरोपित को होटल ले जाने पर केस

सेक्टर-17 थाना पुलिस ने पांच आरोपितों के खिलाफ पेश किया चालान



भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। हरियाणा और चंडीगढ़ के बहुचर्चित 661 करोड़ रुपये के बैंक घोटाले से जुड़े मामले में आरोपित रियल एस्टेट इन्वेस्टर विक्रम वधवा को अस्पताल से जेल ले जाने के बजाय होटल में ठहराने के मामले में सेक्टर-17 थाना पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने इस मामले में दो पुलिसकर्मियों समेत पांच आरोपितों के खिलाफ अदालत में चालान पेश किया है।

पुलिस की ओर से दाखिल आरोप पत्र में सब-इंस्पेक्टर जगमेहर और एएसआई सुरिंदर के अलावा जेल में बंद विचाराधीन कैदी विक्रम वधवा तथा उसके दोनों बेटे करण वधवा और कुणाल वधवा को आरोपित बनाया गया है। पुलिस ने मामले में सभी आरोपितों को गिरफ्तार किया था। अब जांच पूरी करने के बाद उनके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया है। मामला उस समय सामने आया था, जब 661 करोड़ रुपये के बैंक घोटाले के आरोपित विक्रम वधवा को अस्पताल से जेल ले जाने के दौरान होटल ले जाने की बात सामने आई। पुलिस के अनुसार, उसे जेल ले जाने के बजाय होटल में ठहराया गया था। इस घटनाक्रम को लेकर पुलिसकर्मियों की भूमिका भी जांच के दायरे में आई। मामले की जांच के बाद सब-इंस्पेक्टर जगमेहर और एएसआई सुरिंदर को भी आरोपित बनाया गया। पुलिस को आशंका है कि होटल में वधवा के साथ फरारी की योजना को लेकर चर्चा हुई थी।

इसी आधार पर मामले में होटल में ठहराने और वहां हुई गतिविधियों से जुड़े पहलुओं की जांच की गई। पुलिस ने आरोप पत्र में वधवा के दोनों बेटों करण और कुणाल को भी आरोपित बनाया है। विक्रम वधवा हरियाणा और चंडीगढ़ में सामने आए 661 करोड़ रुपये के बैंक घोटाले के मामले में विचाराधीन कैदी है। होटल ले जाने का मामला मूल बैंक घोटाले से अलग घटनाक्रम के तौर पर सामने आया है, जिसमें पुलिसकर्मियों और वधवा के परिवार के सदस्यों की भूमिका की जांच की गई।

सेक्टर-17 थाना पुलिस की ओर से पेश किए गए चालान में पांचों आरोपितों के नाम शामिल हैं। इनमें दो पुलिसकर्मी और विक्रम वधवा समेत उसके दोनों बेटे शामिल हैं। पुलिस ने मामले में सभी आरोपितों को गिरफ्तार करने के बाद जांच आगे बढ़ाई थी। अब आरोप पत्र दाखिल होने के बाद मामले की अगली कानूनी प्रक्रिया अदालत में चलेगी। पुलिस जांच में होटल में ठहराने के दौरान हुई गतिविधियों और आरोपितों की भूमिका से जुड़े पहलुओं को भी शामिल किया गया है। चालान पेश होने के बाद अब अदालत में मामले की सुनवाई और आगे की कानूनी प्रक्रिया होगी।

पंजाब में धान खरीद की तैयारी पूरी किसानों को तुरंत भुगतान का दावा



भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। पंजाब में धान की सरकारी खरीद को सुचारू और पारदर्शी तरीके से पूरा करने के लिए राज्य सरकार ने व्यापक तैयारियां की हैं। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री लाल चंद कटारूचक्क ने बताया कि सरकार ने धान खरीद के लिए 42,786.68 करोड़ रुपये की कैश क्रेडिट लिमिट (सीसीएल) प्राप्त की है। इसका उद्देश्य किसानों को उनकी फसल बेचने के बाद भुगतान में किसी तरह की परेशानी न होने देना है।

मंत्री ने कहा कि किसानों को धान बेचते ही निर्धारित प्रक्रिया के तहत जल्द भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा। सरकार की ओर से खरीद प्रक्रिया को लेकर मंडियों में आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया जा रहा है। राज्य में कुल 1,887 मंडियों में धान खरीद के लिए जरूरी सुविधाएं मुहैया कराने की तैयारी है।

सरकार का कहना है कि खरीद प्रक्रिया के दौरान किसानों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए संबंधित विभागों और एजेंसियों के बीच समन्वय बनाया गया है। मंडियों में फसल की खरीद, उठान और भुगतान से जुड़ी व्यवस्थाओं पर नजर रखी जाएगी। लाल चंद कटारूचक्क के अनुसार, धान खरीद के दौरान पारदर्शिता बनाए रखने के लिए भी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

गिल रौंता ने पार्टी की आगामी गतिविधियों को लेकर रखे विचार

मोहाली में पंजाबी गायक गिल रौंता ने थामा 'वारिस पंजाब दे' का दामन



भारतेंदु संवाददाता, मोहाली। मोहाली में पंजाबी संगीत जगत की प्रसिद्ध शख्सियत, लेखक एवं गायक गिल रौंता अकाली दल 'वारिस पंजाब दे' में शामिल हो गए। उन्होंने कार्यकारी अध्यक्ष बापू तरसेम सिंह, वरिष्ठ नेता एवं दाखा विधायक मनप्रीत सिंह इयाली और लोकसभा सदस्य भाई सरबजीत सिंह खालसा की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

इस दौरान संगठन की ओर से पुआध इकाई के कार्यालय का उद्घाटन भी किया गया। गिल रौंता के पार्टी में शामिल होने के मौके पर नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान मनप्रीत सिंह इयाली और गिल रौंता ने पार्टी की आगामी गतिविधियों तथा संगठन को मजबूत करने से जुड़े विषयों पर विचार रखे। गिल रौंता ने संगठन की गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने को लेकर भी अपनी बात रखी। मनप्रीत सिंह इयाली ने कहा कि अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़ी शख्सियतों का संगठन के साथ जुड़ना पार्टी के विस्तार की दिशा में एक पहल है। उन्होंने कहा कि 'वारिस पंजाब दे' का उद्देश्य पंजाबियों की भावनाओं और लोगों की उम्मीदों की आवाज को मजबूती से उठाना है। उन्होंने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और अधिक लोगों तक पहुंच बनाने पर भी जोर दिया।

चंडीगढ़ में 200 किलो संदिग्ध पनीर जब्त

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। चंडीगढ़ के रामदरबार स्थित मंडी ग्राउंड में खाद्य सुरक्षा विभाग ने कार्रवाई करते हुए करीब 200 किलो पनीर की खेप जब्त की है। विभाग की टीम ने सूचना के आधार पर शनिवार सुबह करीब पांच बजे पनीर लेकर जा रही बोलेरो पिकअप गाड़ी को रोककर जांच की। जांच के दौरान गाड़ी में बड़ी मात्रा में पनीर मिला। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने पूरी खेप को कब्जे में लेकर कोल्ड स्टोरेज में रखवा दिया है। इसके साथ ही पनीर का नमूना गुणवत्ता की जांच के लिए एनएबीएल मान्यता प्राप्त खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला भेजा गया है। अब प्रयोगशाला की रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि पनीर निर्धारित खाद्य सुरक्षा मानकों पर खरा उतरता है या नहीं। विभाग के अधिकारियों के अनुसार, जांच रिपोर्ट के आधार पर खाद्य सुरक्षा कानून के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चंडीगढ़ से पंजाब-हरियाणा और हिमाचल तक जाएंगी दुर्गा प्रतिमाएं



भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। नवरात्र से पहले चंडीगढ़ में मां दुर्गा की प्रतिमाएं तैयार करने का काम तेजी से चल रहा है। शहर के कालीबाड़ी मंदिर परिसर में कलाकार दिन-रात मेहनत कर प्रतिमाओं को आकार देने में जुटे हैं। नवरात्र के दौरान बंगाली समुदाय की ओर से विभिन्न स्थानों पर दुर्गा पूजा के आयोजन किए जाएंगे, जिनमें इन प्रतिमाओं की स्थापना की जाएगी।

मूर्तिकारों के अनुसार इस बार अलग-अलग आकार की प्रतिमाएं तैयार की जा रही हैं। इनमें करीब दो फीट से लेकर 11.5 फीट तक ऊंची प्रतिमाएं शामिल हैं। प्रतिमाओं की मांग चंडीगढ़ के अलावा पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से भी है। नवरात्र नजदीक आने के साथ ही प्रतिमाओं की मांग और काम दोनों बढ़ गए हैं। प्रतिमाओं को तैयार करने में कलाकार बारीकी से काम कर रहे हैं। पहले मिट्टी और अन्य सामग्री से प्रतिमा का ढांचा तैयार किया जाता है।

इसके बाद चेहरे और शरीर के अलग-अलग हिस्सों को आकार दिया जाता है। रंग-रोगन और सजावट के बाद प्रतिमाओं को अंतिम रूप दिया जाता है। बड़ी प्रतिमाओं को तैयार करने में अधिक समय और मेहनत लगती है। नवरात्र शुरू होते ही शहर में धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का दौर शुरू हो जाएगा।

94 डेपुटेशन पदों के लिए 329 आवेदन, चंडीगढ़ आने को वरिष्ठता छोड़ने को तैयार अधिकारी



भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। चंडीगढ़ शिक्षा विभाग में प्रतिनियुक्ति यानी डेपुटेशन पर आने को लेकर अधिकारियों में खासा उत्साह देखने को मिला है। विभाग की ओर से प्रिंसिपल, हेडमास्टर समेत विभिन्न कैडर के 94 पद डेपुटेशन के आधार पर भरने के लिए आवेदन मांगे गए थे। इन पदों के लिए कुल 329 आवेदन प्राप्त हुए हैं। खास बात यह है कि कई अधिकारी चंडीगढ़ में नियुक्ति पाने के लिए अपनी वर्तमान वरिष्ठता तक छोड़ने को तैयार हैं।

चंडीगढ़ शिक्षा विभाग में डेपुटेशन पर नियुक्ति को लेकर पंजाब और हरियाणा के अधिकारियों ने बड़ी संख्या में आवेदन किए हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, दो प्रिंसिपल पदों के लिए ही पंजाब से 14 और हरियाणा से दो आवेदन प्राप्त हुए हैं। पंजाब से आवेदन करने वालों में स्कूल आफ एमिनेंस के प्रिंसिपल, डिप्टी डीईओ, असिस्टेंट डायरेक्टर और डाइट के प्रिंसिपल स्तर के अधिकारी शामिल हैं। शिक्षा विभाग में विभिन्न पदों पर डेपुटेशन के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब अधिकारियों के चयन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। अलग-अलग कैडर के पदों के लिए प्राप्त आवेदनों की जांच निर्धारित नियमों के अनुसार की जाएगी।

पात्रता पूरी करने वाले अधिकारियों में से संबंधित पदों के लिए चयन किया जाएगा। चंडीगढ़ में डेपुटेशन पर आने के लिए इतनी बड़ी संख्या में आवेदन मिलने से यह भी स्पष्ट होता है कि दूसरे राज्यों के शिक्षा विभागों में कार्यरत अधिकारियों के बीच यहां नियुक्ति को लेकर रुचि है। हालांकि डेपुटेशन पर आने वाले अधिकारियों को कई मामलों में अपने मूल विभाग से जुड़ी वरिष्ठता और सेवा संबंधी परिस्थितियों का भी ध्यान रखना पड़ता है। प्रिंसिपल पदों के लिए पंजाब और हरियाणा से आए आवेदनों में वरिष्ठ स्तर के अधिकारियों की मौजूदगी से मुकाबला भी महत्वपूर्ण हो गया है। स्कूल आफ एमिनेंस के प्रिंसिपल से लेकर डिप्टी डीईओ और असिस्टेंट डायरेक्टर स्तर के अधिकारियों ने आवेदन किया है।

सुधार स्कूल शिक्षा विभाग ने रंग-रोगन के लिए 80.45 करोड़ रुपए किए जारी

पंजाब के 3602 सरकारी स्कूलों का होगा कायाकल्प



भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब के सरकारी स्कूलों की सूरत बदलने की तैयारी शुरू हो गई है। स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रदेश के 3602 सरकारी स्कूलों में व्हाइटवाश, पेंट और कलर कोडिंग कराने के लिए 80 करोड़ 45 लाख 40 हजार रुपये की राशि जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। योजना के तहत सरकारी स्कूलों को निर्धारित रंगों में रंगा जाएगा और भवनों को नया रूप दिया जाएगा।

विभाग की ओर से स्कूलों में रंग-रोगन के लिए तय मानकों का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। पेंटिंग के काम में गुणवत्तापूर्ण सामग्री का इस्तेमाल किया जाएगा। स्कूल भवनों की दीवारों और अन्य हिस्सों की स्थिति को देखते हुए पहले जरूरी मरम्मत का काम पूरा किया जाएगा। इसके बाद ही पेंटिंग और कलर कोडिंग कराई जाएगी। योजना के तहत प्रदेश के 3602 सरकारी स्कूलों को शामिल किया गया है। स्कूलों में एक समान कलर कोडिंग लागू होने से भवनों की पहचान और स्वरूप में एकरूपता आएगी।

व्हाइटवाश और पेंटिंग के साथ स्कूल भवनों की बाहरी दीवारों को भी व्यवस्थित तरीके से रंगा जाएगा। विभाग का उद्देश्य स्कूलों के वातावरण को बेहतर बनाना और भवनों को साफ-सुथरा स्वरूप देना है। निर्देशों के अनुसार, जहां दीवारों या भवन के किसी हिस्से में मरम्मत की जरूरत होगी, वहां पहले सिविल कार्य कराया जाएगा। मरम्मत पूरी होने के बाद ही संबंधित हिस्से में पेंटिंग की जाएगी। इससे रंग-रोगन का काम लंबे समय तक बेहतर स्थिति में बनाए रखने में मदद मिलेगी। स्कूलों में पेंटिंग के दौरान निर्धारित रंगों और गुणवत्ता का ध्यान रखने को कहा गया है। सरकारी स्कूलों में रंग-रोगन का काम पूरा होने के बाद स्कूल भवन पहले की तुलना में अधिक व्यवस्थित और एक समान नजर आएंगे। विभाग की ओर से जारी राशि का इस्तेमाल निर्धारित कार्यों के लिए किया जाएगा। स्कूल स्तर पर काम की गुणवत्ता और तय मानकों के पालन पर भी ध्यान दिया जाएगा। पंजाब सरकार की इस योजना के तहत बड़ी संख्या में सरकारी स्कूलों के भवनों को नया रूप मिलने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। 3602 स्कूलों में रंग-रोगन और कलर कोडिंग के लिए जारी की जा रही 80.45 करोड़ रुपये से अधिक की राशि से स्कूलों में जरूरी काम कराए जाएंगे।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि पेंटिंग से पहले आवश्यक मरम्मत और सिविल कार्य पूरा करना जरूरी होगा। इसके बाद स्कूलों को निर्धारित रंगों में रंगा जाएगा। इसके साथ ही स्कूल स्तर पर काम की गुणवत्ता की निगरानी की जाएगी और निर्धारित मानकों के अनुसार ही रंग-रोगन व कलर कोडिंग का कार्य पूरा कराया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर में सीबीजी नीति को मंजूरी

सीबीजी संयंत्र लगाने वालों को 10 करोड़ तक पूंजीगत सहायता देगी जम्मू-कश्मीर सरकार

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर सरकार ने जैविक कचरे से स्वच्छ ईंधन और जैविक खाद तैयार करने के उद्देश्य से जम्मू-कश्मीर कंप्रेस्ड बायो-गैस नीति 2026 को अधिसूचित कर दिया है। सरकार का उद्देश्य कचरा प्रबंधन को मजबूत करने के साथ ऊर्जा सुरक्षा, ग्रामीण रोजगार और टिकाऊ कृषि को एक साथ बढ़ावा देना है। नीति के तहत प्रदेश में कंप्रेस्ड बायो-गैस (सीबीजी) संयंत्र स्थापित करने वाले निवेशकों को विभिन्न वित्तीय और प्रशासनिक प्रोत्साहन उपलब्ध कराए जाएंगे। सरकार का मानना है कि जैविक कचरे का वैज्ञानिक तरीके से उपयोग कर उससे उपयोगी ईंधन और जैविक खाद तैयार की जा सकती है।

इससे कचरे के निपटारे की समस्या कम करने के साथ स्थानीय स्तर पर ऊर्जा उत्पादन और रोजगार के अवसर बढ़ाने में भी मदद मिल सकती है। नीति के तहत सीबीजी संयंत्र स्थापित करने वाले निवेशकों को प्रति टन प्रतिदिन उत्पादन क्षमता के आधार पर 0.50 करोड़ रुपये की पूंजीगत सहायता प्रदान की जाएगी। इस सहायता की अधिकतम सीमा प्रत्येक परियोजना के लिए 10 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। इससे बड़े स्तर पर सीबीजी परियोजनाएं स्थापित करने के इच्छुक निवेशकों को आर्थिक सहयोग मिलने की उम्मीद है।

सीबीजी परियोजनाओं को पूंजीगत सहायता के साथ स्टांप ड्यूटी में पूरी छूट।

सरकार की ओर से परियोजनाओं के लिए सरकारी भूमि भी उपलब्ध कराने का प्रविधान किया गया है। इसके तहत पात्र परियोजनाओं को सरकारी जमीन नाममात्र की एक रुपये प्रति वर्ग मीटर की लीज दर पर उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही निवेशकों को स्टांप ड्यूटी में 100 प्रतिशत छूट देने का निर्णय लिया गया है। नीति में प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाने पर भी विशेष जोर दिया गया है। ईज आफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए गैर-सांविधिक अनुमतियों से संबंधित मामलों में 60 दिनों की डीम्ड अप्रूवल व्यवस्था लागू की गई है। इसके तहत सिंगल विंडो पोर्टल के माध्यम से निर्धारित समय सीमा में यदि पात्र मंजूरी पर निर्णय नहीं लिया जाता है तो उसे स्वीकृत माना जा सकेगा।

सरकार का मानना है कि इससे परियोजनाओं को अनावश्यक देरी से बचाने और निवेशकों के लिए कारोबार शुरू करने की प्रक्रिया को आसान बनाने में मदद मिलेगी। सीबीजी नीति के माध्यम से जैविक कचरे को संसाधन के रूप में उपयोग करने पर जोर दिया गया है। कृषि अवशेष, पशु अपशिष्ट और अन्य जैविक सामग्री से गैस तैयार कर उसे स्वच्छ ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है, जबकि प्रक्रिया से निकलने वाले जैविक पदार्थ का उपयोग खाद के रूप में किया जा सकता है।

सरकारी जमीन एक रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर पर मिलेगी

सरकार की ओर से परियोजनाओं के लिए सरकारी भूमि भी उपलब्ध कराने का प्रविधान किया गया है। इसके तहत पात्र परियोजनाओं को सरकारी जमीन नाममात्र की एक रुपये प्रति वर्ग मीटर की लीज दर पर उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही निवेशकों को स्टांप ड्यूटी में 100 प्रतिशत छूट देने का निर्णय लिया गया है। ईज आफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए गैर-सांविधिक अनुमतियों से संबंधित मामलों में 60 दिनों की डीम्ड अप्रूवल व्यवस्था लागू की गई है। इसके तहत सिंगल विंडो पोर्टल के माध्यम से निर्धारित समय सीमा में यदि पात्र मंजूरी पर निर्णय नहीं लिया जाता है तो उसे स्वीकृत माना जा सकेगा।

हाशिम मूसा के मारे जाने के बाद कटड़ा में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

कटड़ा में सघन जांच, रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर अतिरिक्त बल

भारतेंदु संवाददाता, कटड़ा

लश्कर-ए-ताइबा के शीर्ष कमांडर हाशिम मूसा उर्फ आसिफ फौजी के मुठभेड़ में मारे जाने के बाद जम्मू-कश्मीर के कई जिलों के साथ कटड़ा और श्री माता वैष्णो देवी यात्रा मार्ग की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। आगामी 11 अक्टूबर से शुरू होने वाले शारदीय नवरात्र को देखते हुए कटड़ा और माता वैष्णो देवी मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था की उच्चस्तरीय समीक्षा की गई है। प्रशासन और पुलिस ने संभावित खतरे को देखते हुए अतिरिक्त सुरक्षा उपाय लागू किए हैं।

मूसा के मारे जाने के बाद किसी भी संभावित प्रतिक्रिया को रोकने और नवरात्र के दौरान बड़ी संख्या में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रियासी प्रशासन और पुलिस ने व्यापक इंतजाम किए हैं। कटड़ा शहर के सभी प्रमुख प्रवेश और निकास द्वारों पर विशेष नाके स्थापित किए गए हैं। यहां आने-जाने वाले वाहनों की सघन जांच की जा रही है। इसके अलावा यात्रियों के दस्तावेजों का दोबारा सत्यापन किया जा रहा है। रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर भी अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है।



सुरक्षा व्यवस्था के तहत कटड़ा शहर से लेकर माता वैष्णो देवी भवन तक पूरे यात्रा मार्ग पर निगरानी बढ़ा दी गई है। मार्ग के संवेदनशील स्थानों पर पुलिस और अर्धसैनिक बलों की संयुक्त गश्त की जा रही है। सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भी यात्रा मार्ग और आसपास के क्षेत्रों पर नजर रखी जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष ध्यान दे रही हैं। नवरात्र के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के कटड़ा पहुंचने की संभावना रहती है। मूसा के मारे जाने के बाद किसी भी संभावित प्रतिक्रिया को रोकने और नवरात्र के दौरान बड़ी संख्या में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रियासी प्रशासन और पुलिस ने व्यापक इंतजाम किए हैं। कटड़ा शहर के सभी प्रमुख प्रवेश और निकास द्वारों पर विशेष नाके स्थापित किए गए हैं।

कटड़ा के प्रवेश द्वारों पर विशेष नाके

मूसा के मारे जाने के बाद किसी भी संभावित प्रतिक्रिया को रोकने और नवरात्र के दौरान बड़ी संख्या में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रियासी प्रशासन और पुलिस ने व्यापक इंतजाम किए हैं। कटड़ा शहर के सभी प्रमुख प्रवेश और निकास द्वारों पर विशेष नाके स्थापित किए गए हैं। यहां आने-जाने वाले वाहनों की सघन जांच की जा रही है। इसके अलावा यात्रियों के दस्तावेजों का दोबारा सत्यापन किया जा रहा है। रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर भी अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। सुरक्षा व्यवस्था के तहत कटड़ा शहर से लेकर माता वैष्णो देवी भवन तक पूरे यात्रा मार्ग पर निगरानी बढ़ा दी गई है।

राजौरी पुलिस ने 16 मवेशियों को बचाया, तीन व्यक्ति गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, राजौरी। अवैध मवेशी तस्करी के खिलाफ अपने निरंतर अभियान को जारी रखते हुए राजौरी पुलिस ने एसएसपी राजौरी नरेश सिंह के पर्यवेक्षण में कंडी में तीन अलग-अलग घटनाओं में 16 मवेशियों को बचाया और तीन मामले दर्ज किए। तीनों घटनाओं में कंडी पुलिस स्टेशन ने एचएसएस कंडी के पास नाका चेकिंग के दौरान तीन व्यक्तियों को रोका जो जिला मजिस्ट्रेट राजौरी से आवश्यक अनुमति के बिना मवेशियों का परिवहन कर रहे थे।

एचएसएस कंडी में हुब्बी कल्लर से कश्मीर घाटी की ओर जा रही टाटा मोबाइल गाड़ी (पंजीकरण जेके11ई-7164) से 4 मवेशियों को बचाया गया। इस गाड़ी का चालक मोहम्मद शब्बीर पुत्र मोहम्मद शफी निवासी मोहरा तहसील कोट्रांका, जिला राजौरी था।

कश्मीर जा रहे थे चार मवेशी

इसके अलावा एचएसएस कंडी में हुब्बी कल्लर से कश्मीर घाटी की ओर जा रही टाटा मोबाइल (पंजीकरण संख्या जेके11एफ-2987) गाड़ी से 4 मवेशियों को बचाया गया। इस गाड़ी का चालक अमर इकबाल पुत्र मोहम्मद रफीक निवासी समोटे तहसील कोट्रांका, जिला राजौरी था।

इस घटना के बाद एफआईआर संख्या 148/2026 धारा 223 बीएनएस और 11 पीसीए अधिनियम के तहत दर्ज की गई।

वहीं एचएसएस कंडी मेंहुब्बी कल्लर से कश्मीर घाटी की ओर जा रही टाटा मोबाइल गाड़ी (पंजीकरण जेके11ई-5614) से 8 मवेशियों को बचाया गया। इस गाड़ी का चालक मोहम्मद रज्जाक पुत्र मोहम्मद इशाक निवासी कोट्रांका तहसील कोट्रांका, जिला राजौरी था।

रामबन में आधे घंटे के भीतर दो सड़क हादसे

पर्यटक महिला की मौत, नौ सुरक्षाकर्मियों समेत 56 घायल

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार सुबह करीब आधे घंटे के भीतर दो अलग-अलग सड़क हादसे हुए। इन दुर्घटनाओं में पश्चिम बंगाल की एक महिला पर्यटक की मौत हो गई, जबकि नौ सुरक्षाकर्मियों समेत कुल 56 लोग घायल हुए हैं। पहला हादसा मारूग के पास हुआ, जहां श्रीनगर से जम्मू की ओर जा रही पश्चिम बंगाल नंबर की एक यात्री बस चालक के नियंत्रण से बाहर होकर पहाड़ी से टकरा गई। हादसा सुबह करीब 8:50 बजे हुआ। बस में सवार पर्यटक कश्मीर से छुट्टियां मनाकर वापस लौट रहे थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस में सवार कई यात्रियों को चोटें आईं। हादसे में पश्चिम बंगाल निवासी जमुना की मौत हो गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, प्रशासन और बचाव दल मौके पर पहुंचे और घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। अधिकारियों के अनुसार, चार गंभीर घायलों सुचित्रा, लक्षवंती, केदार पात्रा और फौजी राम को बेहतर उपचार के लिए जम्मू के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया है। अन्य घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही है और उन्हें उपचार के बाद छुट्टी दिए जाने की बात कही गई है। इसी दौरान दूसरा हादसा केला मोड़ के पास हुआ, जहां सीआरपीएफ जवानों को लेकर जा रही एक गाड़ी अचानक पलट गई। इस दुर्घटना में छह पुलिसकर्मी और तीन सीआरपीएफ जवान घायल हो गए। पहले हादसे के बाद राहत और बचाव अभियान में सहायता के लिए रामबन जिला पुलिस लाइन्स से पुलिस और सीआरपीएफ की क्विक रिएक्शन टीम को भेजा गया था। इसी दौरान सुरक्षा बलों की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। दोनों हादसों के बाद हाईवे पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा।



प्रशासन ने राहत-बचाव कार्य तेज किया

प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य तेज करते हुए घायलों को अस्पताल पहुंचाया। हादसों की जानकारी मिलने के बाद जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने दुख जताया। उन्होंने मृतक के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए गंभीर रूप से घायल लोगों को हर संभव उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उपराज्यपाल ने रामबन के उपायुक्त से भी बात की और घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। पुलिस ने दोनों दुर्घटनाओं के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

नवरात्र के साथ जम्मू में रामलीला की तैयारियां तेज



भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

नवरात्र के पावन पर्व के नजदीक आते ही जम्मू शहर में रामलीला मंचन की तैयारियां तेज हो गई हैं। शहर के विभिन्न हिस्सों में शाम होते ही कलाकार संवादों की रिहर्सल में जुट जाते हैं। कहीं राम, लक्ष्मण और सीता के किरदारों की तैयारी चल रही है तो कहीं रावण और अन्य पात्रों के संवादों को प्रभावी बनाने का अभ्यास किया जा रहा है। रामलीला समितियों और संगठनों में मंचन को लेकर खासा उत्साह है। आयोजकों का प्रयास है कि इस बार दर्शकों को भगवान श्रीराम के जीवन, आदर्शों, मर्यादा और शिक्षाओं से जुड़ा प्रभावी मंचन देखने को मिले। मंचन के लिए कलाकार संवाद अदायगी, अभिनय और पात्रों की भाव-भंगिमा पर विशेष ध्यान दे रहे हैं।

सरस्वती ड्रामेटिक क्लब पंजतीर्थी के चेयरमैन और पूर्व विधायक अशोक खजूरिया ने कहा कि रामलीला जम्मू की सांस्कृतिक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। वर्षों से नवरात्र के दौरान होने वाले इन मंचनों का शहरवासियों को बेसब्री से इंतजार रहता है। उन्होंने कहा कि रामलीला केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि नई पीढ़ी तक भगवान श्रीराम के आदर्शों और जीवन मूल्यों को पहुंचाने का भी महत्वपूर्ण जरिया है।

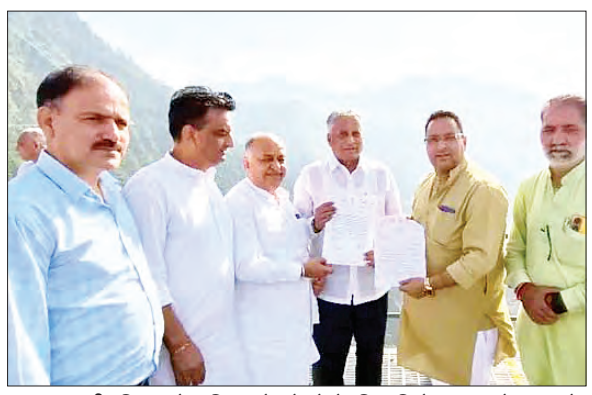
चिनाब रेल ब्रिज तक शटल ट्रेन से खुलेंगे पर्यटन के नए द्वार

केंद्रीय रेल राज्य मंत्री से कटड़ा-अंजी-चिनाब ब्रिज के बीच शटल ट्रेन शुरू करने का आग्रह

भारतेंदु संवाददाता, कटड़ा

भाजपा जिला रियासी अध्यक्ष रोहित दुबे ने शुक्रवार को कटड़ा पहुंचे केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना को ज्ञापन सौंपकर कटड़ा से अंजी और विश्व के सबसे ऊंचे रेलवे आर्च ब्रिज चिनाब रेल ब्रिज तक पर्यटकों के लिए विशेष शटल ट्रेन सेवा शुरू करने की मांग की। उन्होंने कहा कि चिनाब रेल ब्रिज देश ही नहीं, बल्कि दुनियाभर के पर्यटकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन चुका है। ऐसे में इसे पर्यटन गतिविधियों से जोड़ने के लिए रेल आधारित शटल सेवा शुरू की जाती है तो क्षेत्र में पर्यटन को और बढ़ावा मिल सकता है।

रोहित दुबे ने कहा कि कटड़ा आने वाले बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक आसपास के पर्यटन स्थलों तक जाना चाहते हैं, लेकिन सुविधाजनक सार्वजनिक परिवहन की कमी के कारण उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ता है। कटड़ा से अंजी और चिनाब रेल ब्रिज तक विशेष शटल ट्रेन चलने से पर्यटकों के लिए आवागमन आसान होगा और क्षेत्र के पर्यटन स्थलों को एक-दूसरे से जोड़ने में मदद मिलेगी।



कटड़ा-अंजी-चिनाब रेल ब्रिज को जोड़ने के लिए विशेष शटल ट्रेन चलाने का प्रस्ताव।

उन्होंने कहा कि रेल सेवा शुरू होने से स्थानीय युवाओं, दुकानदारों, होटल संचालकों और अन्य कारोबारियों के लिए रोजगार और व्यवसाय के नए अवसर भी पैदा हो सकते हैं। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से मांग पर गंभीरता से विचार करते हुए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय राज्य मंत्री वी. सोमन्ना के शुक्रवार को कटड़ा पहुंचने पर भाजपा नेताओं ने रेलवे स्टेशन पर उनका स्वागत किया। इसके बाद मंत्री रेलवे के निरीक्षण कोच में सवार होकर चिनाब रेल ब्रिज के निरीक्षण के लिए रवाना हुए। इस दौरान भाजपा नेताओं ने भी उनके साथ यात्रा की।

आरएसपुरा अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी से मरीज परेशान

भारतेंदु संवाददाता, आरएसपुरा। भारत-पाक सीमा से सटे आरएसपुरा उपजिले का उपजिला अस्पताल लंबे समय से विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं की कमी से जूझ रहा है। अस्पताल में हड्डी रोग, कान-नाक-गला और मनोरोग विशेषज्ञ नहीं होने के कारण हजारों मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सुचेतगढ़, आरएसपुरा, अरनिया और बिश्नाह तहसीलों के करीब 200 से अधिक गांवों की आबादी इस अस्पताल पर निर्भर है। विशेषज्ञ चिकित्सकों की गैरमौजूदगी में मरीजों को इलाज के लिए जम्मू या निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है, जिससे उनका समय और पैसा दोनों खर्च हो रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार करीब दो वर्ष पहले उपजिला अस्पताल में हड्डी रोग, कान-नाक-गला और मनोरोग विशेषज्ञों की सेवाएं उपलब्ध थीं। उस समय इन विभागों में प्रतिदिन औसतन 50 से 100 मरीज जांच और उपचार के लिए पहुंचते थे। विशेषज्ञों के चले जाने के बाद इन विभागों से संबंधित मरीजों को अब सामान्य चिकित्सकों से परामर्श लेकर दूसरे अस्पतालों में रेफर होना पड़ता है। सीमावर्ती क्षेत्र में स्थित इस अस्पताल पर बड़ी आबादी निर्भर है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति होने से मरीजों को अपने क्षेत्र में ही बेहतर उपचार मिल सकेगा।

वन भूमि पर कब्जे के खिलाफ कार्रवाई, छह झुग्गियां ध्वस्त

भारतेंदु संवाददाता,जम्मू



जम्मू शहर के नरवाल क्षेत्र स्थित रहीम नगर में वन भूमि पर किए गए कथित अवैध कब्जे के खिलाफ शनिवार को वन विभाग और वन सुरक्षा बल (एफपीएफ) ने कार्रवाई की। सुबह करीब सात बजे शुरू हुए अभियान के दौरान वन भूमि पर बनाए गए छह अस्थायी ढांचों को ध्वस्त कर दिया गया। अधिकारियों के अनुसार, इन झुग्गियों में रोहिंग्या परिवार रह रहे थे। कार्रवाई के दौरान क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर मौजूद रहे।

विभाग ने शुरू की आगे की कार्रवाई

अभियान के दौरान जम्मू के डीएफओ अनुराग आर्य, डीएफओ असीम, वन सुरक्षा बल जम्मू के सहायक निदेशक अतुल गुप्ता और सहायक निदेशक नंद लाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। टीम ने पहले रहीम नगर नरवाल स्थित वन भूमि का निरीक्षण किया। इसके बाद वहां बनाए गए अस्थायी ढांचों को हटाने की कार्रवाई शुरू की गई। अधिकारियों ने बताया कि वन भूमि पर किसी भी प्रकार के अवैध कब्जे को स्वीकार नहीं किया जाएगा और नियमों के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गुरेज में किशनगंगा नदी किनारे मिले दो जंग लगे हैंड ग्रेनेड

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर



उत्तरी कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) से सटे गुरेज सेक्टर में शनिवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब स्थानीय लोगों को किशनगंगा नदी के किनारे दो जंग लगे हैंड ग्रेनेड दिखाई दिए। दोनों ग्रेनेड बगतूर इलाके में चोंटिवारी गांव के पास जंगल से सटे क्षेत्र में मिले। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना तत्काल निकटवर्ती इजमर्ग पुलिस चौकी को दी। सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षाबलों की टीम मौके पर पहुंची तथा क्षेत्र को सुरक्षित घेरे में ले लिया।

सुरक्षाबलों ने दोनों ग्रेनेड को अपने कब्जे में लेकर सुरक्षा मानकों के अनुसार सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया। इससे किसी तरह की अप्रिय घटना होने से पहले ही खतरा टल गया। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों की ओर से यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि जंग लगे ये ग्रेनेड नदी किनारे कैसे पहुंचे और इन्हें वहां किसने छोड़ा था।

फिलहाल आसपास के इलाके में भी तलाशी अभियान चलाया गया है। सुरक्षा एजेंसियां बरामद ग्रेनेड की स्थिति और संभावित स्रोत के बारे में जानकारी जुटा रही हैं। स्थानीय लोगों को भी संदिग्ध वस्तु दिखाई देने पर उसे छूने के बजाय तुरंत पुलिस को सूचना देने की सलाह दी गई है।

परेशानी 20 दिन पहले शुरू हुई मरम्मत अब तक अधूरी, कठुआ में सड़कों की हालत जस की तस

सड़क कम, गड्ढे ज्यादा, कठुआ शहर में बदहाल सड़कों से लोग परेशान

भारतेंदु संवाददाता, कठुआ

पारलीबंड से हटली मोड़ रोड तक बदहाल सड़क, गड्ढों से वाहन चालक परेशान

कठुआ शहर में बदहाल सड़कों की समस्या लगातार लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। शहर की कई प्रमुख सड़कों पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को रोजाना मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि कई स्थानों पर सड़क कम और गड्ढे अधिक दिखाई देते हैं। इन गड्ढों के कारण दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों के साथ-साथ ई-रिक्शा चालकों की परेशानी भी बढ़ गई है। वाहन चालकों को गड्ढों से बचने के लिए बार-बार दिशा बदलनी पड़ती है, जिससे व्यस्त मार्गों पर यातायात प्रभावित होने के साथ दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर में सड़कों की नियमित मरम्मत और रखरखाव पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। कई स्थानों पर सड़क की ऊपरी परत उखड़ चुकी है और बारिश के बाद स्थिति और खराब हो जाती है। पानी जमा होने के कारण गड्ढों की गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में रात के समय दोपहिया वाहन चालकों के लिए परेशानी और बढ़ जाती है।

करीब 20 दिन पहले पारलीबंड क्षेत्र में हटली मोड़ रोड के कुछ हिस्सों में गड्ढों को भरने का काम शुरू किया गया था। मरम्मत कार्य शुरू होने के बाद स्थानीय लोगों में उम्मीद जगी थी कि जिला प्रशासन और विधायक के संज्ञान में आने के बाद शहर की बदहाल सड़कों की स्थिति में सुधार होगा।



गड्ढों से भरी कठुआ की सड़कें बनीं परेशानी का सबब।

लोगों को लगा था कि पहले चरण में गड्ढों को भरने के बाद पूरी सड़क की मरम्मत कर यातायात को सुचारु किया जाएगा। हालांकि, स्थानीय लोगों का कहना है कि मरम्मत का काम कुछ स्थानों तक ही सीमित रह गया और सड़क के कई हिस्से अब भी बदहाल हैं। लोगों के अनुसार जहां गड्ढे भरे गए हैं, वहां भी सड़क की पूरी तरह से मरम्मत नहीं हो सकी है। इसके चलते कुछ ही दूरी पर फिर से गड्ढों का सामना करना पड़ रहा है। ई-रिक्शा चालकों का कहना है कि लगातार खराब सड़क पर वाहन चलाने से वाहनों के रखरखाव का खर्च बढ़ रहा है। वहीं, दोपहिया वाहन चालकों को अचानक गड्ढे सामने आने पर संतुलन बिगड़ने का खतरा रहता है। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि खराब सड़क और धूल-मिट्टी के कारण बाजार क्षेत्र में भी लोगों को परेशानी होती है। लोगों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि कठुआ शहर की प्रमुख सड़कों का निरीक्षण कर गड्ढों की पहचान की जाए और केवल अस्थायी रूप से गड्ढे भरने के बजाय सड़क की स्थायी मरम्मत कराई जाए। स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर की सड़कों की हालत सुधारने से यातायात व्यवस्था बेहतर होगी और आम लोगों को रोजाना की परेशानी से राहत मिल सकेगी।

सड़क मरम्मत अधूरी, गड्ढों से परेशानी

लोगों को लगा था कि पहले चरण में गड्ढों को भरने के बाद पूरी सड़क की मरम्मत कर यातायात को सुचारु किया जाएगा। हालांकि, स्थानीय लोगों का कहना है कि मरम्मत का काम कुछ स्थानों तक ही सीमित रह गया और सड़क के कई हिस्से अब भी बदहाल हैं। लोगों के अनुसार जहां गड्ढे भरे गए हैं, वहां भी सड़क की पूरी तरह से मरम्मत नहीं हो सकी है। इसके चलते कुछ ही दूरी पर फिर से गड्ढों का सामना करना पड़ रहा है। ई-रिक्शा चालकों का कहना है कि लगातार खराब सड़क पर वाहन चलाने से वाहनों के रखरखाव का खर्च बढ़ रहा है। वहीं, दोपहिया वाहन चालकों को अचानक गड्ढे सामने आने पर संतुलन बिगड़ने का खतरा रहता है।

जलस्रोत बचाने को लौटना होगा हिमालय की पारंपरिक समझ की ओर





डॉ. तारा देवी सेन
वल्लभ महाविद्यालय, मंडी
विभागाध्यक्ष, वनस्पति शास्त्र

यदि हिमालय को भारत का 'जल टावर' कहा जाता है, तो फिर हमारे देश के अनेक गांव आज भी जल संकट का सामना क्यों कर रहे हैं? यह प्रश्न केवल एक भौगोलिक विरोधाभास नहीं, बल्कि हमारी विकास नीतियों, सामाजिक प्राथमिकताओं और प्रकृति से दूर होती जीवनशैली का दर्पण है। हिमालय विश्व की सबसे युवा पर्वत शृंखला होने के साथ-साथ दक्षिण एशिया की जलधारा का मुख्य स्रोत है। यहां से निकलने वाली महान नदियां-गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, सतलुज, ब्यास, रावी, चिनाब और झेलम करोड़ों लोगों की जीवनरेखा हैं।

हिमाचल प्रदेश जैसे पर्वतीय राज्य में ये नदियां केवल जल स्रोत नहीं, बल्कि संस्कृति, आस्था और अर्थव्यवस्था का आधार हैं। फिर भी विडंबना यह है कि अनेक पहाड़ी गांवों में झरने सूख रहे हैं, नौले खाली हो रहे हैं और लोगों को पेयजल के लिए दूर-दूर तक जाना पड़ रहा है।

परंपरा में समाधान : भारत में जल संरक्षण केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सांस्कृतिक दायित्व रहा है। हिमाचल में कूहलें और नौला-धारा जैसी पारंपरिक जल व्यवस्थाएं गुरुत्वाकर्षण और सामुदायिक सहयोग पर आधारित थीं। घरों की ढलानदार छतों से वर्षाजल भूमिगत टैंकों में संचित किया जाता था। देववन और पवित्र उपवन वृक्षों और जल स्रोतों को संरक्षित रखते थे। हमारे पूर्वज भली-भांति समझते थे कि प्रकृति का संतुलन ही जीवन का आधार है।

वर्तमान चुनौतियां और प्रदूषण : आज तीव्र आधुनिकीकरण, अनियंत्रित शहरीकरण और संसाधनों के अंधाधुंध दोहन ने इस संतुलन को प्रभावित किया है। वनों की कटाई, अवैज्ञानिक निर्माण, औद्योगिक अपशिष्ट और अनुपचारित सीवेज ने नदियों की स्वच्छता को चुनौती दी है। हिमाचल प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्टों में कई नदी खंड राष्ट्रीय मानकों से नीचे दर्ज किए गए हैं।

ब्यास के ऊपरी क्षेत्र अपेक्षाकृत स्वच्छ हैं, परंतु कुल्लू और मंडी जैसे शहरी क्षेत्रों के निकट कोलीफॉर्म बैक्टीरिया का स्तर बढ़ा हुआ पाया गया है। सिरसा नदी औद्योगिक क्षेत्रों के कारण अधिक प्रदूषित मानी जाती है, जहां जैव रासायनिक ऑक्सीजन मांग उच्च स्तर पर दर्ज की गई है। छोटे स्रोत जैसे अश्वनी खड्ड और गिरी नदी भी शहरी अपशिष्ट से प्रभावित हो रहे हैं। विडंबना यह है कि जो जल कभी नि:शुल्क और शुद्ध था, आज वह बोतलों में बिक रहा है। स्वच्छ वायु भी प्रदूषण की मार झेल रही है। यदि यही स्थिति रही तो भविष्य में ऑक्सीजन भी बाजार की वस्तु बन सकती है।

वृक्षारोपण : वैज्ञानिक समाधान : वृक्ष जल संरक्षण में मदद करते हैं, भूजल पुनर्भरण बढ़ाते हैं और मृदा अपरदन रोकते हैं। हिमालयी वान, देवदार और उतिस जैसी प्रजातियां सतही बहाव कम कर मिट्टी को स्थिर रखती हैं। पारंपरिक पीपल, बरगद और गूलर भी भूजल और मृदा संरक्षण में सहायक हैं।

जल शुद्धिकरण में पौधों की भूमिका : फाइटो-रिमेडिएशन में पौधे जल और मिट्टी से प्रदूषक अवशोषित करते हैं। सहेजन के बीज गंदे जल को साफ करते हैं, नागफनी तलछट हटाती है और टायफा, पतेरा तथा खस की जड़ आर्द्रभूमि में भारी धातु और पोषक तत्व अवशोषित करती है।

जलवायु परिवर्तन और हिमालय : पहले हिमपात धीरे पिघलता और वर्षा संतुलित होती थी, लेकिन अब वर्षा अनियमित, बादल फटने की घटनाएं बढ़ी और हिमनद सिकुड़ रहे हैं। झरने सूख रहे हैं, भूजल घट रहा है और ऋतु चक्र बदल रहा है। वन घटे तो जल स्रोत कम होंगे, जिससे गांवों का अस्तित्व खतरे में पड़ेगा।

इस वर्ष की थीम : जल और जेंडर : अंतरराष्ट्रीय जल दिवस 22 मार्च को मनाया जाता है। 2026 की थीम 'जल और जेंडर' है। ग्रामीण भारत में जल संग्रह की जिम्मेदारी अक्सर महिलाओं पर होती है।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

आवास योजनाओं की धीमी रफ्तार से गरीब परिवार परेशान, समय पर भुगतान की मांग





सुखदेव सिंह, नूरपुर

बदलते सामाजिक परिवेश के साथ लोगों के खान-पान, रहन-सहन और जीवनशैली में जमीन-आसमान का बदलाव आया है। कभी संयुक्त परिवारों में लोग मिल-जुलकर रहते थे, लेकिन आज प्रत्येक व्यक्ति अपना पक्का मकान बनाने का सपना देखता है। महंगाई के इस दौर में भवन निर्माण सामग्री, राजमिस्त्री और मजदूरों की बढ़ती दिहाड़ी के कारण गरीब परिवारों के लिए पक्का मकान बनाना आसान नहीं रहा। कई लोग बैंक से ऋण लेकर या रिश्तेदारों से उधार लेकर अपना आशियाना बनाने को मजबूर हैं।

हिमाचल प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हजारों गरीब परिवारों के पक्के मकानों का निर्माण चल रहा है। केंद्र सरकार की ओर से लाभार्थियों को करीब एक लाख 60 हजार रुपये तक की सहायता उपलब्ध करवाई जाती है। वर्तमान महंगाई को देखते हुए इतनी राशि में पूरा मकान तैयार कर पाना कठिन है। इसे आर्थिक सहयोग से अधिक सांत्वना राशि कहना भी अनुचित नहीं होगा। इसी दिशा में प्रदेश सरकार ने गरीब परिवारों के लिए स्वर्ण जयंती आश्रय योजना शुरू की है। इस योजना के तहत अब तक 3,223 पक्के मकानों को मंजूरी मिलने की बात सामने आई है और लाभार्थियों को डेढ़ लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता देने का प्रावधान है। सरकार ने इस योजना के लिए 48.35 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है, जो स्वागतयोग्य कदम है।

पक्का मकान केवल संपत्ति नहीं, बल्कि गरीब परिवार के लिए सुरक्षा और सम्मान का आधार भी है। प्रदेश में आज भी अनेक परिवार जर्जर मकानों में रहने को मजबूर हैं। पिछले कुछ वर्षों में लगातार आई प्राकृतिक आपदाओं ने ऐसे भवनों को और अधिक असुरक्षित बना दिया है। कई बार जर्जर मकानों के ढहने से लोगों की जान तक चली जाती है। ऐसी घटनाओं के बाद प्रशासन पीड़ित परिवारों के पुनर्वास के लिए प्रक्रिया शुरू करता है, लेकिन यदि जरूरतमंद परिवारों को समय रहते सुरक्षित आवास उपलब्ध करवाया जाए तो कई हादसों को टाला जा सकता है।

हालांकि योजनाओं की घोषणा जितनी महत्वपूर्ण है, उनका समय पर धरातल पर उतरना उससे भी अधिक जरूरी है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्माणाधीन कई मकानों का काम किश्तों के विलंब के कारण अधर में लटका हुआ है। लाभार्थियों को समय पर भुगतान न मिलने से उन्हें सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ते हैं। कई परिवारों ने बैंक से ऋण लेकर और रिश्तेदारों से उधार लेकर मकानों की छतें डाली हैं। तकनीकी कारणों से भुगतान में हुई देरी ने उनकी परेशानियां और बढ़ाई हैं। ऐसे में सरकार को लंबित किश्तों का शीघ्र भुगतान कर अधूरे मकानों को पूरा करवाने को प्राथमिकता देनी चाहिए। स्वर्ण जयंती आश्रय योजना का उद्देश्य तभी सफल माना जाएगा, जब गरीब परिवारों को समयबद्ध तरीके से सहायता मिले और निर्माण कार्य औपचारिकताओं में उलझकर न रह जाए। प्रदेश की वित्तीय स्थिति को देखते हुए सरकार के सामने संसाधनों का उचित इस्तेमाल करना भी बड़ी चुनौती है। कल्याणकारी योजनाओं के लिए धन उपलब्ध करवाने के साथ यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि राशि वास्तव में जरूरतमंद परिवारों तक समय पर पहुंचे।

सरकार यदि गरीबों को पक्का आशियाना देने की दिशा में गंभीर है तो उसे पहले से चल रही योजनाओं की कमियों को दूर करना होगा। प्रधानमंत्री आवास योजना के अधूरे मकानों को पूरा करवाना, लंबित किश्तों का भुगतान करना और स्वर्ण जयंती आश्रय योजना में पारदर्शिता तथा समयबद्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है। गरीब परिवारों के लिए पक्का मकान किसी सरकारी आंकड़े का हिस्सा नहीं, बल्कि उनके सुरक्षित भविष्य और सम्मान से जुड़ा सपना है। इस सपने को कागजों से निकालकर जमीन पर साकार करना ही सरकार की वास्तविक परीक्षा होगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

साहस से बचाई सैकड़ों जानें

भारतीय पायलट कैप्टन स्मित की बहादुरी और सूझबूझ की चर्चा विमानन जगत में हो रही है। दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान में सह-पायलट द्वारा कथित रूप से विमान का नियंत्रण अपने हाथ में लेने और कैप्टन स्मित पर हमला करने की घटना ने विमान सुरक्षा से जुड़े गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कॉकपिट में हुए संघर्ष के दौरान विमान काफी नीचे आ गया था। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद कैप्टन स्मित ने सह-पायलट का सामना किया और कॉकपिट का दरवाजा खोलने में सफलता हासिल की। इसके बाद विमान में मौजूद अन्य लोगों को कॉकपिट में प्रवेश करने और स्थिति संभालने का अवसर मिला।

विमान का कॉकपिट अत्यधिक सुरक्षित क्षेत्र होता है और सामान्य परिस्थितियों में बाहर से उसका दरवाजा खोलना संभव नहीं होता। ऐसे में संकट की उस घड़ी में दरवाजा खोल पाने की क्षमता ने स्थिति को और गंभीर होने से रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विमान में मौजूद दो अन्य पायलटों ने भी नियंत्रण संभालने में सहायता की। घटना की जांच शुरू हो चुकी है और इसके पीछे की वास्तविक परिस्थितियों का पता जांच पूरी होने के बाद ही चल सकेगा। इस घटना की तुलना 11 सितंबर 2001 के आतंकवादी हमलों से भी की जा रही है। उस दिन अमेरिका में चार यात्री विमानों का अपहरण किया गया था। दो विमानों को न्यूयॉर्क स्थित वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के दोनों टावरों से टकराया गया, जबकि तीसरा विमान वाशिंगटन स्थित पेंटागन से टकराया। चौथा विमान पेंसिल्वेनिया में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। इन हमलों में हजारों लोगों की जान गई और पूरी दुनिया की विमान सुरक्षा व्यवस्था पर इसका गहरा प्रभाव पड़ा।

फ्लाईदुबई की घटना में सह-पायलट की मंशा क्या थी, वह विमान को कहां ले जाना चाहता था और उसके पीछे कोई वैचारिक या अन्य कारण था या नहीं, इन सभी सवालों का उत्तर जांच के बाद ही सामने आएगा। इसलिए घटना के शुरुआती विवरणों के आधार पर किसी अंतिम निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा। विशेष रूप से विमानन सुरक्षा से जुड़ी घटनाओं में तथ्यात्मक जांच, कॉकपिट की तकनीकी जानकारी, चालक दल के बयान और अन्य साक्ष्यों का विश्लेषण महत्वपूर्ण होता है। घटना ने एक बार फिर यह सवाल भी उठाया है कि विमान के भीतर अचानक उत्पन्न होने वाले सुरक्षा संकट से निपटने के लिए चालक दल को किस प्रकार की तैयारी की आवश्यकता है। विमानन क्षेत्र में पायलटों को न केवल उड़ान संचालन, बल्कि आपात परिस्थितियों और कॉकपिट सुरक्षा से जुड़ी प्रक्रियाओं का भी प्रशिक्षण दिया जाता है। ऐसी घटनाएं इन व्यवस्थाओं की निरंतर समीक्षा की आवश्यकता को रेखांकित करती हैं।

11 सितंबर के हमलों के बाद दुनियाभर में विमान सुरक्षा के नियमों में व्यापक बदलाव हुए। कॉकपिट के दरवाजों की सुरक्षा बढ़ाई गई, यात्रियों और चालक दल की जांच व्यवस्था कड़ी हुई तथा विमान अपहरण की स्थिति से निपटने के लिए नए प्रोटोकाल बनाए गए। इसके बावजूद किसी विमान के भीतर चालक दल के ही किसी सदस्य से उत्पन्न खतरा एक अलग तरह की चुनौती है, क्योंकि ऐसी स्थिति में सुरक्षा व्यवस्था और मानवीय व्यवहार दोनों की परीक्षा होती है। इस घटना को लेकर अलग-अलग प्रकार के दावे और प्रतिक्रियाएं भी सामने आ सकती हैं। किसी भी आतंकवादी घटना या संभावित विमान अपहरण को तत्काल किसी देश, समुदाय या विचारधारा से जोड़ने के बजाय जांच के निष्कर्षों की प्रतीक्षा करना आवश्यक है। आतंकवाद की किसी भी घटना का मूल्यांकन ठोस साक्ष्यों और आधिकारिक जांच के आधार पर होना चाहिए। सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर प्रसारित अपुष्ट दावों से भ्रम और तनाव बढ़ सकता है।

कैप्टन स्मित की भूमिका को लेकर सामने आई जानकारी निश्चित रूप से विमान चालक दल के प्रशिक्षण, साहस और संकट की स्थिति में निर्णय लेने की क्षमता के महत्व को रेखांकित करती है। हालांकि, इस घटना की पूरी तस्वीर जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी। यह भी जरूरी है कि घटना से जुड़े तथ्यों को सार्वजनिक करते समय यात्रियों, चालक दल और जांच प्रक्रिया की सुरक्षा का ध्यान रखा जाए। विमानन सुरक्षा केवल तकनीकी व्यवस्था का विषय नहीं है। इसमें चालक दल की मानसिक और शारीरिक तैयारी, कॉकपिट सुरक्षा, आपातकालीन प्रक्रियाएं, हवाई यातायात नियंत्रण और खुफिया सूचनाओं का समन्वय भी शामिल है। किसी एक स्तर पर चूक का प्रभाव सैकड़ों यात्रियों की सुरक्षा पर पड़ सकता है।

फ्लाईदुबई की यह घटना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसने दिखाया कि संकट की स्थिति में चालक दल का प्रशिक्षण और त्वरित निर्णय कितने निर्णायक हो सकते हैं। कैप्टन स्मित ने जिस परिस्थिति में कॉकपिट का नियंत्रण बनाए रखने का प्रयास किया, वह विमानन सुरक्षा के लिहाज से गंभीर घटना है। अब जांच एजेंसियों के सामने चुनौती यह पता लगाने की है कि घटना की शुरुआत कैसे हुई, सह-पायलट की वास्तविक मंशा क्या थी और भविष्य में ऐसी स्थिति को रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था में क्या सुधार किए जा सकते हैं। जांच के निष्कर्ष ही इस पूरे घटनाक्रम की वास्तविक तस्वीर स्पष्ट करेंगे।

-शिवांश धाकड़

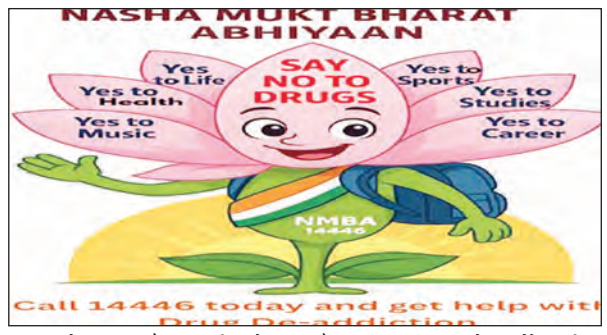
कविता

जिधर भी देखिए

शिव राज सन्याल
मकड़ाहन, जवाली, कांगड़ा (हि.प्र.)

तेल तमाशा हो गया, करती गैस कमाल,
दिन-दिन महंगी हो रही, रोटी, सब्जी, दाल।
महंगाई का दौर है, हर कोई मजबूर,
कीमत बढ़ती जा रही, जेब हुई चकनाचूर।
आज जिधर भी देखिए, जनजीवन बेहाल,
करों की हर मार से, उड़ रही घर की चाल।
महंगाई बढ़ती गई, देश हुआ कंगाल,
मरता आज गरीब है, नेता हुए मालामाल।
सच्चा सौदा देखिए, नाच नचाता तेल,
बढ़ती कीमत देखकर, बिगड़ा घर का मेल।
कभी बढ़ा पेट्रोल का दाम, कभी रसोई गैस,
बढ़ती कीमतों ने छीना, आम आदमी का चैन।
दूध, दवा और सब्जियां, सबकी कीमत तेज,
छोटी-सी आमदनी में, कैसे चले घर का खर्च?
किसान खड़ा बाजार में, लागत हुई बेहिसाब,
मजदूर की मेहनत वही, बढ़ता जाता ख्वाब।
बच्चों की पढ़ाई का खर्च, भारी होता भार,
बीमारी आ जाए अगर, टूटे घर का संसार।
अंतरराष्ट्रीय हालात का, देते हैं सब ज्ञान,
लेकिन जनता पूछ रही, कब सुधरेगा हाल?
रोटी की चिंता हर घर में, सपनों पर पहरा,
महंगाई की मार ने, जीवन कर दिया गहरा।
जरूरी है अब नीति ऐसी, राहत पहुंचे द्वार,
गरीब और मध्यम वर्ग को, मिले उचित अधिकार।
सस्ती हो रसोई उनकी, रोजगार मिले भरपूर,
तभी कहेंगे देश में, खुशहाली है जरूर।
जनता की आवाज सुनो, मत बढ़ाओ भार,
महंगाई के इस दौर में, दो जीवन को आधार।

नशे को रोकने के लिए सरकारी प्रयासों के साथ सामाजिक भागीदारी जरूरी





श्रीसुधांशपंत
सचिव, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय(भारत सरकार)

नशीले पदार्थों से दूर रहने का फैसला अक्सर किसी बड़े भाषण या उपदेश से नहीं, बल्कि उस छोटे से पल में होता है जब दोस्तों के बीच किसी नशीले पदार्थ को आगे बढ़ाया जाता है और कहा जाता है—'बाकी सब भी तो ऐसा ही कर रहे हैं।' ऐसे समय में मना करना आसान नहीं होता। युवा के मन में साथियों से अलग होने, उपहास का सामना करने या समूह से बाहर कर दिए जाने का डर पैदा हो सकता है। कई बार इसी दबाव में लिया गया एक छोटा-सा फैसला आगे चलकर नशे की लत का कारण बन जाता है। इसलिए नशे के खिलाफ जागरूकता के साथ युवाओं में 'ना' कहने का आत्मविश्वास पैदा करना भी जरूरी है।

इसी सोच के साथ नशामुक्त भारत अभियान की शुरुआत की गई। इसका उद्देश्य केवल नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देना नहीं, बल्कि नशे से दूर रहने के निर्णय को सहज और सामाजिक रूप से स्वीकार्य बनाना है। 15 अगस्त 2020 को शुरू हुए इस अभियान ने युवाओं और समुदायों को जोड़ते हुए नशे के खिलाफ सामूहिक संकल्प को मजबूत करने का प्रयास किया है। अभियान का सबसे सरल और प्रभावी संदेश है—'ना'। यह किसी व्यक्ति को उपदेश देने के बजाय उस आत्मविश्वास को बढ़ाने की बात करता है, जिसके सहारे वह साथियों के दबाव के बावजूद नशे से इनकार कर सके।

अभियान के तहत संकल्प और जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से अब तक 13.71 करोड़ से अधिक युवाओं तक पहुंच बनाई गई है। स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में 31 लाख से अधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। शैक्षिक परिसरों में विद्यार्थियों द्वारा नशे से दूर रहने का संकल्प लेना और ग्राम सभाओं में इस विषय पर चर्चा होना अभियान की व्यापक पहुंच को दर्शाता है। महिलाओं, स्वयं सहायता समूहों और सामुदायिक नेटवर्कों की भागीदारी ने भी नशे के मुद्दे को घर और समाज की बातचीत का हिस्सा बनाने में मदद की है।

19 सितंबर 2026 तक 1.70 लाख से अधिक 'नशामुक्ति मित्र' सामुदायिक स्तर पर अभियान से जुड़े हैं। इनके माध्यम से 34.57 करोड़ से अधिक लोगों तक नशे के खिलाफ संदेश पहुंचाने में सहायता मिली है। यह भागीदारी इस बात को रेखांकित करती है कि नशे की रोकथाम केवल सरकारी संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है। परिवार, शैक्षणिक संस्थान, पंचायतें, सामाजिक संगठन और युवा भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

अभियान ने जागरूकता से आगे बढ़कर लोगों को सहायता और मार्गदर्शन उपलब्ध कराने पर भी ध्यान दिया है। नशे की समस्या से जूझ रहे व्यक्ति या उसके परिवार के लिए राष्ट्रीय नशामुक्ति हेल्पलाइन 14446 जानकारी, मार्गदर्शन और संबंधित सेवाओं तक पहुंच बनाने का माध्यम है।

समय पर सही जानकारी और सहायता मिलने से किसी व्यक्ति को नशे की समस्या से बाहर निकलने की दिशा में पहला कदम उठाने में मदद मिल सकती है। नशामुक्त भारत अभियान का संदेश अब स्कूलों और कॉलेजों से आगे बढ़कर पंचायतों, आशा और आंगनवाड़ी नेटवर्क तथा विभिन्न सामुदायिक संगठनों तक पहुंच रहा है। युवाओं से जुड़े कलाकारों, विद्यार्थियों और थिएटर समूहों की भागीदारी भी इस संदेश को प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंचाने का माध्यम बन रही है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

रियलिटी शो में भी छाईं श्वेता

श्वेता तिवारी का जन्म 4 अक्टूबर 1980 को हुआ था। वह भारतीय अभिनेत्री हैं और मुख्य रूप से हिंदी टेलीविजन जगत में काम करती हैं।



श्वेता तिवारी
जन्म : 4 अक्टूबर 1980

टेलीविजन की चर्चित अभिनेत्रियों में शुमार श्वेता तिवारी ने अपने अभिनय करियर में कई लोकप्रिय धारावाहिकों और कार्यक्रमों में काम किया है। उन्हें सबसे अधिक पहचान स्टार प्लस के लोकप्रिय धारावाहिक 'कसौटी जिंदगी की' में प्रेरणा शर्मा की भूमिका से मिली। इस किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई और वह टेलीविजन की प्रमुख अभिनेत्रियों में शामिल हो गईं।

श्वेता तिवारी ने अभिनय के साथ-साथ विभिन्न वास्तविकता आधारित कार्यक्रमों में भी भाग लिया। वर्ष 2010 में उन्होंने 'बिग बॉस' के चौथे संस्करण में हिस्सा लिया और इसकी विजेता बनीं। वह इस कार्यक्रम को जीतने वाली पहली महिला प्रतिभागी रहीं। इसके बाद उन्होंने 'नच बलिए', 'झलक दिखला जा' के छठे संस्करण और 'खतरों के खिलाड़ी' के 11वें संस्करण सहित कई कार्यक्रमों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। उन्होंने 'द ट्रेटर्स इंडिया' में भी भाग लिया।

श्वेता तिवारी ने कई अन्य टेलीविजन धारावाहिकों में अलग-अलग भूमिकाएं निभाकर अपनी अभिनय क्षमता का प्रदर्शन किया। सोनी टेलीविजन के 'परवरिश' में उन्होंने स्वीटी अहलूवालिया की भूमिका निभाई। इसके बाद 'बेगूसराय' में बिंदिया ठाकुर का किरदार निभाया। 'मेरे डैड की दुल्हन' में उन्होंने गुनीत सिक्का शर्मा की भूमिका निभाई, जबकि 'मैं हूं अपराजिता' में अपराजिता सिंह के किरदार में नजर आईं।

अपने लंबे करियर के दौरान श्वेता तिवारी ने अलग-अलग तरह की भूमिकाओं के माध्यम से दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई है। धारावाहिकों से लेकर वास्तविकता आधारित कार्यक्रमों तक उनकी सक्रियता ने उन्हें हिंदी टेलीविजन की जानी-पहचानी कलाकारों में स्थान दिलाया। अभिनय के क्षेत्र में उनकी यात्रा निरंतर जारी है और विभिन्न भूमिकाओं के माध्यम से उन्होंने दर्शकों के बीच अपनी लोकप्रियता बनाए रखी है।

मोबाइल छीनना ही समाधान नहीं, बच्चों को वास्तविक गतिविधियों से जोड़ना जरूरी

आज के दौर में छोटे बच्चों में मोबाइल, टीवी और टैबलेट के बढ़ते इस्तेमाल ने अभिभावकों की चिंता बढ़ा दी है। खासकर चार वर्ष तक की आयु के नौनिहालों में जरूरत से ज्यादा स्क्रीन देखने की आदत उनके व्यवहार, भाषा विकास, सामाजिक संपर्क और एकाग्रता पर असर डाल सकती है। इसी संदर्भ में आम बोलचाल में 'वर्चुअल ऑटिज्म' शब्द का इस्तेमाल किया जा रहा है। हालांकि यह कोई औपचारिक चिकित्सकीय निदान नहीं है, बल्कि अत्यधिक स्क्रीन समय से जुड़े ऐसे व्यवहारों के लिए इस्तेमाल होने वाला शब्द है, जो ऑटिज्म जैसे दिखाई दे सकते हैं। ऐसे में अभिभावकों के लिए यह समझना जरूरी है कि बच्चे को स्क्रीन से दूर रखने के साथ उसके साथ पर्याप्त संवाद, खेल और सामाजिक गतिविधियां भी जरूरी हैं।

कई परिवारों में अभिभावक अपने काम या आराम के लिए छोटी उम्र में ही बच्चों को मोबाइल, टीवी या टैबलेट थमा देते हैं। शुरुआत में यह तरीका आसान लगता है, लेकिन धीरे-धीरे बच्चा स्क्रीन पर अधिक समय बिताने का आदी हो सकता है। तेज गति से बदलते दृश्य और लगातार मिलने वाला मनोरंजन बच्चे का ध्यान लंबे समय तक स्क्रीन पर बनाए रखते हैं। इसके चलते बच्चा आसपास मौजूद लोगों और वास्तविक गतिविधियों में कम रुचि दिखा सकता है। कई अभिभावक बताते हैं कि बच्चा उनके साथ बातचीत करने के बजाय मोबाइल देखने में अधिक सहज महसूस करता है और स्क्रीन हटाने पर उसका व्यवहार अचानक बदल जाता है।

अत्यधिक स्क्रीन समय का असर बच्चों के सामाजिक व्यवहार पर भी दिखाई दे सकता है। कुछ बच्चों में सामने वाले व्यक्ति की आंखों में देखकर बात करने की प्रवृत्ति कम हो जाती है। बच्चा नाम पुकारने पर प्रतिक्रिया देने में रुचि नहीं दिखाता या बातचीत के दौरान बार-बार स्क्रीन की ओर देखने लगता है। वहीं कुछ बच्चों में अपनी उम्र के अनुरूप भाषा विकास नहीं होने, कम बोलने या अपनी बात व्यक्त करने में कठिनाई जैसी समस्याएं भी नजर आ सकती हैं। दूसरे बच्चों के साथ खेलने और घुलने-मिलने के बजाय अकेले रहना पसंद करना भी अभिभावकों के लिए चिंता का कारण बन सकता है। हालांकि ऐसे लक्षणों के पीछे केवल स्क्रीन समय को जिम्मेदार नहीं माना जा सकता और लगातार बने रहने वाले लक्षणों पर विशेषज्ञ की सलाह जरूरी है।





डॉ नितिका शर्मा
भोरंज, जिला हमीरपुर।

स्क्रीन की आदत का एक और प्रभाव बच्चे के व्यवहार में चिड़चिड़ापन और गुस्से के रूप में सामने आ सकता है। जब अभिभावक लंबे समय तक मोबाइल या टैबलेट देखने के बाद अचानक उपकरण छीन लेते हैं, तो कई बच्चे रोने, तेज गुस्सा करने या जिद करने लगते हैं। कुछ बच्चे बार-बार एक ही गतिविधि करने की मांग करते हैं और स्क्रीन न मिलने पर उन्हें शांत करना मुश्किल हो जाता है। ऐसी स्थिति में अभिभावकों के लिए चुनौती केवल मोबाइल छुड़ाना नहीं, बल्कि बच्चे का ध्यान धीरे-धीरे वास्तविक दुनिया की गतिविधियों की ओर ले जाना भी है।

विशेषज्ञों के अनुसार, छोटी उम्र में बच्चे के मस्तिष्क और भाषा कौशल के विकास के लिए आमने-सामने बातचीत, खेल, शारीरिक गतिविधि और आसपास के लोगों के साथ सामाजिक संपर्क बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। स्क्रीन पर लगातार तेज गति से बदलते दृश्य और तत्काल मनोरंजन मिलने से बच्चा वास्तविक जीवन की अपेक्षाकृत धीमी गतिविधियों में कम रुचि दिखा सकता है। इसी वजह से बच्चों के स्क्रीन समय को नियंत्रित करना और उन्हें उम्र के अनुसार दूसरी गतिविधियों में व्यस्त रखना जरूरी है। स्क्रीन पर निर्भरता कम करने के लिए केवल बच्चे को डांटना या मोबाइल छीन लेना पर्याप्त नहीं है।

अभिभावकों को बच्चे के साथ स्वयं समय बिताने की आदत विकसित करनी होगी। बच्चे के साथ बैठकर खेलना, उससे बातचीत करना, कहानी की किताबें पढ़ना, चित्रों के माध्यम से नई चीजें समझाना और खेल-खेल में पढ़ाई करवाना इसके प्रभावी तरीके हो सकते हैं। बच्चे को पार्क या खुले स्थान पर ले जाकर शारीरिक गतिविधियों में शामिल करना भी उपयोगी है। घर में परिवार के अन्य सदस्यों के साथ बच्चे को बातचीत और सामूहिक गतिविधियों का अवसर देना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अभिभावक स्वयं भी बच्चे के सामने मोबाइल का अनावश्यक इस्तेमाल कम करें, क्योंकि छोटे बच्चे बड़ों के व्यवहार की नकल तेजी से करते हैं।

स्क्रीन की आदत कम करने की प्रक्रिया अचानक पूरी तरह उपकरण छीनने के बजाय बच्चे की उम्र और परिस्थिति के अनुसार धीरे-धीरे की जा सकती है। भोजन, बातचीत और खेलने के समय स्क्रीन से दूरी बनाना शुरुआत का अच्छा कदम हो सकता है। यदि बच्चा उम्र के अनुसार नहीं बोल रहा है, नाम पुकारने पर प्रतिक्रिया नहीं देता, आंखों में देखकर बातचीत नहीं करता, सामाजिक संपर्क से लगातार बचता है या उसके व्यवहार में लगातार असामान्य बदलाव दिखाई दे रहे हैं, तो इसे केवल मोबाइल की आदत मानकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ऐसी स्थिति में बाल रोग विशेषज्ञ या विकासात्मक विशेषज्ञ से परामर्श लेना जरूरी है।

समय रहते स्क्रीन की आदत पर नियंत्रण, परिवार के साथ संवाद और नियमित खेलकूद बच्चों के समग्र विकास में मदद कर सकते हैं। अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी से बच्चे को वास्तविक दुनिया के अनुभवों से जोड़ना संभव है। जरूरत इस बात की है कि मोबाइल और अन्य डिजिटल उपकरण बच्चों को व्यस्त रखने का आसान साधन बनने के बजाय सीमित और नियंत्रित तरीके से इस्तेमाल किए जाएं। छोटे बच्चों के विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण स्क्रीन नहीं, बल्कि परिवार का समय, बातचीत, खेल और वास्तविक दुनिया से उनका जुड़ाव है।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

'भारतेन्दु शिखर'

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

वृंदावन में यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए 100 नई बसों की तैयारी

मंदिरों तक श्रद्धालुओं को मिलेगी बस सेवा, दो माह में संचालन

एजेंसी, वृंदावन (मथुरा)



ठाकुर बांकेबिहारी की नगरी में लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच चरमराई यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए प्रदेश सरकार सार्वजनिक परिवहन का दायरा बढ़ाने की तैयारी में है। श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को मंदिरों तथा प्रमुख धार्मिक स्थलों तक सुगम आवागमन की सुविधा देने के लिए वृंदावन में चार रूटों पर 50 वातानुकूलित मिनी बसें संचालित की जाएंगी। इन बसों का संचालन करीब दो महीने बाद शुरू होने की संभावना है। इसके अलावा वृंदावन से दूसरे जिलों और प्रमुख शहरों के लिए भी 50 वातानुकूलित ई-बसें बेड़े में शामिल की जाएंगी।

नई बस सेवा शुरू होने से श्रद्धालुओं की ई-रिक्शा और आटो पर निर्भरता कम करने के साथ ही शहर की यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करने में मदद मिलने की उम्मीद है। सिटी बस प्रभारी राधा कृष्ण के अनुसार सात मीटर लंबी मिनी बसों में 14 यात्रियों के बैठने की व्यवस्था होगी। बसें सुबह से शाम तक निर्धारित मार्गों पर लगातार संचालित की जाएंगी।

पहला रूट रुक्मिणी विहार मल्टीलेवल पार्किंग से शुरू होकर प्रेम मंदिर, इस्कान, विद्यापीठ चौराहा और अटल्ला चुंगी होते हुए रंगजी मंदिर तक जाएगा। वापसी में भी बसें इसी मार्ग से लौटेंगी। दूसरा रूट वैष्णो देवी मंदिर से शुरू होकर प्रेम मंदिर, चैतन्य विहार ओवरब्रिज, मथुरा मार्ग और अटल्ला चुंगी होते हुए कात्यायनी मंदिर तक निर्धारित किया गया है। इस मार्ग पर भी बसें दोनों दिशाओं में संचालित होंगी।

अधिकारियों का कहना है कि 50 मिनी बसें उपलब्ध होने से यात्रियों को निर्धारित रूट पर लगातार सार्वजनिक परिवहन की सुविधा मिल सकेगी। इससे धार्मिक स्थलों के बीच आवागमन आसान होगा और प्रमुख मार्गों पर छोटे सार्वजनिक वाहनों का दबाव कम करने में भी मदद मिल सकती है। वृंदावन से दूसरे शहरों के लिए 50 वातानुकूलित 12 मीटर लंबी ई-बसें भी संचालित करने की योजना है। इन बसों में 42 यात्रियों के बैठने की क्षमता होगी और एक बार चार्ज होने पर करीब 300 किलोमीटर तक चलने की क्षमता बताई गई है।

वृंदावन से जुड़ेगा हाथरस-आगरा

अधिकारियों का कहना है कि 50 मिनी बसें उपलब्ध होने से यात्रियों को निर्धारित रूट पर लगातार सार्वजनिक परिवहन की सुविधा मिल सकेगी। इससे धार्मिक स्थलों के बीच आवागमन आसान होगा और प्रमुख मार्गों पर छोटे सार्वजनिक वाहनों का दबाव कम करने में भी मदद मिल सकती है। वृंदावन से दूसरे शहरों के लिए 50 वातानुकूलित 12 मीटर लंबी ई-बसें भी संचालित करने की योजना है। इन बसों में 42 यात्रियों के बैठने की क्षमता होगी और एक बार चार्ज होने पर करीब 300 किलोमीटर तक चलने की क्षमता बताई गई है। प्रस्तावित रूप से इनका संचालन वृंदावन से हाथरस, आगरा और जेवर एयरपोर्ट तक किया जाएगा।

नवरात्र में जनता को समर्पित होगी रामायण वाटिका

51 फीट ऊंची श्रीराम प्रतिमा बनेगी रामायण वाटिका की पहचान

एजेंसी, अयोध्या



भगवान श्रीराम के 14 वर्षों के वनवास काल की स्मृतियों को संजोए रामायण वाटिका के लोकार्पण की तैयारी एक बार फिर तेज हो गई है। बीडीए की ओर से वाटिका को नवरात्र के दौरान आमजन के लिए खोलने की योजना बनाई गई है। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लोकार्पण के लिए समय मांगा जा रहा है। शहर को धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन की नई पहचान देने वाली इस वाटिका के निर्माण को अंतिम रूप दिया जा चुका है।

बीडीए उपाध्यक्ष सौम्या पांडेय ने बताया कि रामायण वाटिका अब पूर्ण हो चुकी है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों इसका लोकार्पण कराने की तैयारी है। नवरात्र के दौरान वाटिका के एम्फीथिएटर में प्रतिदिन धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें सुंदरकांड, सत्संग, संकीर्तन, रामायण आधारित प्रस्तुतियों के साथ अन्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन शामिल होंगे। इससे वाटिका श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन सकेगी।

रामायण वाटिका की सबसे खास पहचान 'हरित रामायण' की संकल्पना है। भगवान श्रीराम के वनगमन के दौरान जिन वन क्षेत्रों से होकर उनके जाने का उल्लेख वाल्मीकि रामायण में मिलता है, वहां की वनस्पतियों और वृक्षों से संबंधित विवरण को आधार बनाकर वाटिका को हरित स्वरूप दिया गया है। यहां स्थापित 51 फीट ऊंची भगवान श्रीराम की भव्य प्रतिमा भी पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र है।

वाटिका में रामायण के प्रमुख प्रसंगों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने के लिए लाइट एंड साउंड शो की व्यवस्था भी की जा रही है। मानसून के बाद विकसित किए गए पुष्प-पौधों, वनस्पतियों और लैंडस्केप के रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि नवरात्र में वाटिका को आकर्षक स्वरूप में आमजन के सामने प्रस्तुत किया जा सके। इसके अलावा आगंतुकों की सुविधा के लिए कैंटीन, सार्वजनिक शौचालय और अन्य जरूरी सुविधाएं भी विकसित की गई हैं।

'हरित रामायण' बनेगी प्रमुख आकर्षण

बीडीए उपाध्यक्ष सौम्या पांडेय ने बताया कि रामायण वाटिका अब पूर्ण हो चुकी है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों इसका लोकार्पण कराने की तैयारी है। नवरात्र के दौरान वाटिका के एम्फीथिएटर में प्रतिदिन धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें सुंदरकांड, सत्संग, संकीर्तन, रामायण आधारित प्रस्तुतियों के साथ अन्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन शामिल होंगे। इससे वाटिका श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन सकेगी।
रामायण वाटिका की सबसे खास पहचान 'हरित रामायण' की संकल्पना है। यहां स्थापित 51 फीट ऊंची भगवान श्रीराम की भव्य प्रतिमा भी पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र है।

लापरवाही पर होगी कठोर कार्रवाई : केशव मौर्य

कौशांबी के नेवादा कॉलेज में छात्रों के प्रदर्शन पर उपमुख्यमंत्री मौर्य ने लिया संज्ञान

एजेंसी, कौशांबी



उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले के नेवादा स्थित शिवाजी इंटर कॉलेज में बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर छात्र-छात्राओं के प्रदर्शन के मामले में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कड़ा संज्ञान लिया है। एक अक्टूबर को कॉलेज में विद्यार्थियों के धरना-प्रदर्शन की जानकारी मिलने के बाद उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तत्काल और विधिसम्मत कार्रवाई के निर्देश दिए। उनके निर्देश पर जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) ने मामले की जांच के लिए प्रांतीय शिक्षा सेवा के तीन अधिकारियों की समिति गठित की है। समिति कॉलेज से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जांच कर अपनी रिपोर्ट अधिकारियों को सौंपेगी। वहीं, प्रदर्शन से जुड़े मामले में सरायअकिल थाने में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस स्तर पर भी आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

◆कौशांबी कॉलेज में छात्रों के प्रदर्शन के बाद शिक्षा विभाग ने शुरू की जांच

उपमुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, कॉलेज में छात्र-छात्राओं ने विद्यालय में आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। विद्यार्थियों की समस्याओं और विद्यालय में उपलब्ध व्यवस्थाओं को लेकर सामने आई शिकायतों के बाद उपमुख्यमंत्री ने जिला विद्यालय निरीक्षक और निदेशक माध्यमिक शिक्षा को मामले का तत्काल संज्ञान लेने को कहा। इसके बाद शिक्षा विभाग ने नेवादा क्षेत्र से संबंधित कार्मिकों की कार्यप्रणाली और पूरे प्रकरण की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की।

जांच समिति कॉलेज में उपलब्ध सुविधाओं, विद्यार्थियों की ओर से उठाई गई मांगों, संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यप्रणाली तथा अब तक की गई कार्रवाई का परीक्षण करेगी। समिति की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि छात्र-छात्राएं देश का भविष्य हैं और उनके भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि विद्यालयों में आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने में यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही अथवा दायित्वों के निर्वहन में चूक सामने आती है तो संबंधित के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनते देखना चाहता हूं: अजय राय

अजय राय ने कहा- राहुल गांधी मेरे आदर्श, उनके लिए जान की बाजी लगाऊंगा

एजेंसी, वाराणसी



कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय राय ने प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाए जाने के बाद भी पार्टी और उसके शीर्ष नेतृत्व के प्रति अपनी निष्ठा दोहराई है। वाराणसी स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने अपने समर्थकों से कांग्रेस के साथ पूरी मजबूती से जुड़े रहने की अपील की। अजय राय ने कहा कि आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनाव में पार्टी को मजबूत करने के लिए सभी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को पूरी ताकत के साथ जुटना होगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि नेतृत्व में बदलाव को लेकर उनके मन में किसी तरह की नाराजगी नहीं है और वह कांग्रेस के साथ पहले की तरह काम करते रहेंगे। अजय राय ने कहा कि वह राहुल गांधी को देश का प्रधानमंत्री बनते देखना चाहते हैं और इसके लिए पार्टी के साथ मिलकर लगातार काम करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस नेतृत्व पर उनका पूरा विश्वास है।

उन्होंने अपने राजनीतिक सफर का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके जैसे साधारण कार्यकर्ता को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ चुनाव मैदान में उतारा गया था और वह पार्टी के भरोसे को हमेशा महत्व देते रहे हैं। अजय राय ने कहा कि वह आज भी राहुल गांधी के पीछे मजबूती से खड़े हैं और पार्टी के लिए पूरी निष्ठा से काम करते रहेंगे। बातचीत के दौरान उन्होंने राहुल गांधी की तस्वीर को साफ करते हुए उन्हें अपना आदर्श बताया।

अजय राय ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में उनका विश्वास कायम है और उन्हें प्रधानमंत्री बनाने के लिए यदि उन्हें अपना सर्वस्व लगाना पड़े तो वह पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा कि उनका घर आज भी राहुल गांधी का घर है और उनके आवास के बाहर लगा बोर्ड भी इसी भावना को दर्शाता है। अजय राय ने अपने समर्थकों से कहा कि वे उनके साथ कदम से कदम मिलाकर खड़े रहें और कांग्रेस को मजबूत करने के लिए संगठन के कार्यक्रमों तथा चुनावी तैयारियों में सक्रिय भूमिका निभाएं।

उन्होंने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी के कार्यकर्ताओं को अभी से जुटना होगा और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने पर ध्यान देना होगा।

अजय राय ने यह भी कहा कि राजनीतिक परिस्थितियां बदलती रहती हैं, लेकिन कार्यकर्ता की प्रतिबद्धता और संगठन के प्रति विश्वास बना रहना चाहिए। उन्होंने अपने समर्थकों को संदेश दिया कि पद महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि पार्टी और विचारधारा के लिए काम करना अधिक महत्वपूर्ण है। अजय राय ने कहा कि वह आगे भी कांग्रेस के साथ खड़े रहेंगे और पार्टी को मजबूत करने के लिए अपनी भूमिका निभाते रहेंगे।

आगरा-अलीगढ़ हाईवे पर भीषण हादसा, दो लोग जिंदा जले

आगरा में डंपर और कंटेनर की टक्कर के बाद दोनों वाहनों में लगी भीषण आग

एजेंसी, आगरा



खंदौली में सुबह-सुबह हुआ भीषण हादसा।

आगरा-अलीगढ़ हाईवे पर शनिवार सुबह खंदौली क्षेत्र में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने डंपर और कंटेनर की भीषण टक्कर के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और दोनों वाहन धू-धूकर जलने लगे। हादसे में डंपर और कंटेनर सवार दो लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। मृतकों की पहचान राजस्थान के धौलपुर जिले के मनिया थाना क्षेत्र स्थित कोड़रा का पूरा गांव निवासी आकाश (25) और करुआ (24) के रूप में हुई है। वहीं, हादसे की चपेट में आने से बाइक सवार दो सब्जी विक्रेता भी घायल हो गए। घायलों की पहचान खंदौली के नगला जालिम निवासी सुमित (23) और शीटू (24) के रूप में हुई है। दोनों मंडी से सब्जी खरीदकर बाइक से वापस लौट रहे थे। टक्कर के दौरान उनकी बाइक भी आग की चपेट में आ गई और जलकर क्षतिग्रस्त हो गई।

एत्मादपुर सर्किल के सहायक पुलिस आयुक्त देवेश सिंह के अनुसार, हादसा शनिवार सुबह करीब छह बजे हुआ। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक डंपर और कंटेनर के बीच आमने-सामने या तेज टक्कर हुई, जिसके बाद दोनों वाहनों में आग भड़क उठी। आग इतनी तेज थी कि कुछ ही देर में वाहनों को पूरी तरह अपनी चपेट में ले लिया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझने के बाद दोनों वाहनों की स्थिति पूरी तरह जले हुए ढांचे जैसी हो गई थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया तथा दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाने की कार्रवाई की।

भीषण हादसे के कारण आगरा-अलीगढ़ हाईवे पर यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हो गई। दोनों वाहनों के सड़क पर क्षतिग्रस्त हालत में खड़े होने और आग बुझाने के दौरान हाईवे पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। करीब पांच किलोमीटर तक जाम की स्थिति बनी रही। पुलिस ने क्रेन और अन्य संसाधनों की मदद से दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात सामान्य कराने का प्रयास किया। जाम में फंसे वाहन चालकों और यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।

2027 में किसके साथ जाएंगे, फैसला समय पर : अब्बास

अब्बास बोले, जनता और प्रदेश के हित में ही तय करेंगे अगला कदम

एजेंसी, मऊ



मऊ सदर सीट से सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के विधायक अब्बास अंसारी ने 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर चल रही राजनीतिक अटकलों के बीच कहा कि आगामी चुनाव में वह किसके साथ रहेंगे, इसका फैसला वह और उनकी आवाम करेंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव से काफी पहले ही उनके नाम को लेकर चर्चा शुरू हो जाना इस बात का संकेत है कि जनता के बीच उनकी पकड़ है और विभिन्न राजनीतिक दल उनके साथ आने की इच्छा रखते हैं। शनिवार सुबह पत्रकारों से बातचीत में अब्बास अंसारी ने कहा कि उनके लिए संविधान, लोकतंत्र और सांप्रदायिकता के खिलाफ लड़ाई महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। जो राजनीतिक ताकतें इन मुद्दों पर उनके साथ खड़ी होंगी, वह उनके साथ खड़े होने पर विचार करेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी पहली जिम्मेदारी अपनी आवाम के प्रति है और राजनीतिक निर्णय भी जनता के हित को ध्यान में रखकर ही लिया जाएगा।

2027 में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के टिकट पर चुनाव लड़ने की चर्चाओं के सवाल पर अब्बास अंसारी ने कहा कि बसपा प्रमुख मायावती के साथ उनकी कोई राजनीतिक बातचीत नहीं हुई है। हालांकि, उन्होंने मायावती के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों को अच्छा बताया। उन्होंने मीडिया से अपील की कि किसी भी राजनीतिक निर्णय की आधिकारिक पुष्टि होने से पहले उसके बारे में खबर नहीं चलाई जानी चाहिए। समाजवादी पार्टी (सपा) से टिकट मिलने की चर्चाओं पर भी उन्होंने कोई स्पष्ट घोषणा नहीं की। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात के सवाल पर अब्बास ने कहा कि किसी नेता से मुलाकात को सीधे टिकट या राजनीतिक समझौते से जोड़ना उचित नहीं है। उन्होंने दावा किया कि जब वह वहां पहुंचे थे, उस समय भाजपा के कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे, लेकिन उन्होंने उनके नाम सार्वजनिक करने से इनकार कर दिया।

अब्बास बोले, राजनीति में कुछ भी संभव

सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर के साथ भविष्य के राजनीतिक रिश्तों को लेकर पूछे गए सवाल पर अब्बास ने कहा कि राजनीति में परिस्थितियां लगातार बदलती रहती हैं। उन्होंने यह भी सवाल किया कि क्या ओमप्रकाश राजभर भविष्य में इंडिया गठबंधन का हिस्सा नहीं हो सकते। हालांकि, बाद में उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके बयान को किसी राजनीतिक दल के लिए संकेत के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। अब्बास ने कहा कि चुनाव से पहले राजनीतिक समीकरण बदल सकते हैं और आचार संहिता लागू होने तक परिस्थितियां अलग हो सकती हैं।

लखनऊ के स्टार्टअप ने इमरजेंसी हेल्थकेयर में दिखाई नई राह

हिंदकेयर मेडटेक की पहल, तकनीक से तेज होगी आपात चिकित्सा

एजेंसी, लखनऊ



गंभीर बीमारी, सड़क दुर्घटना या किसी अन्य चिकित्सकीय आपात स्थिति में शुरुआती एक घंटा मरीज के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है। इस दौरान समय पर सूचना मिलना, एंबुलेंस की उपलब्धता, घटनास्थल से अस्पताल तक मरीज की जानकारी पहुंचना और अस्पताल में आवश्यक उपचार की तैयारी होना कई बार बेहद अहम साबित होता है। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए लखनऊ का हेल्थकेयर तकनीक स्टार्टअप हिंदकेयर मेडटेक आपात चिकित्सा सेवाओं को तकनीक से जोड़ने की दिशा में काम कर रहा है। स्टार्टअप का उद्देश्य मरीज, आपात प्रतिक्रिया दल, एंबुलेंस और अस्पताल के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है, ताकि आपात स्थिति में सूचना और उपचार के बीच होने वाली देरी को कम किया जा सके।

यूपी स्टार्टअप मिशन के सीईओ सुमित महाजन के अनुसार, प्रदेश सरकार स्टार्टअप और नवाचार के लिए संस्थागत व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दे रही है। उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति-2026 के तहत प्रदेश में नए उद्यमों को प्रोत्साहित करने, तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने और जिला स्तर तक उद्यमिता का विस्तार करने की योजना है। इसी व्यवस्था के तहत हिंदकेयर मेडटेक को लखनऊ स्थित एसजीपीजीआई के एसटीपीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में इनक्यूबेट किया गया है।

स्टार्टअप की प्रमुख पहल लाइफडैश स्मार्ट क्रैश-डिटेक्शन और इमरजेंसी अलर्ट प्लेटफॉर्म है। इसका उद्देश्य संभावित सड़क दुर्घटना की पहचान कर वास्तविक समय में आपात सूचना उपलब्ध कराना और घटनास्थल से संबंधित जानकारी को आपात प्रतिक्रिया दल, एंबुलेंस तथा अस्पताल तक पहुंचाने की व्यवस्था को बेहतर बनाना है। स्टार्टअप की परिकल्पना केवल दुर्घटना की पहचान तक सीमित नहीं है, बल्कि घटनास्थल से अस्पताल तक एक जुड़े हुए आपात प्रतिक्रिया तंत्र के निर्माण की है। इसके माध्यम से सही मरीज को सही समय पर आवश्यक जानकारी के साथ उपयुक्त अस्पताल तक पहुंचाने में मदद मिल सकती है।

हाल ही में गोरखपुर में आयोजित एक तकनीकी कार्यक्रम में स्टार्टअप के संस्थापक ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने भी अपनी तकनीक और कार्ययोजना प्रस्तुत की। टीम ने आपात स्वास्थ्य सेवाओं में तकनीक के इस्तेमाल तथा मरीज, एंबुलेंस और अस्पताल के बीच बेहतर संपर्क व्यवस्था की अपनी परिकल्पना साझा की। स्टार्टअप की टीम में डॉ. आयुष सिंह संस्थापक एवं निदेशक के रूप में चिकित्सकीय दृष्टिकोण और स्वास्थ्य सेवा रणनीति का नेतृत्व कर रहे हैं।

आगाज फुटवियर उद्योग का अंतरराष्ट्रीय मेला शुरू, 11 देशों के 250 से अधिक प्रदर्शक होंगे शामिल

'मीट एट आगरा 2026' से फुटवियर निर्यात को मिलेगी नई उड़ान

एजेंसी, आगरा



भारत फुटवियर उत्पादन में दूसरे स्थान पर।

आगरा में फुटवियर उद्योग का तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मेला 'मीट एट आगरा-2026' शनिवार से आगरा-मथुरा रोड स्थित सींगना के आगरा ट्रेड सेंटर में शुरू होगा। आगरा फुटवियर मैन्युफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्टर्स चैंबर (एफमेक) की ओर से आयोजित मेले के 18वें संस्करण में 11 देशों के 250 से अधिक प्रदर्शक हिस्सा ले रहे हैं। मेले में फुटवियर के साथ कंपोनेंट, मशीनरी, आधुनिक तकनीक और उत्पादन से जुड़ी नई प्रणालियों का प्रदर्शन किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार, तीन दिनों के दौरान करीब 20 से 25 हजार उद्योगपति, निर्यातक, कारोबारी और अन्य विजिटर्स के पहुंचने की संभावना है। मेले का उद्घाटन उत्तर प्रदेश स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज कुमार सिंह करेंगे। आयोजन पांच अक्टूबर तक चलेगा।

एफमेक अध्यक्ष गोपाल गुप्ता ने बताया कि इस बार चीन की आठ प्रमुख कंपनियां आधुनिक मशीनरी और तकनीक के साथ मेले में भाग ले रही हैं। इटली समेत अन्य देशों की कंपनियां भी अपने उत्पाद और तकनीक प्रदर्शित करेंगी। मेले का प्रमुख उद्देश्य आगरा के फुटवियर उद्योग को वैश्विक बाजार, नई तकनीक और आधुनिक उत्पादन प्रक्रियाओं से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि आगरा को 'फुटवियर कैपिटल' के रूप में पहचान मिलना और यहां के लेदर फुटवियर को जीआई टैग मिलना उद्योग के लिए महत्वपूर्ण अवसर हैं। विभिन्न देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों का लाभ उठाने के लिए स्थानीय निर्माताओं को गुणवत्ता, डिजाइन और उत्पादन तकनीक पर विशेष ध्यान देना होगा।

फेयर चेयरमैन माला खेड़ा ने बताया कि इस वर्ष मेले की थीम 'डिस्कवर, क्रिएट, कनेक्ट एंड ग्रो' रखी गई है। इसके माध्यम से छोटे, मझोले और मध्यम उद्योगों को वैश्विक बाजार की जरूरतों और नई तकनीक से परिचित कराने पर जोर दिया जा रहा है। एफमेक महासचिव प्रदीप वासन ने बताया कि चार अक्टूबर को फैक्ट्री मालिकों और एजेंटों के बीच संवाद के साथ सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। पांच अक्टूबर को प्रदर्शकों को सम्मानित किया जाएगा।

एफमेक संयोजक पूरन डाबर के अनुसार, 'वर्ल्ड फुटवियर ईयरबुक-2026' के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2025 में दुनियाभर में करीब 2,460 करोड़ जोड़ी फुटवियर का उत्पादन हुआ।

वैश्विक बाजार पर भारतीय निर्माताओं की नजर

इसमें भारत की हिस्सेदारी लगभग 300 करोड़ जोड़ी यानी 12.2 प्रतिशत रही। उत्पादन के लिहाज से भारत चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा फुटवियर उत्पादक है। देश में घरेलू फुटवियर खपत करीब 280 करोड़ जोड़ी रही। उन्होंने कहा कि फैशन, आरामदायक फुटवियर की बढ़ती मांग और खुदरा तथा ऑनलाइन कारोबार के विस्तार से उद्योग के सामने नए अवसर पैदा हुए हैं। इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए भारतीय निर्माताओं को गुणवत्ता, डिजाइन, आधुनिक तकनीक और वैश्विक बाजार की बदलती जरूरतों के अनुरूप उत्पादन पर ध्यान देना होगा।

कमीशन विवाद में डीलर के बेटे के अपहरण और हत्या की साजिश, पांच आरोपी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम



गुरुग्राम में प्रॉपर्टी डील के कमीशन को लेकर हुए विवाद में डीलर के बेटे के अपहरण और हत्या की कोशिश का मामला सामने आया है। अपराध शाखा सेक्टर-43 की टीम ने कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने युवक को निशाना बनाने के लिए उसकी गतिविधियों पर नजर रखी और उसकी कार में जीपीएस ट्रैकर लगा दिया था।

घटना 21 सितंबर को गैलेरिया मार्केट में हुई थी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी जीपीएस ट्रैकर की मदद से युवक की लोकेशन पर नजर रख रहे थे। मौका मिलते ही उन्होंने गैलेरिया मार्केट में युवक को घेरने और उसका अपहरण करने की कोशिश की। आरोप है कि इस दौरान युवक की हत्या करने की भी योजना थी। हालांकि, युवक की सजगता के कारण आरोपी अपने मंसूबे में सफल नहीं हो सके और मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए आरोपियों की पहचान की और उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार, वारदात की वजह एक प्रॉपर्टी डील से जुड़ा कमीशन विवाद था। आरोपियों का कहना था कि उन्हें डील में तय कमीशन नहीं मिला था। इसी विवाद के चलते युवक को निशाना बनाने की साजिश रची गई। मुख्य आरोपी ने कथित तौर पर युवक की कार में जीपीएस ट्रैकर लगाया था। इसके जरिए उसकी आवाजाही और लोकेशन की जानकारी जुटाई जा रही थी। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि ट्रैकर कब लगाया गया और आरोपियों ने कितने समय तक युवक की गतिविधियों पर नजर रखी।

पुलिस के अनुसार, 22 सितंबर को सुशांत लोक इलाके में भी मामले से जुड़े घटनाक्रम की जांच की गई। अपराध शाखा आरोपियों से पूछताछ कर रही है और वारदात में इस्तेमाल साधनों तथा उनके संपर्क में रहे अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

15.3 किलोमीटर मेट्रो लाइन के टेंडर को मिली मंजूरी

दूसरे चरण की परियोजना के लिए जल्द टेंडर जारी करेगा गुरुग्राम मेट्रो रेल कॉरपोरेशन

भारतेन्दु संवाददाता, पंचकूला



ओल्ड गुरुग्राम को मेट्रो की सौगात देने वाली परियोजना के दूसरे चरण की टेंडर प्रक्रिया को हरियाणा सरकार ने मंजूरी दे दी है। सरकार से अनुमति मिलने के बाद गुरुग्राम मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (जीएमआरएल) ने टेंडर प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है। उम्मीद है कि अगले दस दिनों के भीतर टेंडर से जुड़ी औपचारिकताएं पूरी कर टेंडर जारी कर दिया जाएगा। दूसरे चरण के तहत सेक्टर नौ से डीएलएफ साइबर सिटी तक करीब 15.3 किलोमीटर लंबी मेट्रो लाइन बिछाई जानी है।

परियोजना के इस चरण में कई प्रमुख इलाकों को मेट्रो नेटवर्क से जोड़ने की योजना है। इससे पुराने गुरुग्राम के उन क्षेत्रों को सार्वजनिक परिवहन की सुविधा मिलेगी, जहां वर्तमान में मेट्रो कनेक्टिविटी सीमित है। नए कॉरिडोर के बनने से यात्रियों को शहर के प्रमुख व्यावसायिक और आवासीय क्षेत्रों तक पहुंचने में सुविधा मिलने की उम्मीद है। दूसरे चरण की परियोजना पर करीब 1662 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। हालांकि, शुरुआती जानकारी में परियोजना की लागत करीब 1162 करोड़ रुपये बताई गई है। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद परियोजना की लागत और निर्माण से संबंधित अन्य विवरण स्पष्ट होंगे। जीएमआरएल की ओर से टेंडर जारी होने के बाद निर्माण एजेंसी के चयन की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो परियोजना को शहर के सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क के विस्तार की महत्वपूर्ण कड़ी माना जा रहा है। मेट्रो लाइन के विस्तार से सड़क यातायात पर दबाव कम करने और यात्रियों को तेज सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध कराने की योजना है। सेक्टर नौ से डीएलएफ साइबर सिटी तक प्रस्तावित कॉरिडोर के बीच कई स्टेशन बनाए जाने हैं, जिससे आसपास के इलाकों के लोगों को मेट्रो सुविधा का लाभ मिल सकेगा। सरकार की मंजूरी के बाद अब परियोजना के अगले चरण में टेंडर जारी करना, निर्माण एजेंसी का चयन और अन्य तकनीकी प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी।

पुराने गुरुग्राम में मेट्रो कनेक्टिविटी होगी बेहतर

टेंडर जारी होने के बाद निर्माण एजेंसी के चयन की प्रक्रिया शुरू होगी। इसके बाद परियोजना के निर्माण कार्य को आगे बढ़ाया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, नए कॉरिडोर से पुराने गुरुग्राम के कई क्षेत्रों में मेट्रो कनेक्टिविटी बेहतर होने की उम्मीद है। इससे यात्रियों को आवागमन के लिए सुविधाजनक सार्वजनिक परिवहन विकल्प उपलब्ध होगा और सड़क यातायात का दबाव कम करने में मदद मिलेगी।

पानीपत में बिहार जाने वाली तीन ट्रेनों का सात साल से ठहराव बंद, पूर्वांचल समाज का धरना जारी

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत



पानीपत जंक्शन पर बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश जाने वाली ट्रेनों के दोबारा ठहराव की मांग को लेकर पूर्वांचल समाज का धरना शनिवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। प्रदर्शनकारियों ने रेलवे जंक्शन के बाहर धरना देकर बंद किए गए ट्रेन ठहराव को बहाल करने की मांग उठाई। उनका कहना है कि पानीपत में बड़ी संख्या में बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश से जुड़े लोग रहते हैं। ऐसे में इन क्षेत्रों के लिए सीधी रेल सुविधा नहीं मिलने से यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

प्रदर्शनकारियों के अनुसार, कोरोना काल से पहले पानीपत जंक्शन पर बिहार जाने वाली तीन ट्रेनों का ठहराव होता था। कोरोना काल के बाद इन ट्रेनों का ठहराव बंद कर दिया गया। करीब सात साल बीतने के बाद भी पानीपत जंक्शन पर इन ट्रेनों का ठहराव दोबारा शुरू नहीं किया गया है। इससे यात्रियों को दूसरे स्टेशनों का रुख करना पड़ता है। पूर्वांचल समाज के सदस्यों ने कहा कि पानीपत औद्योगिक शहर होने के साथ-साथ यहां बड़ी संख्या में पूर्वांचल के लोग भी रहते हैं।

बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश जाने वाले यात्रियों की संख्या लगातार बनी रहती है। त्योहारों और अन्य अवसरों पर इन राज्यों की ओर जाने वाले यात्रियों की संख्या और बढ़ जाती है। ऐसे में पानीपत से ट्रेनों का ठहराव नहीं होने के कारण यात्रियों को पहले दूसरे रेलवे स्टेशनों तक पहुंचना पड़ता है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि पानीपत जंक्शन पर ट्रेनों का ठहराव होने से यात्रियों को काफी सुविधा मिलेगी। उन्हें अतिरिक्त सफर और समय की बचत होगी। साथ ही बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों के साथ यात्रा करने वाले लोगों को भी राहत मिलेगी। धरने पर बैठे लोगों ने रेलवे अधिकारियों और संबंधित विभाग से मांग की कि पानीपत जंक्शन पर कोरोना से पहले रुकने वाली तीनों ट्रेनों का ठहराव जल्द बहाल किया जाए।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जब तक उनकी मांग पर उचित कार्रवाई नहीं होती, तब तक वे अपनी आवाज उठाते रहेंगे। पूर्वांचल समाज के धरने के दूसरे दिन भी बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। उन्होंने रेलवे से यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जल्द निर्णय लेने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पानीपत जैसे प्रमुख रेलवे जंक्शन पर बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश की ओर जाने वाली ट्रेनों का ठहराव यात्रियों की जरूरत है।

करनाल में बर्थडे पार्टी के दौरान युवक की चाकू मारकर हत्या

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत। हरियाणा के करनाल में जन्मदिन पर युवक कृष की चाकू मारकर हत्या का मामला सामने आया है। युवक रात परिवार से पैसे लेकर दोस्तों के साथ पार्टी करने निकला था। परिजनों ने उसे घर पर ही जन्मदिन मनाने के लिए कहा था, लेकिन वह दोस्तों के साथ चला गया। देर रात उसकी हत्या की सूचना परिवार को मिली। आरोप है कि साथ गए दोस्तों ने घटना को हादसा बताकर मामले को छिपाने की कोशिश की और घायल युवक को छोड़कर भाग गए। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है। मृतक की मां ने आरोपितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। पुलिस मामले की जांच कर रही है और पार्टी में साथ मौजूद दोस्तों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाकर जांच शुरू कर दी है। पार्टी में मृतक के साथ मौजूद दोस्तों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई और घटना में कौन-कौन लोग शामिल थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। परिवार ने आरोपितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

हिसार एसटीएफ ने दबोचा पांच लाख का इनामी मोस्ट वांटेड

अबोहर में शोरूम संचालक की हत्या के मामले में था वांछित

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार



हरियाणा पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पांच लाख रुपये के इनामी मोस्ट वांटेड आरोपी को गिरफ्तार किया है। हिसार एसटीएफ की टीम ने विशेष सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को रात हिसार के राजगढ़ रोड स्थित बाईपास फ्लाईओवर के पास से काबू किया। आरोपी पंजाब के अबोहर में शोरूम संचालक की हत्या के मामले में वांछित था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पंजाब पुलिस ने पांच लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।

गिरफ्तार आरोपी पंजाब के राजीव नगर का रहने वाला बताया गया है। तलाशी के दौरान एसटीएफ टीम ने उसके कब्जे से 32 बोर की एक अवैध पिस्तोल और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए। बरामद हथियार और कारतूस के संबंध में थाना आजाद नगर में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार आरोपी अबोहर के न्यू वेयरवेल शोरूम के संचालक संजय वर्मा की हत्या के मामले में भी वांछित था।

आरोप है कि आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर शोरूम के बाहर संजय वर्मा की हत्या की थी। इस मामले में थाना सिटी-1, अबोहर में सात जुलाई 2025 को हत्या सहित विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया था। एसटीएफ अब आरोपी से पूछताछ कर उसके अन्य आपराधिक मामलों और गतिविधियों के बारे में जानकारी जुटा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि हत्या और अन्य वारदातों में उसके साथ कौन-कौन लोग शामिल रहे हैं।

इसके अलावा आरोपी के संभावित आपराधिक नेटवर्क और सहयोगियों के बारे में भी जानकारी एकत्र की जा रही है। हरियाणा के पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने कहा कि पुलिस संगठित अपराध, गंभीर मामलों में वांछित आरोपियों और फरार अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है।

◆ राजगढ़ रोड पर गिरफ्तारी, अवैध पिस्तोल और कारतूस बरामद

मेडिकल कॉलेज के हेल्पर-लिफ्टमैन को बनाया कबड्डी कोच, 8.37 लाख का भुगतान

भारतेन्दु संवाददाता, रेवाड़ी

◆ कबड्डी नर्सरी में फर्जी कोच दिखाकर 8.37 लाख रुपए का भुगतान

◆ नर्सरी फर्जीवाड़े में रेवाड़ी डीएसओ समेत पांच पर मामला दर्ज

नूंह जिला खेल विभाग में कबड्डी खेल नर्सरी के नाम पर सरकारी राशि के कथित दुरुपयोग का मामला सामने आया है। पुलिस ने विभागीय शिकायत और सत्यापन रिपोर्ट के आधार पर इस मामले में पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। इनमें जिला खेल अधिकारी नूंह मनोज शर्मा, कार्यकारी जिला खेल अधिकारी एवं वर्तमान में रेवाड़ी के जिला खेल अधिकारी मनोज कुमार, उप अधीक्षक राममेहर तथा दो आउटसोर्स कर्मचारी मोहम्मद असफाक और साजिद खान शामिल हैं।

आरोप है कि विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने आपसी मिलीभगत से ऐसे लोगों को कबड्डी नर्सरी में कोच के तौर पर दर्शाया, जो पहले से दूसरे सरकारी विभागों में नौकरी कर रहे थे। इनमें मेडिकल कॉलेज में हेल्पर और लिफ्टमैन के पद पर कार्यरत कर्मचारियों को भी कबड्डी कोच के रूप में दिखाए जाने की बात सामने आई है। आरोपों के अनुसार, इन लोगों को नर्सरी में कोच दर्शाकर सरकारी खजाने से उनके नाम पर वेतन का भुगतान कराया गया। इस तरह करीब 8.37 लाख रुपये की सरकारी राशि का भुगतान किए जाने की बात जांच में सामने आई है। विभागीय स्तर पर मामले की शिकायत मिलने के बाद रिकॉर्ड और संबंधित दस्तावेजों का सत्यापन कराया गया। सत्यापन रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस अब नर्सरी से जुड़े रिकॉर्ड, कोच के रूप में दर्ज किए गए लोगों की जानकारी, भुगतान संबंधी दस्तावेज और विभागीय प्रक्रिया की जांच कर रही है। जांच के दौरान यह भी पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि नर्सरी में कोच नियुक्त करने और भुगतान की प्रक्रिया में किन अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका रही। पुलिस का कहना है कि दस्तावेजों की जांच और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले में आरोपों की जांच जारी है। मामले में पुलिस नर्सरी रिकॉर्ड, भुगतान दस्तावेज और कोच के रूप में दर्ज कर्मचारियों की भूमिका की जांच कर रही है।

विदेश से भेजे गए 50 हजार रुपए शूटरों तक पहुंचाने का आरोप, गर्विश नंदा ने भेजी थी रकम

यमुनानगर हरभजन हत्याकांड में मां-बेटा गिरफ्तार, शूटर फरार

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर



मॉडल टाउन स्थित जैक फिटनेस जिम के बाहर तीन सितंबर को 62 वर्षीय ट्रांसपोर्टर हरभजन सिंह की हत्या के मामले में पुलिस ने दो और आरोपितों को गिरफ्तार किया है। सीआइए-टू की टीम ने करतारपुरा निवासी रूशील नंदा और उसकी मां सुनीता देवी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, दोनों पर हत्या की साजिश से जुड़े लोगों तक रकम पहुंचाने का आरोप है। पुलिस जांच में सामने आया है कि हरभजन सिंह की हत्या के लिए शूटरों तक 50 हजार रुपये पहुंचाए गए थे।

यह रकम विदेश से भेजे जाने की बात सामने आई है। पुलिस के मुताबिक गर्विश नंदा ने यह रकम भेजी थी। गर्विश नंदा को गैंगस्टर नोनी राणा का दोस्त बताया जा रहा है। पुलिस अब इस पूरे लेनदेन और हत्या की साजिश में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। हरभजन सिंह की तीन सितंबर को जैक फिटनेस जिम के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वह प्रेमनगर के रहने वाले थे और ट्रांसपोर्ट का काम करते थे। वारदात के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की थी। सीआइए-टू की टीम ने जांच के दौरान हत्या से जुड़े लोगों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए कई स्तर पर कार्रवाई की।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए रूशील नंदा और उसकी मां सुनीता देवी से पूछताछ की जा रही है। पूछताछ के दौरान हत्या के लिए रकम की व्यवस्था और उसे आगे पहुंचाने से संबंधित जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि विदेश से रकम किस माध्यम से भेजी गई और इसका इस्तेमाल किस तरह किया गया। मामले में वारदात को अंजाम देने वाले शूटर अभी फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश में जुटी हुई है।

◆ हरभजन हत्याकांड की जांच में विदेशी फंडिंग का कनेक्शन आया सामने

न्यूज ब्रीफ

दूध के दाम बढ़ाने की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे किसान

भारतेन्दु संवाददाता, सिरसा। हरियाणा में दूध के रेट बढ़ाने की मांग को लेकर किसानों और पशुपालकों का 'दूध बंद' आंदोलन तीसरे दिन भी जारी है। सिरसा स्थित वीटा प्लांट के बाहर किसानों ने धरना शुरू कर दिया और दूध की सप्लाई लेकर आने-जाने वाले वाहनों को गेट पर रोक दिया। आंदोलनकारियों ने कहा कि दूध के उचित दाम मिलने तक विरोध जारी रहेगा। इस दौरान करीब 1000 लीटर दूध को गुरुघरों और मंदिरों में भेजा गया। ग्रामीण भी मौके पर पहुंचे और डिब्बों में दूध भरकर ले गए। किसानों का कहना है कि मौजूदा रेट में पशुओं के चारे और रखरखाव का खर्च निकालना मुश्किल हो रहा है। इसी वजह से दूध के दाम बढ़ाने की मांग को लेकर आंदोलन शुरू किया गया है। सिरसा वीटा प्लांट पर प्रदर्शन के चलते दूध सप्लाई व्यवस्था प्रभावित होने की स्थिति बनी हुई है।

गुरुग्राम में जमीन कब्जाने पहुंचे 40 लोगों ने परिवार पर किया हमला

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम। गुरुग्राम जिले के फर्रुखनगर थाना क्षेत्र के पातली गांव में सात कनाल जमीन पर कब्जे को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। आरोप है कि करीब 30 से 40 लोग विवादित जमीन पर कब्जा करने पहुंचे और खेत में मौजूद परिवार पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच जमकर ईंट-पत्थर चले। हमलावरों ने वहां खड़ी गाड़ियों को भी निशाना बनाया और उनके शीशे तोड़ दिए। घटना के बाद मौके पर तनाव का माहौल बन गया। पीड़ित पक्ष ने आरोप लगाया कि जमीन पर जबरन कब्जा करने की कोशिश के दौरान परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट की गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस घटना से जुड़े लोगों की पहचान और विवादित जमीन से संबंधित दस्तावेजों की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि शिकायत के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली और घटना से जुड़े लोगों की पहचान शुरू की। शिकायत के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी।

कलायत के ब्लू स्टार होटल में पुलिस की रेड, पांच लोग हिरासत में

भारतेन्दु संवाददाता, कैथल। जिले के कलायत कस्बे स्थित ब्लू स्टार होटल में देह व्यापार करवाने के आरोप में पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी कैथल, जींद सहित अन्य स्थानों से युवतियों को बुलाकर होटल में अनैतिक गतिविधियां करवाते थे। इसके बदले ग्राहकों से रुपये लिए जाते थे। सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने होटल में छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान मौके से तीन युवतियों और दो ग्राहकों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने सभी से पूछताछ शुरू कर दी है। मामले में आरोपियों की भूमिका और होटल में चल रही गतिविधियों से जुड़े अन्य लोगों की भी जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि युवतियों को किन स्थानों से बुलाया जाता था और इस गतिविधि में कौन-कौन लोग शामिल थे। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच आगे बढ़ा दी है।

नारनौल में पेयजल संकट से परेशान महिलाओं ने किया प्रदर्शन

भारतेन्दु संवाददाता, नारनौल। शहर के कई मोहल्लों में पिछले 8-10 दिनों से पर्याप्त पानी की सप्लाई नहीं होने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शनिवार को बड़ी संख्या में महिलाओं ने पानी की समस्या को लेकर प्रदर्शन कर जल्द समाधान की मांग की। स्थानीय लोगों के अनुसार पानी की टंकी के पास और ऊपरी हिस्से में सप्लाई पहुंच रही है, लेकिन गुरुद्वारा और बड़का कुआं लाइन में पानी नहीं आ रहा। इससे लोगों को दूसरे स्थानों से पानी लाना पड़ रहा है। महिलाओं ने बताया कि कर्मचारी बार-बार मोटर खराब होने की बात कहते हैं। नई मोटर लगाने के बाद भी कुछ दिनों में समस्या दोबारा सामने आ जाती है। महिलाओं ने कहा कि जल्द स्थायी समाधान नहीं हुआ तो बड़े प्रदर्शन किया जाएगा। महिलाओं ने अधिकारियों से समस्या का तत्काल समाधान करने की मांग की। महिलाओं ने कहा कि पानी की कमी के कारण रोजमर्रा के काम प्रभावित हो रहे हैं और लोगों को काफी दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं।

माता-पिता के सामने 35 फीट नीचे गिरा पांच साल का मासूम

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम



गुरुग्राम के खोह गांव में शुक्रवार शाम दर्दनाक हादसे में पांच वर्षीय बच्चे आरव यादव की मौत हो गई। बच्चा अपने माता-पिता के साथ दूसरी मंजिल की छत पर गया था। इसी दौरान वह करीब 35 फीट नीचे जा गिरा। हादसा माता-पिता की आंखों के सामने हुआ। घटना के बाद परिवार में मातम पसर गया।

जानकारी के अनुसार, आरव अपने परिवार के साथ खोह गांव में किराये के मकान के ग्राउंड फ्लोर पर रहता था। शुक्रवार शाम वह माता-पिता के साथ खेलने के लिए दूसरी मंजिल की छत पर गया था। परिवार के लोग छत पर मौजूद थे। इसी दौरान बच्चा अचानक छत से नीचे गिर गया। ऊंचाई से गिरने के कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा होते ही परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। बच्चे को तत्काल अस्पताल ले जाने का प्रयास किया गया, लेकिन उसकी हालत गंभीर थी। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी जुटाई। परिवार के लिए यह हादसा बेहद दुखद है। बताया गया कि आरव परिवार का इकलौता बेटा था। उसकी मौत से माता-पिता और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

अचानक हुए इस हादसे ने पूरे गांव को भी गमगीन कर दिया। पुलिस ने घटना से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटाई है। प्रारंभिक तौर पर मामला छत से गिरने का बताया जा रहा है। पुलिस हादसे की परिस्थितियों की जांच कर रही है। घटना के बाद आसपास के लोगों ने परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की और बच्चे की मौत पर दुख जताया।

गौरव महिला टीम गोल्फ में भारत को एशियाई खेलों का पहला पदक, परिवार ने हर कदम पर दिया साथ

एशियाई खेलों में झज्जर की दीक्षा ने रचा इतिहास, गोल्फ में जीता रजत पदक

भारतेन्दु संवाददाता, झज्जर



जापान के आइची-नागोया में आयोजित एशियाई खेल 2026 में झज्जर के गांव छप्पार की बेटी दीक्षा डागर ने शानदार उपलब्धि हासिल की है। दीक्षा ने महिला टीम गोल्फ स्पर्धा में रजत पदक जीतकर न केवल अपने गांव और जिले का नाम रोशन किया, बल्कि भारतीय गोल्फ के इतिहास में भी नया अध्याय जोड़ा। महिला टीम गोल्फ में यह भारत का एशियाई खेलों में पहला पदक बताया जा रहा है।

दीक्षा की इस उपलब्धि से झज्जर जिले में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों और खेल प्रेमियों ने उनकी सफलता पर गर्व जताया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिली इस कामयाबी ने एक बार फिर साबित किया कि छोटे शहरों और गांवों से निकलने वाली प्रतिभाएं भी बड़े मंच पर देश का मान बढ़ा सकती हैं। दीक्षा ने कठिन परिस्थितियों और चुनौतियों के बीच अपने खेल पर लगातार ध्यान केंद्रित रखा। उनकी सफलता के पीछे परिवार का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पिता के मार्गदर्शन और मां के सहयोग ने उन्हें अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। परिवार ने दीक्षा के खेल करियर के दौरान उनका हौसला बढ़ाया और हर चुनौती में साथ खड़ा रहा। दीक्षा के पिता कर्नल हैं। सैन्य पृष्ठभूमि वाले परिवार में अनुशासन और मेहनत का माहौल रहा, जिसका प्रभाव दीक्षा के खेल जीवन पर भी पड़ा।

उन्होंने निरंतर अभ्यास और दृढ़ संकल्प के साथ अपनी प्रतिभा को निखारा। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अनुभव हासिल करने के बाद एशियाई खेलों जैसे बड़े मंच पर उन्होंने अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। महिला टीम गोल्फ स्पर्धा में भारत की ओर से उतरी खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान बेहतर प्रदर्शन किया। टीम के प्रदर्शन में दीक्षा की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। आखिरकार भारतीय टीम ने रजत पदक अपने नाम किया। पदक जीतने के बाद दीक्षा और उनके परिवार को देशभर से बधाइयां मिलने लगीं।

झज्जर के छप्पार गांव के लोगों के लिए यह उपलब्धि खास है। ग्रामीणों का कहना है कि दीक्षा ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर गांव का नाम रोशन किया है और युवाओं के लिए प्रेरणा का काम किया है। उनकी सफलता से क्षेत्र के अन्य खिलाड़ियों में भी आगे बढ़ने और खेल के क्षेत्र में करियर बनाने का उत्साह बढ़ेगा। दीक्षा डागर की यह उपलब्धि केवल एक पदक तक सीमित नहीं है। महिला टीम गोल्फ में भारत को एशियाई खेलों का पहला पदक दिलाने वाली इस सफलता ने भारतीय खेल जगत में उनकी पहचान को और मजबूत किया है।

दिल्ली में सीईसी के खिलाफ प्रदर्शन, कई प्रदर्शनकारी हिरासत में

जंतर-मंतर पहुंचने की कोशिश नाकाम, पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोका

एजेंसी, नई दिल्ली

नई दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर शनिवार को लगातार दूसरे दिन प्रदर्शन की कोशिश की गई। जंतर-मंतर पर जुटने की कोशिश कर रहे प्रदर्शनकारियों को पुलिस और सुरक्षा बलों ने आगे बढ़ने से रोक दिया। इस दौरान कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। प्रदर्शन में वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और प्रशांत भूषण के अलावा योगेंद्र यादव, अविक साहा समेत कई अन्य वकील और सामाजिक कार्यकर्ता भी शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग उठाई गई।

यह विरोध मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर उठाई जा रही आपत्तियों के बीच हो रहा है। हालांकि, एसआईआर में कथित अनियमितताओं से जुड़े आरोपों को प्रदर्शनकारियों और आयोजकों के दावों के रूप में ही देखा जा रहा है; ये अपने आप में अनियमितता का निर्णायक प्रमाण नहीं हैं। शुक्रवार को भी दिल्ली में इसी मुद्दे पर बड़ा प्रदर्शन हुआ था। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को जंतर-मंतर तक पहुंचने से रोकने के लिए बैरिकेडिंग और सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई थी। रिपोर्टों के अनुसार, शुक्रवार को सैकड़ों लोगों को हिरासत में लिया गया था।

शनिवार को भी जंतर-मंतर और आसपास के इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी गई। प्रदर्शन के चलते मध्य दिल्ली के कुछ हिस्सों में आम लोगों को भी आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को निर्धारित क्षेत्र तक पहुंचने से रोकने के लिए कई स्थानों पर निगरानी



और सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई। इस बीच, दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार के प्रदर्शन के संबंध में शनिवार को तीन प्राथमिकी दर्ज कीं। इनमें दो मामले संसद मार्ग थाने और एक मामला कनॉट प्लेस थाने में दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक, मामलों में भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत सरकारी आदेश की कथित अवहेलना से संबंधित प्रावधान लगाए गए हैं।

पुलिस ने बताया कि प्राथमिकी में किसी व्यक्ति या संगठन को आरोपी के रूप में नामित नहीं किया गया है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच प्रदर्शनकारी अपनी मांग पर कायम हैं, जबकि पुलिस ने बिना अनुमति या निर्धारित व्यवस्था के जंतर-मंतर की ओर बढ़ने की कोशिशों को रोकने की कार्रवाई की है।

दिल्ली में 17.55 किलोमीटर सड़क होगी चौड़ी, जाम से मिलेगी राहत

एजेंसी ,नई दिल्ली

उत्तरी दिल्ली में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और लोगों को जाम से राहत दिलाने के लिए लोक निर्माण विभाग यानी पीडब्ल्यूडी ने बड़ा कदम उठाया है। विभाग बादली-बवाना और बवाना-औचंदी सड़क को चौड़ा करने के साथ इसे बेहतर बनाने की तैयारी कर रहा है। करीब 17.55 किलोमीटर लंबे इस सड़क मार्ग के सुधार पर 26.59 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। पीडब्ल्यूडी ने परियोजना के लिए टेंडर जारी कर दिया है।

सड़क चौड़ीकरण और सुधार का काम करीब छह महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। यह मार्ग दिल्ली के कई महत्वपूर्ण इलाकों को जोड़ता है। इसमें दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, शाहबाद दौलतपुर, बवाना, पूठ खुर्द, बरवाला और औचंदी क्षेत्र शामिल



26 करोड़ से सड़क सुधरेगी, जाम होगा कम

हैं। सड़क के चौड़ीकरण और सुधार के बाद इस मार्ग पर यातायात सुगम होने की उम्मीद है। इससे बवाना औद्योगिक क्षेत्र, रोहिणी और नरेला की ओर आने-जाने वाले लोगों को विशेष रूप से राहत मिल सकती है।

औचंदी सीमा से जुड़े होने के कारण दिल्ली और हरियाणा के सीमावर्ती क्षेत्रों के बीच आवागमन करने वाले लोगों को भी इसका लाभ मिलने की उम्मीद है। पीडब्ल्यूडी ने डीटीयू के मुख्य द्वार से लेकर औचंदी सीमा तक सड़क का सर्वे भी पूरा कर लिया है। विभाग सड़क की मौजूदा स्थिति का तकनीकी आकलन करने के लिए विस्तृत नेटवर्क सर्वे कराएगा। इसके लिए विशेष नेटवर्क सर्वे वाहन का इस्तेमाल किया जाएगा। सर्वे के दौरान सड़क की सतह, चौड़ाई, ढलान, दरारों, गड्ढों, किनारों की टूट-फूट और सड़क की ऊबड़-खाबड़ स्थिति समेत कई पहलुओं की जानकारी जुटाई जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

मेरठ में 51 करोड़ से बनेगी फोरलेन सड़क, जाम से मिलेगी राहत



एजेंसी ,नई दिल्ली मेरठ में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और लोगों को जाम से राहत दिलाने के लिए सीएम ग्रिड योजना के तहत एक और सड़क परियोजना को मंजूरी मिल गई है। जेलचुंगी चौराहे से तेजगढ़ी चौराहे तक करीब 51 करोड़ रुपये की लागत से नई फोरलेन सड़क का निर्माण कराया जाएगा। नगर निगम की ओर से इस सड़क का प्रस्ताव शासन को भेजा गया था, जिसे अब मंजूरी मिल गई है। परियोजना के तहत सड़क को आधुनिक सुविधाओं के साथ विकसित करने की योजना है। नई फोरलेन सड़क बनने से इस मार्ग पर यातायात का दबाव कम होने और वाहनों की आवाजाही सुगम होने की उम्मीद है। जेलचुंगी और तेजगढ़ी शहर के प्रमुख इलाकों में शामिल हैं, जहां व्यस्त समय में यातायात का दबाव बढ़ जाता है। सड़क निर्माण पूरा होने के बाद वाहन चालकों को आवागमन में सुविधा मिलने की उम्मीद है। नगर निगम और संबंधित विभाग अब परियोजना को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया में जुटेंगे। अधिकारियों के अनुसार, निर्माण कार्य शुरू होने के बाद निर्धारित योजना के तहत सड़क को विकसित किया जाएगा।

आगरा में बोले पंकज चौधरी, दोनों सीटों पर जीत के लिए जुटें कार्यकर्ता



एजेंसी, नई दिल्ली । आगरा में विधान परिषद के स्नातक और शिक्षक खंड के चुनाव को लेकर आयोजित नामांकन जनसभा में भाजपा उत्तर प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के 2027 में सरकार बनाने के दावे पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति 'मुंगेरीलाल के हसीन सपने' देख सकता है। होटल रमाना ग्रैंड में आयोजित कार्यक्रम में पंकज चौधरी ने कहा कि विधान परिषद का यह चुनाव भले ही छोटा दिखाई देता हो, लेकिन इसके राजनीतिक मायने महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से दोनों सीटों पर पार्टी के उम्मीदवारों की जीत के लिए पूरी ताकत से जुटने का आह्वान किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से मतदाताओं के घर-घर जाकर संपर्क करने और पार्टी के पक्ष में समर्थन जुटाने की अपील की। उन्होंने संगठन को मजबूत करने और चुनावी तैयारियों में सक्रिय भूमिका निभाने पर जोर दिया। अखिलेश यादव 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर लगातार अपनी पार्टी की तैयारियों को आगे बढ़ा रहे हैं और सत्ता में वापसी का दावा कर चुके हैं। वहीं, पंकज चौधरी ने भाजपा कार्यकर्ताओं को आगामी चुनावी गतिविधियों के लिए तैयार रहने का संदेश दिया। उन्होंने संगठन की मजबूती और जमीनी स्तर पर मतदाताओं से संपर्क को महत्वपूर्ण बताया। इस दौरान पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने आगामी चुनाव को लेकर रणनीति पर भी चर्चा की।

प्रयागराज में 400 करोड़ से बनेगा 500 बेड का अस्पताल



एजेंसी, नई दिल्ली । प्रयागराज के लोगों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़ी बड़ी खबर है। गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए नैनी के जहांगीराबाद में 500 बेड का मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल बनाया जाएगा। इस परियोजना के निर्माण पर करीब 400 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। अस्पताल का भूमि पूजन नवरात्र के दौरान किए जाने की तैयारी है। इसके बाद निर्माण कार्य दीपावली से पहले शुरू होने की उम्मीद है। प्रस्तावित अस्पताल को आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से लैस किया जाएगा, जिससे गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। परियोजना के अनुसार अस्पताल का निर्माण कार्य करीब 24 महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। अस्पताल शुरू होने के बाद प्रयागराज और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को कई गंभीर रोगों के इलाज के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होने की उम्मीद है। 500 बेड की क्षमता वाले इस अस्पताल से क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार होगा। आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होने से मरीजों को इलाज के लिए दूसरे बड़े शहरों का रुख करने की जरूरत कम हो सकती है। प्रशासन की ओर से निर्माण और अन्य तैयारियों को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया की जा रही है।

प्रयागराज में अब चार रंगों के डस्टबिन से होगा कूड़ा संग्रह

एजेंसी ,नई दिल्ली

संगम नगरी प्रयागराज को स्वच्छ और आदर्श शहर बनाने के लिए घर-घर कूड़ा संग्रह की व्यवस्था में बदलाव की तैयारी की जा रही है। अब तक घरों से कचरा एकत्र करने के लिए दो रंगों के डस्टबिन का इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन नई व्यवस्था के तहत चार अलग-अलग रंगों के डस्टबिन रखने की योजना बनाई जा रही है। इसका उद्देश्य घरों से निकलने वाले कचरे को अलग-अलग श्रेणियों में बांटकर उसके बेहतर निस्तारण और पुनर्चक्रण की व्यवस्था करना है।

नई व्यवस्था लागू होने के बाद गीले, सूखे और अन्य प्रकार के कचरे को अलग-अलग रखना आसान होगा। इससे कचरे के पृथक्करण की प्रक्रिया अधिक प्रभावी हो सकेगी और नगर निगम को इसके निस्तारण में भी सुविधा



मिलेगी। अलग-अलग श्रेणी में कचरा मिलने से उपयोगी सामग्री को पुनर्चक्रण के लिए भेजने में भी मदद मिलेगी। प्रशासन का मानना है कि कचरे को स्रोत स्तर पर ही अलग करने से शहर की सफाई व्यवस्था को मजबूत किया जा सकता है। इसके लिए डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रह करने वाली व्यवस्था में भी आवश्यक बदलाव किए जाएंगे। नई व्यवस्था को अंतिम रूप देने से पहले नागरिकों और पार्षदों से सुझाव लिए जाएंगे।

पति की हत्या और सांप छोड़ने का आरोप, 7 अक्टूबर को आएगा फैसला

एजेंसी, नई दिल्ली।

बहसूमा के अकबरपुर सादात में हुए अमित कश्यप हत्याकांड में अदालत 7 अक्टूबर को अपना फैसला सुनाएगी। इस मामले में अमित की पत्नी रविता और उसके कथित प्रेमी अमरदीप पर मिलकर अमित की हत्या करने और वारदात को हादसा दिखाने की कोशिश करने का आरोप है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, रविता और अमरदीप ने अमित की गला दबाकर हत्या की। इसके बाद हत्या को सांप के काटने से हुई मौत का रूप देने के लिए अमित के ऊपर सांप छोड़ दिया गया। मामले की जांच के दौरान पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के वास्तविक कारण को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई, जिसके बाद पुलिस ने हत्या की दिशा में जांच आगे बढ़ाई। इस मामले की सुनवाई अपर जिला जज कोर्ट संख्या 12, जयवीर सिंह की अदालत में हुई।

गौर सिटी के बेसमेंट से साढ़े 4 लाख की बाइक चोरी, सीसीटीवी में कैद वारदात

एजेंसी ,नई दिल्ली

ग्रेटर नोएडा की गौर सिटी सोसायटी में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। बिसरख कोतवाली क्षेत्र स्थित गौर सिटी के सातवें एवेन्यू में सी-टावर के बेसमेंट से करीब साढ़े चार लाख रुपये कीमत की बाइक चोरी हो गई। चोरी की पूरी वारदात सोसायटी में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। घटना के बाद से सोसायटी के निवासियों में नाराजगी है। जानकारी के अनुसार, बाइक सी-टावर के बेसमेंट में खड़ी थी। चोर मौका देखकर वहां पहुंचे और बाइक लेकर फरार हो गए।

सीसीटीवी फुटेज में चोरी से जुड़ी गतिविधियां रिकॉर्ड हुई हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की और मामले की जांच शुरू की गई। बताया जा रहा है कि घटना को तीन



दिन बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक पुलिस चोरों तक नहीं पहुंच सकी है। इससे सोसायटी के लोगों में असंतोष बढ़ रहा है।

निवासियों का कहना है कि सोसायटी में सुरक्षा के नाम पर बड़ी रकम खर्च की जाती है और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लगातार दावे किए जाते हैं, लेकिन इसके बावजूद चोरी की घटनाएं रुक नहीं रही हैं। स्थानीय निवासियों के अनुसार, गौर सिटी के सातवें एवेन्यू में पहले भी चोरी की घटनाएं सामने आती रही हैं। ऐसे में ताजा बाइक चोरी ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उनकी चिंता और बढ़ा दी है। लोगों का सवाल है कि जब सोसायटी के बेसमेंट जैसे स्थानों पर भी वाहन सुरक्षित नहीं हैं और पूरी घटना कैमरे में रिकॉर्ड होने के बावजूद कार्रवाई में देरी हो रही है, तो सुरक्षा व्यवस्था कितनी प्रभावी है। निवासियों ने सोसायटी प्रबंधन से सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने की मांग की है।

केंद्रीय और रेलवे कर्मचारियों के लिए बड़ा अपडेट, एनपीएस में छह विकल्प

एजेंसी ,नई दिल्ली

केंद्र सरकार और रेलवे कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली यानी एनपीएस तथा एकीकृत पेंशन योजना यानी यूपीएस से जुड़ी महत्वपूर्ण खबर सामने आई है। अब कर्मचारियों को अपने पेंशन फंड के निवेश के लिए पहले की तुलना में अधिक विकल्प मिलेंगे। पेंशन फंड नियामक एवं विकास प्राधिकरण यानी पीएफआरडीए की ओर से किए गए बदलावों को रेलवे बोर्ड ने लागू कर दिया है। इसके बाद कर्मचारियों के लिए पेंशन राशि के निवेश से जुड़े विकल्प चार से बढ़ाकर छह कर दिए गए हैं। नई व्यवस्था का उद्देश्य कर्मचारियों को अपने पेंशन निवेश को लेकर अधिक विकल्प और लचीलापन उपलब्ध कराना है।

अब कर्मचारी अपनी पसंद और निवेश संबंधी जरूरतों के अनुसार उपलब्ध विकल्पों में से चुनाव कर सकेंगे। इससे उन्हें अपने पेंशन फंड के निवेश को अलग-



अलग विकल्पों के माध्यम से व्यवस्थित करने का अवसर मिलेगा। राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के तहत कर्मचारियों की ओर से जमा की गई राशि का निवेश निर्धारित निवेश विकल्पों के माध्यम से किया जाता है। पहले कर्मचारियों के पास निवेश के लिए चार विकल्प उपलब्ध थे। पीएफआरडीए के नए नियमों के बाद अब इनकी संख्या बढ़ाकर छह कर दी गई है। रेलवे बोर्ड ने इन नए प्रावधानों को अपने कर्मचारियों के लिए लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस बदलाव का असर उन केंद्रीय और रेलवे कर्मचारियों पर पड़ेगा जो एनपीएस या यूपीएस के अंतर्गत आते हैं।

कर्मचारियों को अब निवेश का विकल्प चुनते समय अपनी वित्तीय जरूरत, जोखिम लेने की क्षमता और भविष्य की पेंशन जरूरतों को ध्यान में रखना होगा। हालांकि, अलग-अलग निवेश विकल्पों से मिलने वाला रिटर्न बाजार की परिस्थितियों और संबंधित निवेश व्यवस्था पर निर्भर कर सकता है।

दिल्ली के अनोखे चुनाव में 'गोला' की जीत, निधन के बाद भी मिले हजारों वोट

एजेंसी ,नई दिल्ली

दिल्ली में इन दिनों एक अनोखे चुनाव की खूब चर्चा रही। यह चुनाव नेताओं के बीच नहीं, बल्कि राजधानी की सड़कों पर रहने वाले 64 गोल-मटोल और भारी-भरकम कुत्तों के बीच हुआ। करीब दो सप्ताह तक चली इस मजेदार प्रतियोगिता में लोगों ने ऑनलाइन और ऑफलाइन मतदान के जरिए अपने पसंदीदा कुत्ते को वोट दिया। शुक्रवार शाम घोषित नतीजों में हौज खास के एसडीए मार्केट की चहेती सामुदायिक कुतिया 'गोला' ने बाजी मार ली।

गोला को कुल 94 हजार से अधिक वोटों में से 66,952 वोट मिले। उसे करीब 71.2 प्रतिशत मत प्राप्त हुए। वहीं, साकेत के 'गूगू' को 39,904 वोट मिले और वह दूसरे स्थान पर रहा। गोला ने गूगू समेत 62 अन्य प्रतियोगियों को पीछे छोड़कर दिल्ली के सबसे 'चंकी डॉग' का खिताब अपने नाम किया। इस चुनाव की सबसे भावुक बात यह रही कि प्रतियोगिता के दौरान



मौत के बाद भी गोला बनी विजेता

ही गोला की अचानक मौत हो गई थी। इसके बावजूद दिल्ली के डॉग लवर्स ने उसे भारी संख्या में वोट देकर अपना प्यार और सम्मान जताया। गोला एसडीए मार्केट में रहने वाला जाना-पहचाना सामुदायिक कुत्ता था और स्थानीय लोगों के बीच काफी लोकप्रिय था। प्रतियोगिता में मतदान के लिए लोगों को ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों सुविधाएं दी गई थीं। ऑनलाइन वोटिंग प्रतियोगिता के इंस्टाग्राम पेज के माध्यम से हुई, जबकि राजधानी में चार स्थानों पर मतदान केंद्र भी बनाए गए थे।

इन केंद्रों पर एक हजार से अधिक लोगों ने ऑफलाइन मतदान किया। प्रतियोगिता खत्म होने के बाद इसमें शामिल कुत्तों और पशु कल्याण के लिए कई पुरस्कार और सहायता की घोषणाएं भी की गईं। जोमैटो के डिस्ट्रिक्ट ने सिएना मेड इन बंगाल के साथ मिलकर प्रत्येक प्रतियोगी को विशेष सिरेमिक कटोरा देने की घोषणा की है।

ओवरलोड ट्रकों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, अब भार उतरवाना होगा

एजेंसी, नई दिल्ली

ओवरलोड वाहनों के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं और मौतों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। आगरा के अधिवक्ता और सड़क सुरक्षा कार्यकर्ता केसी जैन ने इस गंभीर मुद्दे को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक अंतरिम आवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने स्वयं अदालत में उपस्थित होकर अपने आवेदन पर बहस की और सड़क सुरक्षा से जुड़े कई सुझाव न्यायालय के सामने रखे। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ओवरलोड वाहनों पर केवल जुर्माना लगाकर उन्हें आगे जाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

वाहन में निर्धारित सीमा से अधिक मौजूद भार को उतरवाना भी जरूरी होगा। यानी अब केवल जुर्माना भरने के बाद ओवरलोड ट्रक आगे नहीं बढ़ सकेंगे। न्यायालय ने प्रभावी भार मापन व्यवस्था लागू करने और इलेक्ट्रॉनिक प्रवर्तन प्रणाली को मजबूत करने के निर्देश भी दिए हैं। इसके साथ ही राज्यों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि नियमों के पालन में आवश्यक पुलिस सहायता उपलब्ध कराई जाए। इस व्यवस्था का उद्देश्य ओवरलोडिंग पर प्रभावी नियंत्रण करना और सड़क दुर्घटनाओं को कम करने की दिशा में ठोस कदम उठाना है। ओवरलोड वाहन सड़कों पर दुर्घटना का जोखिम बढ़ाने के साथ सड़क और पुल जैसी बुनियादी संरचनाओं पर भी अतिरिक्त दबाव डालते हैं।

केसी जैन लंबे समय से सड़क सुरक्षा से जुड़े मुद्दे उठाते रहे हैं। उनकी ओर से अदालत में रखे गए सुझावों और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद ओवरलोड वाहनों के खिलाफ कार्रवाई को अधिक प्रभावी बनाने की उम्मीद है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों से ओवरलोडिंग पर प्रभावी रोक लगाने और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

कांग्रेस में शामिल हुईं प्रियंका कक्कड़, केजरीवाल के पुराने वादों पर उठाए सवाल

प्रियंका कक्कड़ कांग्रेस में शामिल, बोलीं-मैं वही दिल्ली चाहती हूं जहां पली-बढ़ी

एजेंसी, नई दिल्ली

नई दिल्ली में आम आदमी पार्टी को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। पार्टी की पूर्व राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने शनिवार, 3 अक्टूबर 2026 को कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली। दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजीव शुक्ला, दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव और सांसद पवन खेड़ा की मौजूदगी में उन्होंने कांग्रेस का दामन थामा। कांग्रेस में शामिल होने के बाद प्रियंका कक्कड़ ने अपने फैसले की वजह बताते हुए दिल्ली को लेकर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं।

उन्होंने कहा कि वह ऐसी दिल्ली चाहती हैं, जहां वह खुद पली-बढ़ी हैं और उनके अनुसार कांग्रेस ही ऐसी दिल्ली बनाने में सक्षम है। उनके इस बयान को दिल्ली की राजनीति और आगामी राजनीतिक गतिविधियों के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कक्कड़ ने आम आदमी पार्टी के संयोजक



प्रियंका कक्कड़ ने बदला पाला, कांग्रेस में शामिल

और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पुराने वादों का भी उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने कभी वादा किया था कि वह मुख्यमंत्री बनने के बाद बंगला और कार जैसी सुविधाएं नहीं लेंगे, लेकिन बाद में सामने आए घटनाक्रमों को लेकर उन्होंने सवाल उठाए। उनके बयान में आम आदमी पार्टी के शुरुआती सिद्धांतों और बाद की राजनीतिक परिस्थितियों के बीच अंतर का संकेत दिया गया। प्रियंका कक्कड़ लंबे समय तक आम आदमी पार्टी की प्रमुख आवाजों में शामिल रही हैं।

आम आदमी पार्टी ने अप्रैल 2023 में उन्हें राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता नियुक्त किया था। इससे पहले भी वह पार्टी के संगठनात्मक और कानूनी कामकाज से जुड़ी रही थीं। वह पेशे से वकील हैं और उन्होंने अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिल्वेनिया से कानून में मास्टर डिग्री हासिल की है। पार्टी के अनुसार, वह कई वर्षों तक वकालत भी करती रही हैं।

नोएडा की सड़कों पर एआई की नजर, जाम का निकलेगा स्थायी समाधान

एजेंसी ,नई दिल्ली

नोएडा में लगातार बढ़ती यातायात जाम की समस्या से निपटने के लिए अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई तकनीक का सहारा लिया जाएगा। शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से एक विशेष एआई सॉफ्टवेयर तैयार किया जा रहा है, जिसे गूगल मैप से जोड़ा जाएगा। इस तकनीक की मदद से अधिकारियों को किसी भी क्षेत्र की वर्तमान यातायात स्थिति की जानकारी आसानी से मिल सकेगी। एआई सिस्टम केवल मौजूदा समय में लगे जाम की जानकारी देने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पुराने यातायात आंकड़ों को भी सुरक्षित रखेगा।

इसमें करीब एक से दो महीने तक का ट्रैफिक डेटा रिकॉर्ड किया जा सकेगा। इस डेटा का बाद में विश्लेषण करके यह पता लगाया जाएगा कि शहर की किन सड़कों या स्थानों पर नियमित रूप से जाम की समस्या सामने आती है।



सिस्टम यह जानकारी भी जुटाने में मदद करेगा कि किसी विशेष सड़क पर किस समय सबसे ज्यादा यातायात रहता है और जाम कितनी देर तक बना रहता है।

इसके अलावा, रोजाना कितने वाहन किसी मार्ग से गुजरते हैं, इसका भी आंकड़ा तैयार किया जा सकेगा। पुराने रिकॉर्ड के आधार पर जाम की संभावित वजहों को समझने में भी मदद मिलेगी।एआई तकनीक के जरिए वर्तमान और पुराने ट्रैफिक डेटा की तुलना करके उन स्थानों की पहचान की जा सकेगी, जहां बार-बार यातायात बाधित होता है।

न्यूज ब्रीफ

झंडूता अस्पताल में अल्ट्रासाउंड मशीन खराब, 45 पंचायतों के लोगों को परेशानी

भारतेन्दु संवाददाता, झंडूता। झंडूता अस्पताल में अल्ट्रासाउंड मशीन खराब होने से क्षेत्र की जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खासकर गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और गंभीर मरीजों को जांच के लिए बिलासपुर जिला अस्पताल या निजी स्वास्थ्य केंद्रों का रुख करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि इस समस्या से विधानसभा क्षेत्र की करीब 45 ग्राम पंचायतों के लोग प्रभावित हैं। मशीन खराब होने के कारण मरीजों को अतिरिक्त यात्रा खर्च के साथ समय भी गंवाना पड़ रहा है। गर्भावस्था से जुड़ी जटिलताओं और आपात स्थिति में समय पर अल्ट्रासाउंड न होने से मरीजों को उपचार में देरी का सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को निजी लैब में महंगी जांच करवाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन से मांग की है कि मशीन की जल्द मरम्मत करवाई जाए। साथ ही स्थायी समाधान के लिए नई अल्ट्रासाउंड मशीन स्थापित करने और स्थायी रेडियोलॉजिस्ट की व्यवस्था करने का आग

सरकाघाट में पटवारियों की कमी से राजस्व कार्य प्रभावित

भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। तहसील सरकाघाट में पटवारियों की कमी के कारण स्थानीय लोगों के राजस्व संबंधी कार्य प्रभावित हो रहे हैं। हिमाचल किसान सभा गोपालपुर खंड कमेटी के अध्यक्ष दिनेश काकू व सहसचिव नंद लाल राव ने बताया कि तहसील में कुल 24 पटवार वृत्त हैं, लेकिन केवल 13 पटवारी ही नियमित सेवाएं दे रहे हैं। 10 पटवार वृत्तों में कोई पटवारी तैनात नहीं है। उन्होंने कहा कि स्टाफ की कमी के कारण जमाबंदी, इंतकाल, निशानदेही, तकसीम और पंचायत से जुड़े कार्यों के लिए लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। कई पटवारियों को अतिरिक्त पटवार वृत्तों का कार्यभार संभालना पड़ रहा है, जिससे काम का दबाव बढ़ गया है और लोगों को बार-बार तहसील के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। किसान सभा के पदाधिकारियों ने बताया कि तहसील में सहायक के दो, जमादार का एक और प्रक्रिया संबंधी दो पद भी रिक्त हैं। उन्होंने सरकार से सभी रिक्त पदों को शीघ्र भरने की मांग की है।

अपर बरोट को सरकाघाट थाना से जोड़ने की मांग

भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। उपमंडल सरकाघाट की ग्राम पंचायत अपर बरोट में 2 अक्तूबर को ग्राम सभा का आयोजन किया गया। पंचायत प्रधान शकुंतला देवी की अध्यक्षता में हुई सभा में पांच वार्डों के करीब 200 ग्रामीणों ने भाग लिया। इस दौरान पंचायत को पुलिस थाना सरकाघाट से जोड़ने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। ग्रामीणों ने कहा कि अपर बरोट से सरकाघाट थाना करीब 9 किलोमीटर दूर है, जबकि वर्तमान में पंचायत को हटली क्षेत्र के बलद्वाड़ा थाना से जोड़ा गया है, जिसकी दूरी करीब 20 किलोमीटर है। इससे चरित्र प्रमाण पत्र बनवाने सहित रात के समय होने वाली चोरी, दुर्घटना, आगजनी और अन्य घटनाओं में लोगों को परेशानी होती है। पंचायत प्रधान शकुंतला देवी, उपप्रधान एडवोकेट रवि कौशल और वार्ड सदस्यों ने इस संबंध में सरकार को प्रस्ताव भेजने पर सहमति जताई। ग्राम सभा में पंचायत में डिस्पेंसरी खोलने को लेकर भी प्रस्ताव तैयार करने का निर्णय लिया गया। सभा में जगदीश बिमल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

5 अक्तूबर की कैबिनेट बैठक पर टिकी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की भर्ती की उम्मीद

भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। हिमाचल प्रदेश में लंबे समय से नियमित भर्ती का इंतजार कर रहे बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता (एमपीएचडब्ल्यू) के प्रशिक्षित अभ्यर्थियों की उम्मीदें अब 5 अक्तूबर को प्रस्तावित मंत्रिमंडल बैठक पर टिकी हैं। अभ्यर्थियों और कर्मचारी संगठनों की ओर से स्वास्थ्य विभाग में रिक्त पदों को भरने की मांग लगातार उठाई जा रही है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार प्रदेश में पुरुष स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के करीब 2050 और महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लगभग 1350 पद रिक्त बताए जा रहे हैं। वर्ष 2019 के बाद नियमित भर्ती नहीं होने से प्रशिक्षित युवाओं में निराशा बढ़ रही है। पुरुष स्वास्थ्य कार्यकर्ता के डिप्लोमा धारकों ने स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धनीराम शांडिल को ज्ञापन सौंपकर जल्द भर्ती की मांग की है। वहीं, अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ जिला ऊना के अध्यक्ष सुरेश अत्री ने भी मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री से भर्ती का विज्ञापन शीघ्र जारी करने का आग्रह किया है। अभ्यर्थियों अभिषेक गुलेरिया, योगेश पराशर, निशांत, सिद्धार्थ, सुनील, पीयूष बरागटा और अभिषेक यशोत्रा आदि ने सरकार से 5 अक्टूबर की बैठक में भर्ती को मंजूरी देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इससे प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार मिलने के साथ ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को भी मजबूती मिलेगी।

नशे की हालत में प्लांट में प्रवेश न करें कर्मचारी

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। एसीसी अदाणी गागल सीमेंट वर्क्स बरमाणा में स्वच्छता एवं नशा-मुक्ति अभियान के तहत अधिकारियों और कर्मचारियों ने प्लांट परिसर में श्रमदान कर साफ-सफाई की। अभियान में स्वच्छ कार्यस्थल बनाए रखने के साथ कर्मचारियों को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया गया। लॉजिस्टिक्स हेड विजय साहू ने ड्राइवरों और कर्मचारियों से अपील की कि कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार का नशा करके प्लांट में प्रवेश न करे। उन्होंने कहा कि नशा स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिति को प्रभावित करने के साथ परिवार पर भी प्रतिकूल असर डालता है। उन्होंने कर्मचारियों से नशे में किसी व्यक्ति के दिखाई देने पर तत्काल सुरक्षा या लॉजिस्टिक्स विभाग को सूचना देने का आग्रह किया। गेट मीटिंग में सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपने गांव और समाज के लिए कम से कम एक घंटे श्रमदान करे। उन्होंने कहा कि स्वच्छता और सामाजिक जिम्मेदारी केवल कार्यस्थल तक सीमित नहीं होनी चाहिए।

धीरज शर्मा हैड ब्वाय, पलक बनी हैड गर्ल

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भूमती में विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों, नेतृत्व क्षमता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के उद्देश्य से हैड ब्वाय एवं हैड गर्ल का चुनाव करवाया गया। चुनाव कार्यवाहक प्रधानाचार्य अंकित कौंडल की अध्यक्षता तथा ईएलसी प्रभारी रमेश तनवर की देखरेख में संपन्न हुआ। चुनाव से पहले प्रार्थना सभा में ईएलसी प्रभारी रमेश तनवर ने विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया, मतदान के अधिकार, निष्पक्ष मतदान तथा योग्य प्रतिनिधि के चयन के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक मत महत्वपूर्ण होता है। इसके बाद मतदान प्रक्रिया शुरू हुई, जिसमें विद्यालय के 325 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिक्षकों और विद्यार्थियों ने जागरूकता के साथ चुनाव प्रक्रिया में सहभागिता की। मतदान शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। चुनाव परिणाम में धीरज शर्मा को हैड ब्वाय और पलक ठाकुर को हैड गर्ल चुना गया। उपप्रधानाचार्य अंकित कौंडल ने विद्यार्थियों की भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियों से नेतृत्व, अनुशासन, निर्णय लेने और उत्तरदायित्व जैसे गुण विकसित होते हैं।

कांग्रेस को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर जोर

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। ब्लॉक कांग्रेस अर्की और जिला परिषद डुमैहर वार्ड की अलग-अलग बैठकों में कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने तथा आगामी संगठनात्मक गतिविधियों की तैयारियों पर चर्चा की गई। इस दौरान विभिन्न पंचायतों के नव निर्वाचित प्रधानों ने कांग्रेस की सदस्यता भी ग्रहण की। ब्लॉक कांग्रेस की बैठक अध्यक्ष सतीश कश्यप की अध्यक्षता में हुई, जिसमें विधायक संजय अवस्थी और जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुभाष वर्माणी मौजूद रहे। वहीं डुमैहर वार्ड की बैठक में बूथ कमेटियों के गठन को लेकर चर्चा हुई। पदाधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर बूथ कमेटियों की सूची संगठन को उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए गए। विधायक संजय अवस्थी ने कार्यकर्ताओं से जनता के बीच सक्रिय रहकर उनकी समस्याओं को समझने और उचित मंच तक पहुंचाने का आह्वान किया। सुभाष वर्माणी और सतीश कश्यप ने भी संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए आपसी समन्वय और एकजुटता के साथ कार्य करने पर जोर दिया। बैठक में कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

'रन फॉर डीएवी' में दौड़े झबोला स्कूल के विद्यार्थी, स्वस्थ जीवनशैली का दिया संदेश

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। डीएवी पब्लिक स्कूल झबोला में विद्यार्थियों में स्वास्थ्य, अनुशासन और खेल भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'रन फॉर डीएवी' के तहत फन मैराथन का आयोजन किया गया। मैराथन का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य रवि कुमार कारवा ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने पूरे जोश, उत्साह और उमंग के साथ दौड़ में भाग लिया और निर्धारित दौड़ पूरी की। आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना रहा। इसके साथ ही उनमें आत्मविश्वास, अनुशासन, सहनशक्ति और खेल भावना विकसित करने पर भी जोर दिया गया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया। 'रन फॉर डीएवी' के तहत आयोजित यह फन मैराथन विद्यार्थियों के लिए स्वास्थ्य, फिटनेस और मनोरंजन से भरपूर अनुभव रहा। विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की।

नशा पूरे परिवार को कर देता है बर्बाद : डीजीपी अशोक तिवारी

बेटियां खुद को किसी से कम न समझें, आत्मविश्वास से आगे बढ़ें



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। हिमाचल प्रदेश के पुलिस महानिदेशक अशोक तिवारी ने अभिभावकों से बच्चों की गतिविधियों और भावनाओं पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया है।

उन्होंने कहा कि यदि कोई बच्चा नशे की गिरफ्त में आ जाता है तो इसका असर केवल उस बच्चे तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरा परिवार प्रभावित होता है और उसका जीवन अस्त-व्यस्त हो सकता है। इसलिए अभिभावकों को अपने बच्चों के साथ संवाद बनाए रखते हुए उन्हें नशे से दूर रखने के लिए जागरूक और सजग रहने की आवश्यकता है। डीजीपी अशोक तिवारी शनिवार को कुल्लू वैली स्कूल के वार्षिक समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। समारोह में पहुंचने पर स्कूल के प्रधानाचार्य संजीव भारद्वाज सहित स्कूल स्टाफ ने उनका भव्य स्वागत किया। उन्होंने कहा कि बच्चों को केवल अनुशासन और पढ़ाई के नजरिए से देखना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी भावनाओं और मानसिक स्थिति को समझना भी जरूरी है। अभिभावक बच्चों के साथ मित्रवत व्यवहार करें और उनकी समस्याओं को समझने का प्रयास करें, ताकि वे किसी गलत संगति या नशे की ओर न जाएं। डीजीपी ने विशेष रूप से बेटियों को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें स्वयं को किसी से कम नहीं समझना चाहिए। आज की बेटियां हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और क्षमता का प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने बेटियों से आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और अपने लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें हासिल करने का आह्वान किया। अशोक तिवारी ने कहा कि प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री द्वारा नशे के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत प्रदेशभर में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई में पुलिस और प्रशासन के साथ-साथ अभिभावकों, शिक्षकों और समाज की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर स्कूल के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

दियोटसिद्ध मंदिर न्यास की बैठक में 27 प्रस्तावों पर हुआ मंथन

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। सिद्ध बाबा बालक नाथ मंदिर न्यास दियोटसिद्ध की बैठक शनिवार को मंदिर परिसर में आयोजित हुई। बैठक में पिछली बैठक की कार्यवाही की समीक्षा के साथ कुल 27 प्रस्तावों पर चर्चा की गई।

इनमें श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा, कर्मचारियों के कल्याण और शिक्षण संस्थानों से जुड़े विषय प्रमुख रहे। बैठक में मंदिर परिसर व आसपास एसटीपी योजना, फायर लाइन सड़क, सरायों के लिए एसओपी तथा उनकी छतों पर सोलर पावर प्लांट लगाने के प्रस्तावों पर विचार हुआ। सोना-चांदी के शुद्धिकरण, पार्किंग, पार्क विकास और सांकेतिक बोर्ड लगाने संबंधी मुद्दे भी एजेंडे में शामिल रहे। कर्मचारी कल्याण निधि में वर्ष 2001 से 2024 तक की 7.92 करोड़ रुपये से अधिक राशि जमा करने, दैनिक भोगी कर्मचारियों को लाभ देने तथा न्यास के अंशदान को 3 से बढ़ाकर 10 प्रतिशत करने पर भी चर्चा हुई।

फ्रीज संपत्तियों के कब्जे और प्रबंधन की जिम्मेदारी थाना प्रभारी डमटाल को



◆ 'क्वालिटी' होटल समेत आठ दुकानों का पुलिस करेगी प्रबंधन

भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। नशे के अवैध कारोबार से अर्जित संपत्तियों के खिलाफ कार्रवाई के तहत पुलिस जिला नूरपुर ने एनडीपीएस अधिनियम के अंतर्गत फ्रीज की गई संपत्तियों के कब्जे और प्रबंधन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, बलविंदर बिल्ला से संबंधित एनडीपीएस मामले में थाना डमटाल ने 11 अगस्त 2026 को संबंधित संपत्तियों को फ्रीज किया था। सक्षम प्राधिकारी एवं प्रशासक, नई दिल्ली ने 9 सितंबर 2026 को करीब 3.32 करोड़ रुपए मूल्य की संपत्तियों की फ्रीजिंग की पुष्टि की।

इन संपत्तियों में मुहाल टोकी, एनएच-44 के समीप स्थित 'क्वालिटी' होटल एवं रेस्तरां तथा आठ दुकानें भी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, उक्त संपत्ति बलविंदर बिल्ला की पत्नी उर्मिला देवी के नाम दर्ज है। पुलिस जिला नूरपुर के अनुरोध पर सक्षम प्राधिकारी ने एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68जी के तहत थाना प्रभारी डमटाल को इन संपत्तियों का कब्जा लेने और प्रबंधन करने के लिए अधिकृत किया है। संपत्ति का संचालन संबंधित कानूनी प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा। पुलिस के अनुसार, संपत्ति से होने वाली आय और वित्तीय लेन-देन की भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत निगरानी होगी। खातों तथा आय-व्यय का निरीक्षण किया जाएगा और बड़े वित्तीय व्यय के लिए आवश्यक पूर्व अनुमति लेनी होगी। पुलिस ने कहा कि नशे के कारोबार से जुड़ी संपत्तियों के खिलाफ कार्रवाई फ्रीजिंग तक सीमित न रखकर कब्जे, प्रबंधन और आय के नियमन तक आगे बढ़ाई जा रही है।

प्रदेश के अधिकारों की रक्षा के लिए सरकार ने मजबूती से लड़ी लड़ाई : अनुराग शर्मा



भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। विकास खंड इंदौरा की 58 ग्राम पंचायतों के नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों के प्रशिक्षण एवं सम्मान समारोह का आयोजन शनिवार को किया गया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद अनुराग शर्मा मुख्यातिथि रहे। पूर्व विधायक सतपाल रायजादा, प्रदेश कांग्रेस कमेटी महासचिव यशवंत खन्ना तथा विधायक मलेंद्र राजन विशेष रूप से उपस्थित रहे।

अनुराग शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार ने अपने कार्यकाल में सभी वर्गों और क्षेत्रों के विकास के लिए अनेक योजनाएं शुरू की हैं। अनाथ बच्चों, विधवा महिलाओं, एकल महिलाओं, किसानों, बागवानों और युवाओं के लिए संचालित योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के संसाधनों पर हिमाचल के अधिकार सुनिश्चित करने और प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न अधिकारों को लेकर सरकार ने कानूनी और अन्य स्तरों पर मजबूती से पक्ष रखा है। कड़छम-वांगतू परियोजना में हिमाचल का मुफ्त बिजली हिस्सा 12 से बढ़कर 18 प्रतिशत होने से प्रदेश को अतिरिक्त आय मिलने की बात उन्होंने कही। वाइल्डफ्लावर हॉल मामले में भी सरकार को सफलता मिलने का दावा किया गया। किशाऊ बांध परियोजना में प्रदेश के हितों को प्राथमिकता देने तथा बीबीएमबी से जुड़े लंबित मामलों को लेकर प्रयास जारी होने की बात भी उन्होंने कही। अनुराग शर्मा ने बताया कि प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय वर्ष 2022-23 में 2,14,952 रुपये से बढ़कर 2025-26 में 2,83,626 रुपए हुई है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने वर्ष 2032 तक हिमाचल को देश का समृद्ध राज्य बनाने का लक्ष्य रखा है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। विधायक मलेंद्र राजन ने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ राजनीतिक दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि पात्रता के आधार पर जरूरतमंदों तक पहुंचना चाहिए।

अनुराग ठाकुर फिर बने कोयला, खान एवं इस्पात संसदीय समिति के अध्यक्ष



भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री एवं हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर को वर्ष 2026-27 के लिए कोयला, खान एवं इस्पात संबंधी संसदीय स्थायी समिति का अध्यक्ष पुनर्निर्युक्त किया गया है। उनके पिछले कार्यकाल में समिति के कार्य और प्रदर्शन को इस जिम्मेदारी के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

वर्ष 2025-26 में अनुराग सिंह ठाकुर की अध्यक्षता वाली समिति को प्रतिष्ठित संसद रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। यह सम्मान संसदीय कार्य, प्रभावी निगरानी, विषयों के गहन अध्ययन और औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों पर किए गए कार्य के लिए प्रदान किया गया। पुनर्निर्युक्ति पर अनुराग सिंह ठाकुर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पिछले कार्यकाल में समिति ने उत्पादन क्षमता एवं दक्षता बढ़ाने, सतत खनन, आधारभूत ढांचे के आधुनिकीकरण और आत्मनिर्भर भारत से जुड़े विषयों पर गंभीरता से कार्य किया। उन्होंने कहा कि कोयला, खनन और इस्पात क्षेत्र ऊर्जा सुरक्षा, औद्योगिक विकास तथा आधारभूत ढांचे की जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण हैं। नए कार्यकाल में उत्पादन क्षमता बढ़ाने, आधुनिक तकनीक अपनाने, पर्यावरणीय स्थिरता और संसाधनों के जिम्मेदार उपयोग से जुड़े विषयों पर संसदीय निगरानी जारी रहेगी।

अनुराग ठाकुर लोक लेखा समिति, 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' संबंधी संयुक्त संसदीय समिति तथा 130वें संविधान संशोधन संबंधी संयुक्त संसदीय समिति सहित कई समितियों के सदस्य भी हैं। इसके अलावा वह एम्स बिलासपुर और एम्स बठिंडा से जुड़े शासी एवं संस्थागत निकायों में भी दायित्व निभा रहे हैं।

रुपए की कमजोरी व तेल कीमतों पर केंद्र उठाए प्रभावी कदम : विकास



भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता विकास कपूर ने रुपए में कमजोरी और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच केंद्र सरकार से आम जनता, किसानों, मजदूरों, छोटे कारोबारियों और मध्यम वर्ग पर पड़ रहे आर्थिक दबाव को कम करने के लिए कदम उठाने की मांग की। एक अक्तूबर को रुपया 96.315 प्रति डॉलर तक कमजोर हुआ और ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचा। कपूर ने कहा कि अप्रैल-अगस्त 2026 के दौरान केंद्र का राजकोषीय घाटा 7.1 लाख करोड़ रुपए रहा, जो पूरे वित्त वर्ष के लक्ष्य का 41.9 प्रतिशत है। उन्होंने राहुल गांधी के 19 मई 2026 को रायबरेली में दिए बयान का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने पश्चिम एशिया संकट और तेल कीमतों के संभावित प्रभाव को लेकर पहले ही आर्थिक संकट की चेतावनी दी थी। कपूर ने केंद्र से रोजगार, घरेलू मांग, छोटे कारोबार और आम परिवारों की क्रय शक्ति मजबूत करने के साथ आर्थिक स्थिरता के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की।

देहरिया-चील बैही कपाड़िया सड़क के लिए 14.40 लाख स्वीकृत, जल्द शुरू होगा निर्माण : निशु मोंगरा



भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। लोगों की समस्याओं का घर-द्वार समाधान करने के उद्देश्य से चल रहा 'आपका सेवक आपके द्वार' कार्यक्रम लगातार गांवों तक पहुंच रहा है।

समीरपुर गांव के वार्ड नंबर-3 में आयोजित कार्यक्रम के दौरान एपीएमसी जिला अध्यक्ष, प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग के अध्यक्ष एवं 20 सूत्रीय कार्यक्रम के जिला अध्यक्ष नरेंद्र निशु मोंगरा ने विभिन्न समस्याएं सुनीं। उन्होंने बताया कि कालका मंदिर बाया देहरिया से चील बैही कपाड़िया तक सड़क निर्माण के लिए 14 लाख 40 हजार रुपए स्वीकृत हुए हैं। सड़क बनने से ग्रामीणों को मंदिर तक पहुंचने में सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि सड़क का निर्माण कार्य जल्द शुरू करवाया जाएगा। ग्रामीणों ने घरों के समीप से गुजर रही हाई वोल्टेज बिजली लाइनों की समस्या भी उठाई। मोंगरा ने बताया कि बिजली विभाग की टीम मंगलवार तक मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लेगी। अधिकारियों को समस्या का जल्द समाधान करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि वार्ड नंबर-1 में स्वीकृत हैंडपंप जल्द स्थापित किया जाएगा। वहीं वार्ड नंबर-3 के लोगों ने नए हैंडपंप सहित अन्य समस्याएं रखीं, जिनमें से कुछ का मौके पर ही समाधान किया गया। मोंगरा ने कहा कि लोग अपने गांव में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए न्योता दे रहे हैं। इस दौरान पंचायत प्रतिनिधियों, महिला मंडल की सदस्यों और स्थानीय लोगों सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

'वॉइस ऑफ बिलासपुर 2026' विजेता आशुतोष रघुवंशी का नया भजन 'तेरा लाड़ला' रिलीज

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश के युवा गायक व 'वॉइस ऑफ बिलासपुर 2026' के विजेता आशुतोष रघुवंशी का नया भजन 'तेरा लाड़ला' रिलीज हो गया है। भजन के रिलीज होने से उनके प्रशंसकों और शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है। इस अवसर पर बरमाना पंचायत के पूर्व उपप्रधान एवं सदर कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष नितीश ठाकुर तथा प्रमुख व्यवसायी नवीन ने केक काटकर आशुतोष रघुवंशी को भजन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। 'तेरा लाड़ला' मां के प्रति प्रेम, श्रद्धा व भक्ति की भावनाओं को समर्पित भावपूर्ण भजन है। आशुतोष रघुवंशी ने अपनी गायकी से हिमाचल के साथ प्रदेश से बाहर भी पहचान बनाई है। भजन रिलीज होने के बाद उन्हें सोशल मीडिया सहित विभिन्न माध्यमों से बधाइयां मिल रही हैं। उपस्थित लोगों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि मेहनत और प्रतिभा के दम पर वह संगीत के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे।

जमीन पर काम नहीं, गांव-गांव जाकर पब्लिसिटी स्टंट कर रहे मुख्यमंत्री सुखविंद्र सुक्खू : जम्वाल



भारतेन्दु संवाददाता, सुंदरनगर। सुंदरनगर विधानसभा क्षेत्र की पंचायत सेरी कोठी, जरल, सलापड़ कॉलोनी, सलापड़ और कांगू में शनिवार को जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान भाजपा मुख्य प्रवक्ता एवं सुंदरनगर विधायक राकेश जम्वाल ने स्थानीय लोगों से संवाद किया और क्षेत्र की समस्याओं, विकास कार्यों तथा जनआवश्यकताओं को जाना।

जनसंपर्क के दौरान प्रदेश सरकार पर हमला बोलते हुए राकेश जंवाल ने कहा कि सुक्खू सरकार के कार्यकाल में जमीन पर विकास की रफ्तार दिखाई नहीं दे रही है, लेकिन प्रचार जरूर खूब हो रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू पर निशाना साधते हुए कहा कि अब मुख्यमंत्री गांव-गांव जाकर पब्लिसिटी स्टंट के माध्यम से अपनी छवि सुधारने का प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री वर्तमान में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं। जम्वाल ने कहा कि मुख्यमंत्री को शायद लगता है कि गांव की जनता सरल और भोली-भाली है और उनके दौरों, घोषणाओं और फोटोशूट से प्रभावित हो जाएगी, लेकिन गांव की जनता अपने क्षेत्र का पूरा हिसाब रखती है। उसे पता है कि कौन-सा काम जमीन पर हुआ और कौन-सी घोषणा आज भी कागजों में है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जब किसी गांव में जाकर नई घोषणाएं करते हैं तो उन्हें पहले अपने पिछले दौरों में की गई घोषणाओं का हिसाब जनता को देना चाहिए। सरकार यह बताए कि अब तक की गई घोषणाओं में कितने कार्यों को स्वीकृति मिली, कितने कार्यों के लिए बजट जारी हुआ और कितने कार्य पूरे हुए। 'सरकार के पास गिनाने के लिए उपलब्धियां कम, प्रचार के लिए तस्वीरें ज्यादा हैं। राकेश जमवाल ने कहा कि सेरी कोठी, जरल, सलापड़ कॉलोनी, सलापड़ और कांगू में जनसम्पर्क के दौरान लोगों से बातचीत में स्थानीय समस्याएं सामने आई हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़े विषय आज भी लोगों की प्राथमिकता हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को नई-नई घोषणाओं के बजाय पहले पुरानी घोषणाओं को धरातल पर उतारना चाहिए। जनता को मुख्यमंत्री के दौरे की तस्वीर नहीं, अपने गांव में हुआ विकास दिखाई देना चाहिए।

भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने जिला खेल प्रकोष्ठ की नवगठित कार्यकारिणी को किया निरस्त



सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने भाजपा जिला खेल प्रकोष्ठ की हाल ही में घोषित नवगठित कार्यकारिणी को निरस्त कर दिया है। जिला खेल प्रकोष्ठ के जिला संयोजक जगदीप शर्मा द्वारा हाल ही में जिला सह-संयोजकों एवं आईटी संयोजक की नियुक्तियों की घोषणा की गई थी।

राकेश ठाकुर ने स्पष्ट किया कि जिला खेल प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी में नियुक्तियों की घोषणा से पहले जिला हमीरपुर की पांचों विधानसभा क्षेत्रों के पार्टी प्रतिनिधियों तथा पार्टी हाईकमान के साथ विचार-विमर्श कर आवश्यक अनुमोदन एवं प्रमाणिकता सुनिश्चित करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि पार्टी के संगठनात्मक नियमों एवं निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप ही नियुक्तियों को अंतिम रूप दिया जाना चाहिए। समीरपुर पंचायत में विकास कार्यों को लेकर कांग्रेस के एक स्थानीय नेता द्वारा विधायक की मौजूदगी में दिए गए बयान पर भाजपा नेताओं जिला महामंत्री अजय रिंटू शर्मा, जिला उपाध्यक्ष चमन ठाकुर, जिला प्रवक्ता विनोद ठाकुर तथा समीरपुर मंडल अध्यक्ष अभयवीर लबली ने कड़ा पलटवार किया है। भाजपा नेताओं ने कहा कि कांग्रेस विधायक सुरेश कुमार को जनता को गुमराह करने वाली बयानबाजी करने के बजाय अपनी सरकार की गारंटियों का हिसाब देना चाहिए।

भोरंज विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस की चुनावी गारंटियों का धरातल पर क्या परिणाम निकला है, यह जनता जानना चाहती है। पंचायत के विकास पर सवाल उठाने से पहले कांग्रेस नेताओं को अपनी सरकार के वादों की प्रगति और उनकी वर्तमान स्थिति पर जवाब देना चाहिए। भाजपा नेताओं ने कहा कि समीरपुर पंचायत में प्रदेश का नंबर-1 प्राथमिक स्कूल तथा मॉडल भवन के रूप में पहचान बना चुकी स्कूल बिल्डिंग मौजूद है, जहां दूसरी पंचायतों से भी बच्चे शिक्षा ग्रहण करने आते हैं। पंचायत में मिनी सचिवालय का बहुउद्देशीय भवन, लोक निर्माण विभाग की सब-डिवीजन, आयुर्वेदिक चिकित्सालय, पशु अस्पताल, आईटीआई और सीबीएसई पाठशाला जैसी महत्वपूर्ण संस्थाएं मौजूद हैं। पंचायत का प्रत्येक गांव पक्की सड़क से जुड़ा हुआ है और हर घर को नल के माध्यम से पेयजल सुविधा उपलब्ध है।

भाजपा नेताओं ने कहा कि जब पंचायत में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल और अन्य आधारभूत सुविधाएं मौजूद हैं, तो विकास नहीं होने का दावा करना तथ्यों की अनदेखी है। कांग्रेस विधायक और उनके नेताओं को राजनीतिक बयानबाजी छोड़कर अपनी सरकार की गारंटियों तथा भोरंज विधानसभा क्षेत्र में किए गए कार्यों का ठोस हिसाब जनता के सामने रखना चाहिए।

11 केवी पडुल फीडर के कार्य से तीन दिन प्रभावित रहेगी बिजली आप

न्यूज ब्रीफ

होमगार्ड में एक साथ चयनित हुए दो सगे भाई





भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। उपमंडल अर्की की ग्राम पंचायत साई के बेंसक गांव के दो सगे भाइयों ने हिमाचल होमगार्ड में एक साथ चयनित होकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। दोनों भाइयों की सफलता से परिवार सहित पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। बेंसक निवासी गौरव कुमार और करण कुमार, देवी चंद और आशा देवी के पुत्र हैं। उनके पिता सरकारी विद्यालय में जेबीटी अध्यापक हैं, जबकि माता गृहिणी हैं। गौरव कुमार ने एमकॉम तथा करण कुमार ने स्नातक तक शिक्षा प्राप्त की है। चुनौतीपूर्ण चयन प्रक्रिया और कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच दोनों भाइयों का एक साथ होमगार्ड में चयन परिवार के साथ क्षेत्र के लिए भी गौरव की बात है। ग्रामीणों ने कहा कि दोनों युवाओं की मेहनत, लगन और अनुशासन ने उन्हें यह सफलता दिलाई है। उनकी उपलब्धि क्षेत्र के अन्य युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। परिवारजनों, रिश्तेदारों और पंचायतवासियों ने दोनों भाइयों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

सार्वजनिक मार्ग पर रेत डालने और दंपति से मारपीट के मामलों में केस दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर पुलिस ने यातायात बाधित करने और मारपीट के दो अलग-अलग मामलों में भारतीय न्याय संहिता के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पहला मामला पुलिस थाना सदर बिलासपुर के तहत सामने आया। पुलिस के अनुसार दलेलू राम, निवासी बध्यात, डाकघर बामटा पर सार्वजनिक मार्ग पर रेत का ढेर लगाकर यातायात बाधित करने का आरोप है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 285 के तहत मामला दर्ज किया है। दूसरा मामला थाना तलाई के बरठीं क्षेत्र का है। शिकायतकर्ता तिलक राज ने आरोप लगाया कि सुरेन्द्र कुमार ने उसका और उसकी पत्नी का रास्ता रोककर गाली-गलौच की तथा मारपीट कर उन्हें चोटें पहुंचाईं। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धाराओं 115(2), 126(2), 351(2) और 352 के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस ने दोनों मामलों में आगामी कानूनी कार्रवाई और जांच शुरू कर दी है।

डॉ. तारा सेन को संत ईश्वर सम्मान से नवाजा



भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। हिमालयी जंगली खाद्य पौधों के संरक्षण, संवर्धन और उन्हें स्वास्थ्य, आजीविका तथा सतत विकास से जोड़ने के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए मंडी की डॉ. तारा देवी सेन को संत ईश्वर सम्मान-2026 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान महिला एवं बाल कल्याण श्रेणी में प्रदान किया गया। नई दिल्ली स्थित मावलंकर ऑडिटोरियम, कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित समारोह में भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने डॉ. सेन को सम्मान प्रदान किया। उन्हें स्मृति पत्र, स्मृति-चिह्न और एक लाख रुपये की सम्मान राशि दी गई। डॉ. तारा सेन बल्लभ राजकीय महाविद्यालय मंडी के बाटनी विभाग की अध्यक्ष हैं। वह लंबे समय से हिमालयी जंगली खाद्य पौधों के संरक्षण और पारंपरिक ज्ञान के दस्तावेजीकरण पर कार्य कर रही हैं। उन्होंने इन पौधों को पोषण, स्वास्थ्य, स्वरोजगार और सतत आजीविका से जोड़ने के प्रयास किए हैं। समारोह में डॉ. सेन ने अपने कार्यों पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई, जिसमें पुस्तकें, फोटोग्राफ और प्रकृति आधारित उत्पाद प्रदर्शित किए गए।

मंजयाट-मांजू स्कूल सड़क की मरम्मत और बस सेवा बहाल करने की मांग

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। ग्राम पंचायत पलोग के उपप्रधान ने विधायक संजय अवस्थी को ज्ञापन सौंपकर मंजयाट से मांजू स्कूल तक सड़क की खस्ताहाल स्थिति सुधारने सहित क्षेत्र की अन्य समस्याओं के समाधान की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया कि सड़क पर जगह-जगह गड्ढे पड़े हैं, जिससे स्थानीय लोगों और विद्यार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सड़क की प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत करवाने का आग्रह किया। ज्ञापन में शिमला से मांजू चलने वाली बस का सुबह 5:30 बजे का पुराना समय बहाल करने तथा अर्की से मांजू के लिए सुबह 7:40 बजे बस चलाने की मांग भी की गई है। इसके अलावा एलडब्ल्यूएसएस मंजयाट की स्टेज-1 और स्टेज-2 की पेयजल समस्या उठाते हुए दोनों स्टेजों के लिए पंप सेट उपलब्ध करवाने तथा पानी की आपूर्ति सुचारू करने का आग्रह किया गया। उपप्रधान ने विधायक से संबंधित विभागों के माध्यम से इन समस्याओं का जल्द समाधान करवाने की मांग की है।

हिमाचल प्रदेश बार काउंसिल की उपाध्यक्ष शिवानी शर्मा का कुल्लू बार में भव्य स्वागत



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। हिमाचल प्रदेश बार काउंसिल की उपाध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद अधिवक्ता शिवानी शर्मा के शनिवार को कुल्लू बार पहुंचने पर बार एसोसिएशन ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। बार पदाधिकारियों, वरिष्ठ और कनिष्ठ अधिवक्ताओं ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी। बार एसोसिएशन के सदस्यों ने उम्मीद जताई कि शिवानी शर्मा बार काउंसिल में अधिवक्ताओं के अधिकारों, कल्याण और पेशे से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाएंगी। शिवानी शर्मा ने सम्मान और सहयोग के लिए सभी अधिवक्ताओं का आभार जताया। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं के हितों और कल्याण के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने वरिष्ठ और युवा अधिवक्ताओं के बीच बेहतर समन्वय तथा समस्याओं के समयबद्ध समाधान पर भी जोर दिया। हिमाचल प्रदेश बार काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष नरेश सूद ने कहा कि शिवानी शर्मा ने प्रदेश बार काउंसिल की पहली महिला उपाध्यक्ष बनकर नया इतिहास रचा है। उन्होंने इसे महिला अधिवक्ताओं सहित पूरे अधिवक्ता समुदाय के लिए गौरव की उपलब्धि बताया।

कुल्लू आयुर्वेदा अस्पताल में जी-पैथ लैब का शुभारंभ, ग्रामीणों को मिलेगी सस्ती जांच सुविधा



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। कुल्लू आयुर्वेदा अस्पताल में जी-पैथ लैब का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव चंद्रकेश शर्मा ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। लैब के संचालक घनश्याम शर्मा ने मुख्यातिथि सहित सभी अतिथियों और अस्पताल के चिकित्सकों का स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्यातिथि चंद्रकेश शर्मा ने कहा कि कुल्लू आयुर्वेदा अस्पताल में लैब की सुविधा शुरू होने से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को काफी लाभ मिलेगा। उन्होंने जी-पैथ लैब प्रबंधन को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि घनश्याम शर्मा सामाजिक सेवा के क्षेत्र में भी सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। लैब के संचालक घनश्याम शर्मा ने कहा कि आम लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जी-पैथ लैब शुरू की गई है। यहां विभिन्न प्रकार के टेस्ट बाजार की तुलना में कम दरों पर किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से बेहद कमजोर और जरूरतमंद लोगों को जांच की सुविधा और भी कम दरों पर उपलब्ध करवाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि उनकी लैब की सेवाएं आईजीएमसी शिमला, एम्स बिलासपुर सहित अन्य स्थानों पर भी उपलब्ध हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि स्वास्थ्य जांच की सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। कार्यक्रम के दौरान अस्पताल के चिकित्सकों का भी स्वागत किया गया। इस अवसर पर अस्पताल स्टाफ, लैब से जुड़े कर्मचारी और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर नागरिक संस्था के अध्यक्ष महिमन चंद्र शर्मा,युवा नेता हीरा लाल विभु, एनएसयूआई के पूर्व उपाध्यक्ष सौरव शर्मा भी शामिल रहे।

काशा पाट में मुख्यमंत्री सुक्खू का रात्रि प्रवास, दुर्गम क्षेत्रों के विकास को प्राथमिकता

दुर्गम क्षेत्रों के विकास को प्राथमिकता दे रही सरकार

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने रामपुर विधानसभा क्षेत्र के दुर्गम गांव काशा पाट में रात्रि प्रवास कर ग्रामीणों से संवाद किया। रोहडू विधानसभा क्षेत्र के भटवाड़ी में 'सरकार गांव के द्वार' कार्यक्रम में शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री काशा पाट पहुंचे, जहां स्थानीय लोगों ने पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ उनका स्वागत किया।



ग्रामीणों ने उन्हें पारंपरिक वेशभूषा भेंट कर सम्मानित किया। देर रात तक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए, जिनमें मुख्यमंत्री ने नाटी में भी भाग लिया। मुख्यमंत्री ने काशा पाट में नए स्कूल भवन के निर्माण के लिए दो करोड़ रुपए देने की घोषणा की। साथ ही खेल मैदान विकसित करने तथा ग्रामीणों की विभिन्न मांगों पर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि सरकार दुर्गम और दूरदराज क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विशेष प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने काशा पाट से तकलेच होते हुए रामपुर तक बस सेवा शुरू करने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कोई स्थानीय व्यक्ति अधिकतम 30 लाख रुपए की लागत से बस खरीदकर यह सेवा शुरू करता है तो सरकार 40 प्रतिशत सब्सिडी देगी। बस मालिक को पांच वर्ष तक प्रतिमाह 50 हजार रुपए की सहायता देने का भी प्रावधान बताया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बड़ी मात्रा में भूमि वन क्षेत्र के अंतर्गत होने के कारण सड़क निर्माण में वन अनुमति से जुड़ी चुनौतियां आती हैं। इसके बावजूद सरकार दूरदराज क्षेत्रों में सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि जिन महिला मंडलों के पास भवन नहीं हैं, उन्हें भवन निर्माण के लिए पांच लाख रुपये तथा भवन वाले महिला मंडलों को आवश्यक सामान खरीदने के लिए एक लाख रुपये की सहायता दी जाएगी।

उन्होंने 'अपना परिवार, सुखी परिवार' योजना शुरू करने की भी जानकारी दी, जिसके तहत पात्र महिलाओं को 1,500 रुपए मासिक पेंशन देने की बात कही। मुख्यमंत्री ने सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए चार प्रतिशत ब्याज सब्सिडी तथा जनजातीय क्षेत्रों में पांच प्रतिशत सब्सिडी का उल्लेख किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाली बच्चियों के उत्साहवर्धन के लिए एक लाख रुपए देने की घोषणा भी की। इस दौरान नशा निवारण और भ्रूण हत्या जैसे सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्यमंत्री ने काशा पाट में होम स्टे के लिए पंजीकृत चार लोगों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए। उन्होंने कहा कि होम स्टे से ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ स्थानीय लोगों को रोजगार और आय के अवसर मिलेंगे। ग्रामीण सुपन दास ने मुख्यमंत्री के रात्रि प्रवास को गांव के लिए विशेष अवसर बताया। उन्होंने कहा कि पहली बार किसी मुख्यमंत्री ने काशा पाट में रात्रि प्रवास किया है। इस अवसर पर महाधिवक्ता अनूप रतन, हिमकोन अध्यक्ष विकेश चौहान, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष लालचंद शर्मा सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

12 दिन बाद खुली सैंज-रैला सड़क, 16 मांगों पर एनएचपीसी ने जताई सहमति



धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। रैला और रैला-II में बाधित सैंज-रैला सड़क 12 दिनों तक बंद रहने के बाद आखिरकार पुनः यातायात के लिए खोल दी गई है। एनएचपीसी पार्बती-II पावर स्टेशन के महाप्रबंधक रणजीत सिंह ने प्रेस वार्ता में कहा कि सड़क को खोलने में एनएचपीसी के निरंतर प्रयासों के साथ निर्वाचित जनप्रतिनिधियों, स्थानीय प्रशासन, स्थानीय लोगों और मीडिया का सहयोग महत्वपूर्ण रहा।

उन्होंने कहा कि एनएचपीसी स्थानीय जनता और प्रभावित हितधारकों की चिंताओं को लेकर हमेशा सकारात्मक एवं रचनात्मक दृष्टिकोण अपनाता रहा है। विधिवत गठित समिति की रिपोर्ट पर हस्ताक्षर होने के बाद एनएचपीसी प्रबंधन ने निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की ओर से उठाई गई सभी 16 मांगों पर सहमति प्रदान की है। महाप्रबंधक ने कहा कि लंबे समय तक सड़क बंद रहने से स्थानीय निवासियों के साथ-साथ विद्यार्थियों, वरिष्ठ नागरिकों, मरीजों और आवश्यक सेवाओं के लिए आवाजाही करने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। यदि सड़क अवरोध को समय रहते समाप्त कर दिया जाता और मार्ग जल्द बहाल हो जाता, तो आम जनता को हुई असुविधा और नुकसान को कम किया जा सकता था। उन्होंने कहा कि एनएचपीसी स्थानीय समुदाय के कल्याण और क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। निगम की ओर से संवाद, सहयोग और आपसी समझ के माध्यम से सभी हितधारकों के साथ मिलकर स्वीकार्य समाधान तलाशने के प्रयास किए जाते रहे हैं। निर्मल सिंह ने कहा कि स्थानीय निवासियों और प्रभावित लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए कार्य करना एनएचपीसी की प्राथमिकता है। भविष्य में भी क्षेत्र के समग्र विकास और स्थानीय समुदाय के कल्याण के लिए निगम की ओर से निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।

उम्र को पीछे छोड़ मंजू रतन ने माउथ ऑर्गन पर बिखेरी संगीत की मिठास

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। उम्र को पीछे छोड़ अपनी संगीत प्रतिभा के दम पर ऊना मैहतपुर की मंजू रतन ने राष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल प्रदेश का नाम रोशन किया है।



भोपाल, मध्य प्रदेश में आयोजित 'इंडियन माउथ ऑर्गन प्लेयर्स मीट-2026' में देशभर से पहुंचे 250 से अधिक माउथ ऑर्गन वादकों के बीच मंजू रतन ने हिमाचल का प्रतिनिधित्व किया। वह इस आयोजन में प्रदेश की एकमात्र प्रतिभागी रहीं। राष्ट्रीय स्तर के इस आयोजन में विभिन्न राज्यों से माउथ ऑर्गन कलाकार एक मंच पर जुटे। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। आयोजन का उद्देश्य माउथ ऑर्गन कलाकारों को मंच उपलब्ध करवाने के साथ इस वाद्य यंत्र के प्रति लोगों की रुचि बढ़ाना रहा। मंजू रतन ने कार्यक्रम में माउथ ऑर्गन पर तीन-चार पुराने और लोकप्रिय हिंदी गीतों की मधुर धुनें प्रस्तुत कीं। उनकी प्रस्तुति को श्रोताओं ने खूब सराहा। राष्ट्रीय मंच पर हिमाचल का प्रतिनिधित्व करना उनके लिए विशेष उपलब्धि रही। मंजू रतन का कहना है कि संगीत उनके लिए केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि खुशी और ऊर्जा का स्रोत है। माउथ ऑर्गन बजाने से उन्हें आत्मिक आनंद मिलता है और वह लगातार अपनी कला को निखारने का प्रयास करती हैं। उनकी उपलब्धि यह संदेश देती है कि प्रतिभा और सीखने की ललक के लिए उम्र बाधा नहीं होती। अपने जुनून को आगे बढ़ाकर मंजू रतन ने राष्ट्रीय मंच पर अपनी अलग पहचान बनाई है।

राजन कपिल बने भोरंज ब्लॉक के व्यापार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी भोरंज ने वरिष्ठ व्यापारी व जाहू व्यापार मंडल के प्रधान व एक्साइज विभाग के डायरेक्टर राजन कपिल को व्यापार प्रकोष्ठ का अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस संबंध में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी भोरंज के अध्यक्ष विजय कुमार बन्याल द्वारा नियुक्ति पत्र जारी किया गया। जारी नियुक्ति पत्र में कहा गया है कि राजन कपिल की संगठन के प्रति निष्ठा, सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी तथा व्यापारियों के हितों के लिए किए जा रहे कार्यों को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी नेतृत्व ने विश्वास जताया है कि राजन कपिल व्यापार वर्ग की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाने के साथ-साथ पार्टी की नीतियों व कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उल्लेखनीय है कि राजन कपिल वर्तमान में जाहू व्यापार मंडल के प्रधान के रूप में भी कार्य कर रहे हैं और क्षेत्र के व्यापारियों के मुद्दों को लगातार प्रमुखता से उठाते रहे हैं। अपनी नियुक्ति पर राजन कपिल ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, विधायक सुरेश कुमार, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विजय कुमार बन्याल तथा पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे व्यापारियों के हितों की आवाज को और अधिक मजबूती से उठाने तथा संगठन को सशक्त बनाने के लिए पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से कार्य करेंगे।



द्रोणाचार्य कॉलेज रैत में 'टेक हैकथॉन', 16 टीमों ने दिखाई तकनीकी प्रतिभा

नगरोटा बगवां की टीम ने जीता पहला स्थान

भारतेन्दु संवाददाता, रैत। द्रोणाचार्य स्नातकोत्तर शिक्षण महाविद्यालय रैत में क्रिएटिविन टेक्नोलॉजी, चंडीगढ़ के सहयोग से 'द्रोणा टेक हैकथॉन-2026' का आयोजन किया गया।



तकनीकी व नवाचार आधारित इस प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों के बीसीए विभागों की 16 टीमों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने तकनीकी ज्ञान, रचनात्मक सोच, समस्या समाधान क्षमता और नए तकनीकी समाधान विकसित करने का प्रदर्शन किया। कंपनी निदेशक दिनेश कुमा ने बताया कि द्रोणाचार्य महाविद्यालय में पहली बार हैकथॉन आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान से आगे बढ़ाकर तकनीकी दक्षता, नवाचार और व्यावहारिक कौशल से जोड़ना है। हैकथॉन के माध्यम से विद्यार्थियों को वास्तविक समस्याओं के तकनीकी समाधान तैयार करने और टीम भावना के साथ कार्य करने का अवसर मिला। प्रतियोगिता में टीमों की परियोजनाओं का मूल्यांकन तकनीकी ज्ञान, नवाचार, समस्या समाधान, प्रस्तुति और टीमवर्क के आधार पर किया गया।

राजकीय महाविद्यालय नगरोटा बगवां की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया। द्रोणाचार्य महाविद्यालय की टीम उपविजेता रही, जबकि नगरोटा बगवां महाविद्यालय की दूसरी टीम तीसरे स्थान पर रही। द्रोणाचार्य महाविद्यालय के बीसीए प्रथम सेमेस्टर की टीम ने चौथा स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय प्रबंधन की ओर से विजेता टीमों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। प्रबंध निदेशक गंधर्व सिंह पठानिया और प्राचार्य डॉ. प्रवीण शर्मा की मौजूदगी में प्रथम टीम को 10 हजार, द्वितीय को 5 हजार, तृतीय को 2500 और चौथे स्थान वाली टीम को 1000 रुपए के चेक दिए गए। बीसीए विभागाध्यक्ष राजेश राणा ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए महाविद्यालय में समय-समय पर तकनीकी, शैक्षणिक और व्यावहारिक गतिविधियां आयोजित की जाती हैं।

अभिलाषी विश्वविद्यालय में 'स्वच्छ प्रांगण, स्वस्थ प्रांगण' अभियान आयोजित

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को लेकर छात्रों को किया जागरूक

भारतेन्दु संवाददाता, गोहर। सामुदायिक कल्याण, पर्यावरण संरक्षण व राष्ट्र निर्माण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से अभिलाषी विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई ने 'स्वच्छ प्रांगण, स्वस्थ प्रांगण' शीर्षक से स्वच्छता अभियान आयोजित किया।



स्वच्छ भारत दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित अभियान के दौरान विश्वविद्यालय परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सफाई की गई। इसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एचके चौधरी ने विद्यार्थियों को स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक करते हुए कहा कि स्वच्छ वातावरण स्वस्थ जीवन की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता को केवल अभियान तक सीमित न रखकर दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। यह अभियान वर्ष 2026 के राष्ट्रीय अभियान के विषय 'स्वच्छता में सहभाग; स्वच्छ भारत, विकसित भारत' के अनुरूप आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न संकायों के एनएसएस स्वयंसेवकों ने एनएसएस समन्वयक डॉ. रवि शर्मा के नेतृत्व में श्रमदान किया। विद्यार्थियों और शिक्षकों ने परिसर तथा आसपास के क्षेत्रों की सफाई कर स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इस अवसर पर बीएससी (ऑनर्स) कृषि अंतिम वर्ष की छात्रा निकिता ठाकुर ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (एसडब्ल्यूएम) नियमों को लेकर जागरूकता व्याख्यान दिया। उन्होंने कचरे के वैज्ञानिक पृथक्करण, कमी और उचित निपटान की विधियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने प्लास्टिक कचरे को कम करने और कचरे का सही तरीके से प्रबंधन करने पर भी जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने स्वच्छता की सामूहिक शपथ ली। उन्होंने सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने, प्लास्टिक के उपयोग में कमी लाने और स्वच्छता के मूल्यों को दैनिक जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कुलाधिपति डॉ. आरके अभिलाषी, प्रति-कुलाधिपति डॉ. एलके अभिलाषी, कुलपति प्रो. एचके चौधरी, कुलसचिव डॉ. कपिल कपूर, जीईएस अध्यक्ष डॉ. नर्मदा अभिलाषी, एईएस उपाध्यक्षा डॉ. प्रोमिला अभिलाषी, सचिव नरेंद्र अभिलाषी और अधिष्ठाता अकादमिक अफेयर्स प्रो. पीसी शर्मा ने भी स्वच्छता के महत्व पर विचार रखे। उन्होंने कहा कि स्वच्छता और स्वास्थ्य एक-दूसरे के पूरक हैं। गंदगी से बीमारियां फैलती हैं, जबकि स्वच्छ वातावरण स्वस्थ जीवन और सकारात्मक ऊर्जा का आधार बनता है।

पर्यटन सप्ताह में बाहरा विश्वविद्यालय के छात्रों ने रचा उपलब्धियों का नया अध्याय

भारतेन्दु संवाददाता, सोलन। बाहरा विश्वविद्यालय वाकनाघाट के स्कूल ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म की ओर से विश्व पर्यटन दिवस के उपलक्ष्य में पर्यटन सप्ताह का आयोजन किया गया। सप्ताहभर चले कार्यक्रम में पर्यटन, साहसिक गतिविधियों, पर्यावरण संरक्षण, सतत पर्यटन, कला-संस्कृति, पाक-कला, तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां व प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।



पर्यटन सप्ताह के दौरान विद्यार्थियों ने करोल टिब्बा तक साहसिक पदयात्रा में भाग लिया। इस दौरान विद्यार्थियों ने प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और वापसी में मार्ग से कचरा एकत्र कर स्वच्छता अभियान चलाया। सहायक प्राध्यापक वरुण ठाकुर और रुचि शर्मा ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। अंतर-विभागीय पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में गौरी (बीपीटी) प्रथम, तेनजिन (बीपीटी) द्वितीय और हमजा (बीएचएम) तृतीय रहे। दीवार चित्रण प्रतियोगिता में हुसनप्रीत और अंशिका (बीए) ने प्रथम स्थान हासिल किया। इस दौरान सह-प्राध्यापक डॉ. वैभव वर्मा को हिमाचली पारंपरिक व्यंजन सिड्डू की 451 किस्में और विशिष्ट स्वाद तैयार करने में योगदान के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में मान्यता मिली। प्रमाण-पत्र शिमला के उपायुक्त अनुपम कश्यप ने प्रदान किया। विद्यार्थियों ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के 'हिम विरासत' समारोह में भी भाग लिया। एआई आधारित लघु फिल्म प्रतियोगिता में कशिश और रितिक ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। हिमाचल पाक-कला एवं पर्यटन उत्सव-2026 में जोगिंदर ने स्वर्ण और स्टैनजिन ने रजत पदक जीता। कुलपति प्रो. (डॉ.) आरएस नैंटा और कुलसचिव विनीत कुमार ने विद्यार्थियों व शिक्षकों को बधाई दी। कार्यक्रम डॉ. विकेश कश्यप के नेतृत्व में आयोजित हुआ।

47.25 ग्राम चिट्टे के साथ पंजाब का 23 वर्षीय युवक गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। नशा तस्करों के खिलाफ अभियान के तहत बिलासपुर पुलिस की स्पेशल डिटेक्टिव टीम ने घुमारवीं क्षेत्र में 47.25 ग्राम चिट्टा बरामद कर पंजाब के एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 2 अक्तूबर को टीम मन्दरीघाट लिंक रोड पर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान कार को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें सवार युवक के कब्जे से चिट्टा बरामद हुआ। आरोपी की पहचान 23 वर्षीय राहुल, निवासी फरीदकोट, पंजाब के रूप में हुई है। पुलिस थाना घुमारवीं में आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही नशे के स्रोत और तस्करी नेटवर्क से जुड़े लोगों की जानकारी जुटाने के लिए पूछताछ की जा रही है। यह जानकारी पुलिस अधीक्षक बिलासपुर अभिषेक धीमान ने दी।

आयोजन घुमारवीं रोजगार मेले में 200 युवाओं का चयन, 400 से अधिक ने दिए साक्षात्कार

जल्द शुरू होगी आधुनिक स्किल डेवलपमेंट अकादमी: धर्माणी

भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। सीर उत्सव के अवसर पर घुमारवीं में श्रम व रोजगार विभाग तथा बीबीएनआई के सहयोग से रोजगार मेले का आयोजन किया गया।



मेले में 16 से अधिक कंपनियों ने भाग लिया, जबकि 400 से अधिक युवाओं ने विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों के समक्ष साक्षात्कार दिए। इनमें से करीब 200 युवाओं का रोजगार के लिए चयन हुआ। अन्य अभ्यर्थियों को चयन प्रक्रिया के अगले चरण के लिए कंपनियों के मुख्य कार्यालयों में बुलाया गया है। रोजगार मेले में स्थानीय युवाओं के साथ आईटीआई घुमारवीं के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों ने भी हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने रोजगार और इंटर्नशिप के अवसरों के लिए साक्षात्कार दिए, जिससे उन्हें वास्तविक भर्ती प्रक्रिया का व्यावहारिक अनुभव मिला। इस अवसर पर तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने युवाओं को उद्योगों से जोड़ने के उद्देश्य से 'मील' ऐप लॉन्च किया। यह डिजिटल प्लेटफॉर्म युवाओं और उद्योगों के बीच सेतु का काम करेगा। विद्यार्थी ऐप पर निशुल्क पंजीकरण कर अपनी शैक्षणिक योग्यता, कौशल, अनुभव और करियर प्राथमिकताओं की जानकारी दर्ज कर सकेंगे। बीबीएनआई से जुड़ी 600 से अधिक औद्योगिक इकाइयों की जरूरतों का मिलान उपलब्ध विद्यार्थी डेटाबेस से किया जाएगा, जिससे योग्य युवाओं को रोजगार और इंटर्नशिप के अवसरों से जोड़ा जा सके। मंत्री ने कहा कि उद्योगों की आवश्यकताओं और युवाओं के कौशल के बीच मौजूद स्किल गैप को दूर करना सरकार की प्राथमिकता है।

पर्यटन, आतिथ्य और ईवी तकनीक जैसे क्षेत्रों में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत शॉर्ट टर्म प्रशिक्षण शुरू किए जाएंगे। घुमारवीं में प्रस्तावित स्किल डेवलपमेंट अकादमी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एनालिटिक्स और आईटी जैसे आधुनिक क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि आईटीआई विद्यार्थियों के लिए 'रोजगार सेतु' वेब पोर्टल शुरू किया गया है, जिसका विस्तार ग्रेजुएट, पॉलिटेक्निक और फार्मेसी डिप्लोमा धारकों सहित अन्य युवाओं तक किया जाएगा। मेले में टीवीएस सप्लाई चेन सॉल्यूशंस, एसआईएस इंडिया, रिलायंस जियो, एलआईसी, ल्यूमिनस, एसबीआई लाइफ, हैवेल्स, पार्क हॉस्पिटल पंचकूला समेत 16 से अधिक कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कंपनियों के प्रतिनिधियों को सम्मानित भी किया गया। मंत्री ने कहा कि भविष्य में भी ऐसे रोजगार मेलों का आयोजन कर युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए जाएंगे।

गिरिपार की सड़कों पर गड्ढों का राज, धूल-मिट्टी से ग्रामीण परेशान



भारतेन्दु संवाददाता, पांवटा साहिब। जिला सिरमौर के गिरिपार क्षेत्र में सड़कों की बदहाली से ग्रामीण परेशान हैं। आंजभोज क्षेत्र की दर्जनों पंचायतों में कई सड़कें लंबे समय से मरम्मत की राह देख रही हैं। जगह-जगह गड्ढों और उखड़ी सड़क के कारण वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

इन दिनों सड़क किनारे उड़ रही धूल ने लोगों की दिक्कतें और बढ़ा दी हैं। वाहनों के गुजरने से उठने वाली धूल घरों और द

खूबसूरत लॉरेन से नहीं हटती नजर

लॉरेन फ्रांको पराग्वे की प्रसिद्ध मॉडल और तैराक रही हैं। उन्होंने 2004 एथेंस ओलंपिक में पराग्वे का प्रतिनिधित्व किया था। खेल उपलब्धियों के साथ अपनी खूबसूरती और आकर्षक व्यक्तित्व के कारण वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चित रहीं। तैराकी के क्षेत्र में उनके प्रयासों ने पराग्वे के खेल जगत को पहचान दिलाई।



एशियन गेम्स : भारत को क्रिकेट में गोल्ड

फाइनल में पाकिस्तान को 19 रन से हराकर लगातार दूसरी बार जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी, निशिन

हसन नवाज की 51 गेंदों पर नाबाद 96 रन की शानदार पारी भी पाकिस्तान को जीत नहीं दिला सकी और भारत ने शनिवार को कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में पुरुष टी20 क्रिकेट के स्वर्ण पदक मुकाबले में पाकिस्तान को 19 रन से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने एशियाई खेलों में क्रिकेट में दोहरे स्वर्ण की उपलब्धि हासिल की। इससे पहले हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय महिला टीम ने श्रीलंका को 147 रन से हराकर स्वर्ण जीता था।

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अभिषेक शर्मा के 61 और तिलक वर्मा के नाबाद 51 रन की मदद से 20 ओवर में छह विकेट पर 211 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम हसन नवाज की शानदार पारी के बावजूद छह विकेट पर 192 रन ही बना सकी। 212 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। जसप्रीत बुमराह ने पहले ओवर में दो नो-बॉल के साथ 11 रन दिए लेकिन वॉशिंगटन सुंदर ने तीसरे ओवर में साहिबजादा फरहान को 11 गेंदों पर 10 रन के स्कोर पर आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। पाकिस्तान का स्कोर 3.4 ओवर में 33 रन पर एक विकेट था। इसके बाद अक्षर पटेल ने चौथे ओवर में उस्मान खान को तीन रन पर आउट किया। अक्षर ने सातवें ओवर की पहली गेंद पर माज सदाकत को भी 18 गेंदों पर 23 रन के स्कोर पर पवेलियन भेज दिया। पाकिस्तान 6.1 ओवर में 39 रन पर तीन विकेट गंवा चुका था। अंतिम ओवर शुरू होने से पहले पाकिस्तान को 33 रन की जरूरत थी लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने दबाव बनाए रखा। पाकिस्तान 20 ओवर में छह विकेट पर 192 रन ही बना सका। हसन नवाज 51 गेंदों पर नाबाद 96 रन बनाकर लौटे। भारत की ओर से वॉशिंगटन सुंदर ने 29 रन देकर दो, अक्षर पटेल ने 29 रन देकर दो और शिवम दुबे ने 33 रन देकर दो विकेट लिए। पाकिस्तान के तीन विकेट गिरने के बाद हसन नवाज और सैम अयूब ने पारी को संभाला। दोनों ने स्पिनरों के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी की। पाकिस्तान ने 12.2 ओवर में 100 रन पूरे कर लिए। शिवम दुबे ने 14वें ओवर में 87 रन की साझेदारी तोड़ते हुए सैम अयूब को 22 गेंदों पर 29 रन के स्कोर पर आउट किया। वॉशिंगटन सुंदर ने उनका कैच पकड़ा। पाकिस्तान 14.1 ओवर में चार विकेट पर 126 रन पर पहुंच गया था। हसन नवाज ने इसके बाद भी आक्रमण जारी रखा। वह आखिरी ओवर की आखिरी गेंद पर आउट हुए।



अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा ने बनाए अर्धशतक

भारत के लिए अभिषेक शर्मा ने 61 और तिलक वर्मा ने नाबाद 51 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। अभिषेक ने 28 गेंदों पर 61 रनों की पारी खेली जिसमें तीन चौके और सात छक्के शामिल रहे। उनके बाद तिलक वर्मा ने तूफानी अंदाज दिखाया और आखिरी के ओवरों में तेजी से रन बनाते हुए टीम को 200 के पार पहुंचाया। तिलक ने 22 गेंदों पर नाबाद 51 रन बनाए।

टी20 क्रिकेट में अभिषेक शर्मा ने पूरे किए 400 छक्के

एजेंसी, निशिन। भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने पाकिस्तान के खिलाफ एशियाई खेल 2026 के स्वर्ण पदक मुकाबले में 28 गेंदों पर 61 रन की तूफानी पारी खेलकर दो बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं। उनकी पारी में सात छक्के और तीन चौके शामिल रहे। अभिषेक ने अपनी पारी के दौरान टी20 क्रिकेट में 400 छक्के पूरे किए और इस उपलब्धि तक पहुंचने के मामले में क्रिस गेल को पीछे छोड़ दिया। वह गेंदों के लिहाज से टी20 क्रिकेट में 400 छक्के पूरे करने वाले दुनिया के दूसरे सबसे तेज बल्लेबाज बन गए। अभिषेक ने 3513 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की, जबकि गेल ने 3557 गेंदों में 400 छक्के पूरे किए थे। आंद्रे रसेल 3027 गेंदों में यह मुकाम हासिल कर इस सूची में शीर्ष पर हैं। अभिषेक ने इसी पारी के दौरान एक और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने 2026 में टी20 क्रिकेट में 100 छक्के पूरे कर लिए और एक कैलेंडर वर्ष में यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे सबसे तेज बल्लेबाज बन गए। उन्होंने इस साल 651 गेंदों में 100 छक्के पूरे किए और डिवाल्ड ब्रेविस तथा क्रिस गेल को पीछे छोड़ा। इस सूची में भी आंद्रे रसेल 589 गेंदों के साथ सबसे आगे हैं।



◆ गेल को पीछे छोड़ बनाए दो बड़े रिकॉर्ड

स्पोर्ट्स विंडो

साउथ अफ्रीकी प्लेयर ने टी-20 में 188 रन बनाकर गेल का रिकॉर्ड तोड़ा

एजेंसी, ब्लोमफॉन्टेन। साउथ अफ्रीका के लुआन-ड्रे प्रिटोरियस टी-20 क्रिकेट में एक मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने ब्लोमफॉन्टेन में साउथ अफ्रीका की घरेलू टी-20 प्रतियोगिता सीएसए टी-20 चैलेंज में टाइटंस की ओर से खेलते हुए नाइट्स के खिलाफ 79 गेंद में नाबाद 188 रन बनाए। प्रिटोरियस ने 13 छक्के और 15 चौके लगाए। वहीं, टी-20 इंटरनेशनल की एक पारी में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान एरोन फिंच के नाम है। फिंच ने 2018 में जिम्बाब्वे के खिलाफ हरारे में 76 गेंद में 172 रन बनाए थे। उनकी पारी में 16 चौके और 10 छक्के शामिल थे। प्रिटोरियस की पारी की मदद से टाइटंस ने 20 ओवर में 3 विकेट पर 267 रन बनाए। जवाब में नाइट्स की टीम 17.2 ओवर में 143 रन पर ऑलआउट हो गई। टाइटंस ने यह मुकाबला 124 रन से जीता।



नीरज ने धीरज को हराकर व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में कांस्य पदक जीता



एजेंसी, नागोया। भारतीय तीरंदाज नीरज चौहान ने शनिवार को यहां एशियाई खेलों में पुरुषों की व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में अपने हमवतन शीर्ष वरीयता प्राप्त धीरज बोम्मादेवरा को 6-4 से हराकर कांस्य पदक जीता। नीरज ने कांस्य पदक के प्लेऑफ मैच में धीरज को 29-26, 27-28, 28-29, 30-28, 29-28 से हराया। इस तरह से वह तरुणदीप राय के बाद एशियाई खेलों में व्यक्तिगत रिकर्व पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय पुरुष तीरंदाज बन गए। इससे पहले शीर्ष वरीयता प्राप्त धीरज सेमीफाइनल में पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता ली वू सेओक से 3-7 से हार गए, जबकि नीरज को अंतिम चार के मैच में जापान के तीरंदाज जुन्या नाकानिशी से 1-7 से हार का सामना करना पड़ा। धीरज ने क्वार्टरफाइनल में उज्बेकिस्तान के अमीरखोन सादिकोव को 6-2 (29-27, 29-27, 28-28, 28-28) से, जबकि नीरज ने भूटान के लाम दोरजी को 7-1 (26-20, 27-24, 26-26, 28-27) से पराजित किया था। इसके साथ ही भारत ने तीरंदाजी में अपने अभियान का समापन पांच स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य के साथ किया । पुरूष टीम वर्ग में धीरज और नीरज कल रजत पदक जीते थे ।

ओडिशा सरकार भारतीय महिला हॉकी खिलाड़ियों को देगी 11 -11 लाख रुपए

एजेंसी, भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार ने एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम के हर खिलाड़ी के लिये 11 लाख रूपये नकद पुरस्कार का ऐलान किया है। प्रत्येक सहयोगी स्टाफ को साढे पांच लाख रूपये दिये जायेंगे। भारत ने चीन को 1 . 0 से हराकर 44 साल बाद एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक जीता और लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के लिये क्वालीफाई भी किया। ओडिशा के मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा ,'मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझा ने भारतीय महिला हॉकी टीम के हर सदस्य को एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने पर 11 लाख रूपये और सहयोगी स्टाफ को साढे पांच लाख रुपये देने का फैसला किया है ।' ओडिशा सरकार 2018 से भारतीय पुरुष और महिला हॉकी की प्रायोजक है और यह करार 2036 तक है ।

एशियाड में कुराश खिलाड़ी यश कुमार का डोप टेस्ट पॉजिटिव

एजेंसी, नागोया। जापान के नागोया में चल रहे एशियन गेम्स में भारतीय कुराश खिलाड़ी यश कुमार चौहान का डोप टेस्ट पॉजिटिव आया है। 24 साल के यश के 27 सितंबर को लिए गए डोप सैंपल में तीन प्रतिबंधित पदार्थ मिले हैं। इसके बाद एशियन ओलिंपिक काउंसिल ने उन्हें तत्काल प्रभाव से प्रोविजनल सस्पेंड कर दिया है। अब वे एशियन गेम्स से जुड़ी किसी भी खेल गतिविधि में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। इंटरनेशनल टेस्टिंग एजेंसी के अनुसार, यश का डोप सैंपल 27 सितंबर को प्रतियोगिता के दौरान लिया गया था। जांच में उनके सैंपल में मीटैंडिएनोन, जीडब्ल्यू 1516 और मेफेंटरमाइन मिले। ये तीनों पदार्थ खेलों में प्रतिबंधित हैं। मीटैंडिएनोन एक स्टेरॉयड है, जबकि जीडब्ल्यू1516 और मेफेंटरमाइन भी वाडा की प्रतिबंधित पदार्थों की सूची में शामिल हैं। इसे डोप सैंपल में प्रतिबंधित पदार्थ पाए जाने की पुष्टि माना जाता है।

'शेर की तरह मैदान पर उतरो'

फाइनल से पहले कोच मारिन ने महिला हॉकी टीम को दिया था मंत्र

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने चीन के खिलाफ एशियाई खेल फाइनल से पहले टीम को स्पष्ट संदेश दिया था कि एक शेर के गुणों को आत्मसात करके मैदान पर उतरना है और नतीजा खुद ब खुद मिलेगा। भारतीय महिला टीम ने गत चैंपियन और ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन को 1- 0 से हराकर एशियाई खेलों में 44 साल में पहली बार स्वर्ण पदक जीता। मारिन ने ऐतिहासिक जीत के बाद भाषा को दिये विशेष इंटरव्यू में कहा,' मैंने भारतीय शेरों का उदाहरण दिया। शेर की आंख, प्रतीक और वह पत्थर जो मैने लड़कियों को दिया था। मैने उनसे कहा कि जैसे शेर शिकार करता है, एकाग्र होकर शिकार को देखता है और कैसे झटके से उबरकर फिर वापसी करता है। भारत में शेर सबसे बड़ा प्रतीक है । मैने मैच से पहले उनसे यही सब कहा।' एशियाई खेलों में वह पदक जीतकर ओलंपिक के लिये क्वालीफाई करने के इरादे से ही आये थे और उन्हें यकीन था कि टीम ऐसा कर सकेगी। उन्होंने कहा,'पिछले महीने विश्व कप के दौरान पूरे समय मुझे यह भरोसा था।

हमने चीन को पहले मैच में ड्रॉ पर रोका और पहली बार बड़े टूर्नामेंट में हम ऊंची रैंकिंग वाली टीम के खिलाफ खेल रहे थे। वहां टीम का प्रदर्शन देखकर मुझे विश्वास जगा था कि हम एशियाई खेलों में स्वर्ण जीत सकते हैं।'

मारिन ने कहा ,'हमने एफआईएच नेशंस कप में अच्छा प्रदर्शन किया था और विश्व कप क्वालीफायर में भी लेकिन वह अलग था । विश्व कप में बेहतर टीमें थी और वही मुझे लगा कि हम एशियाई खेलों में स्वर्ण जीत सकते हैं और सबसे अहम बात यह है कि मुझे ही ऐसा नहीं लगा, बल्कि टीम को भी यह महसूस हुआ।'



श्रीलंका क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश को हराकर जीता कांस्य पदक

एजेंसी, निशिन। श्रीलंका ने शानदार हरफनमौला प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को 63 रन से हराकर एशियाई खेल 2026 में पुरुष क्रिकेट का कांस्य पदक जीत लिया। इस जीत के साथ श्रीलंका के एशियाई खेलों के पदकों की संख्या तीन हो गई है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम पांच ओवर के अंदर 21 रन पर चार विकेट गंवा बैठी। बांग्लादेश के स्पिन गेंदबाजों ने पिच से मिल रही टर्न और उछाल का भरपूर फायदा उठाया और श्रीलंकाई बल्लेबाजी पर दबाव बना दिया। इसके बाद सहान अराचिगे और अशेन बंडारा ने पारी को संभाला। हालांकि असली बढ़लाव थारिंदु रत्नायके के आने के बाद आया। रत्नायके ने महज 32 गेंदों पर सात चौकों और पांच छक्कों की मदद से 65 रन की तूफानी पारी खेली। उनके आक्रामक बल्लेबाजी ने श्रीलंका को 51 रन पर चार विकेट की मुश्किल स्थिति से उबारकर 20 ओवर में नौ विकेट पर 165 रन तक पहुंचाया। अराचिगे ने 37 गेंदों पर 33 रन की संयमित पारी खेली।

एशियाड में भारतीय महिला गोल्फ टीम ने पहली बार जीता रजत पदक

एजेंसी, नागोया

भारत की महिला गोल्फ टीम ने एशियाई खेलों में इतिहास रचते हुए पहली बार टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता। प्रणवी उर्स, अदिति अशोक और दीक्षा डागर की भारतीय तिकड़ी ने संयुक्त रूप से 14 अंडर पार का स्कोर हासिल कर रजत पदक अपने नाम किया। इससे पहले प्रणवी ने व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण जीता था। इस तरह आज भारत ने गोल्फ में दो रजत जीते। चीन ने 22 अंडर पार के कुल स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। भारत ने 14 अंडर पार के साथ रजत पदक हासिल किया और इस तरह एशियाई खेलों के इतिहास में महिला टीम गोल्फ में भारत को पहला पदक मिला।

प्रणवी उर्स के लिए ये एशियाई खेल खास तौर पर यादगार रहे। उन्होंने व्यक्तिगत स्ट्रोक प्ले स्पर्धा में 15 अंडर पार के स्कोर के साथ ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतकर उन्होंने एची-नागोया से दो पदकों के साथ वापसी सुनिश्चित की। प्रणवी की शानदार व्यक्तिगत प्रदर्शन ने भारतीय टीम को भी मजबूत स्थिति में पहुंचाया। अदिति अशोक और दीक्षा डागर के साथ मिलकर उन्होंने टीम स्पर्धा में भारत को 14 अंडर पार के स्कोर तक पहुंचाया। चीन की टीम 22 अंडर पार के साथ शीर्ष पर रही।



भारत के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि एशियाई खेलों के इतिहास में महिला टीम गोल्फ में यह देश का पहला पदक है। प्रणवी उर्स ने व्यक्तिगत स्वर्ण के साथ इस ऐतिहासिक अभियान को और यादगार बनाया, जबकि अदिति अशोक और दीक्षा डागर ने भी रजत पदक अपने नाम किया।

देश में माल ढुलाई आसान बनाने के लिए बनेंगे तीन नए लॉजिस्टिक पार्क

हैदराबाद में बनेगा सबसे बड़ा लॉजिस्टिक पार्क

एजेंसी, नई दिल्ली

देश में माल ढुलाई को आसान बनाने और व्यापारिक गतिविधियों को गति देने के लिए केंद्र सरकार ने परिवहन और भंडारण ढांचे को मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के तहत काम करने वाली नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक मैनेजमेंट लिमिटेड देशभर में बहु-माध्यमी लॉजिस्टिक पार्क विकसित कर रही है। इसी कड़ी में पटना, नासिक और हैदराबाद में तीन नए लॉजिस्टिक पार्क स्थापित करने की तैयारी पूरी हो गई है। इन तीनों परियोजनाओं पर करीब 2,870 करोड़ रुपये के निवेश की संभावना है।

सूत्रों के अनुसार, तीनों परियोजनाओं की अंतिम रिपोर्ट तैयार कर स्वीकृति के लिए सरकार को भेज दी गई है। मंजूरी मिलने के बाद निविदा और निर्माण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। पटना में करीब 870 करोड़ रुपये की लागत से 103 एकड़ भूमि पर लॉजिस्टिक पार्क विकसित किया जाएगा। हैदराबाद में 1,300 करोड़ रुपये की लागत से 156 एकड़ क्षेत्र में पार्क बनाया जाएगा। वहीं, नासिक में 700 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 123 एकड़ भूमि पर परियोजना विकसित होगी। इन पार्कों का उद्देश्य सड़क, रेल और अन्य परिवहन साधनों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर माल की आवाजाही को सुगम बनाना है।

इसके साथ ही दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग पर यात्री और मालगाड़ियों के बढ़ते दबाव को कम करने के लिए वडोदरा-रतलाम के बीच तीसरी और चौथी रेल लाइन बिछाने की योजना है। रेल मंत्रालय ने 259 किलोमीटर लंबी इस परियोजना को विशेष रेल परियोजना घोषित किया है। इसे 2029 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। परियोजना पूरी होने के बाद इस मार्ग पर सालाना करीब 1.65 करोड़ टन अतिरिक्त माल ढुलाई की क्षमता बढ़ने की उम्मीद है।



◆ पटना में 870, हैदराबाद में 1300 करोड़ से बनेगा पार्क

जेन्सेन हुआंग की नेटवर्थ 200 बिलियन डॉलर पार

एजेंसी, नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया कॉरपोरेशन के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेन्सेन हुआंग की कुल संपत्ति 200 अरब डॉलर के पार पहुंच गई है। शुक्रवार को एनवीडिया के शेयर में रिकॉर्ड तेजी आने के बाद उनकी संपत्ति में यह उछाल दर्ज किया गया। फोर्ब्स की वास्तविक समय वाली अरबपतियों की सूची के अनुसार, शुक्रवार सुबह हुआंग की संपत्ति बढ़कर करीब 203.2 अरब डॉलर यानी लगभग 19.5 लाख करोड़ रुपये हो गई। इस बढ़त के साथ वह दुनिया के सातवें सबसे अमीर व्यक्ति बन गए। शुक्रवार के कारोबार के दौरान एनवीडिया का शेयर 237 डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। शेयर में इस तेजी का सीधा असर हुआंग की संपत्ति पर पड़ा और उनकी कुल संपत्ति में एक ही दिन में करीब 3.4 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई। हालांकि, कारोबार के बाद शेयर ऊपरी स्तर से कुछ नीचे आया और करीब 1.3 प्रतिशत की बढ़त के साथ 233.95 डॉलर पर बंद हुआ।

ईंधन कीमतों पर लगाम के लिए जी-7 जारी करेगा 10 करोड़ बैरल तेल भंडार

एजेंसी, वाशिंगटन। दुनिया के प्रमुख विकसित लोकतांत्रिक देशों के समूह जी-7 ने बढ़ती ईंधन कीमतों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में जारी व्यवधानों से निपटने के लिए रणनीतिक आपातकालीन भंडार से 10 करोड़ बैरल तक कच्चा तेल और डीजल बाजार में जारी करने का फैसला किया है। आपातकालीन बैठक के बाद लिए गए इस निर्णय का उद्देश्य अमेरिका और यूरोपीय देशों में बढ़ी ईंधन कीमतों पर दबाव कम करना और वैश्विक ऊर्जा बाजार में आपूर्ति को स्थिर करना है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के अनुसार, पूरी योजना के समन्वय की जिम्मेदारी अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के पास होगी।

योजना के तहत ईंधन की आपूर्ति तत्काल शुरू की जाएगी और शुरुआती चरण में डीजल की कमी दूर करने पर विशेष जोर रहेगा। पहले 20 दिनों के भीतर बाजार में डीजल की बड़ी मात्रा उपलब्ध कराने की तैयारी है, जबकि शेष भंडार को अगले चार महीनों में चरणबद्ध तरीके से जारी किया जाएगा। यह फैसला ऐसे समय लिया गया है जब भू-राजनीतिक तनाव, ईरान संघर्ष और रूसी तेल रिफाइनरियों पर हमलों के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई है।

अमेरिका और यूरोप में ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी से उपभोक्ताओं और उद्योगों पर दबाव बढ़ा है। जी-7 के इस कदम से अल्पावधि में आपूर्ति बढ़ने और कीमतों पर दबाव कम होने की उम्मीद है। हालांकि, कुछ ऊर्जा विशेषज्ञों ने रणनीतिक भंडार के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल को लेकर भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा पर संभावित असर की ओर भी ध्यान दिलाया है। उनका कहना है कि आपात भंडार सीमित संसाधन हैं और इनके उपयोग के बाद भविष्य में किसी नए आपूर्ति संकट की स्थिति में उपलब्ध विकल्प कम हो सकते हैं।

◆ चार महीने में जारी होगा तेल भंडार

संकट मल्होत्रा बोले, आज की आर्थिक मजबूती भविष्य के संकट से सुरक्षा की गारंटी नहीं

बदलती परिस्थितियों पर नजर रखना जरूरी : आरबीआई गवर्नर

एजेंसी, नई दिल्ली

रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा है कि दुनिया में अगले वित्तीय संकट का कारण जरूरी नहीं कि वित्तीय क्षेत्र ही हो। यह संकट भू-राजनैतिक तनाव, बड़े साइबर हमले या किसी तकनीकी खामी के कारण भी पैदा हो सकता है। उन्होंने कहा कि किसी संकट का प्रभाव इस बात पर निर्भर करेगा कि उसका असर कितना व्यापक होता है। ऐसे में मौजूदा आर्थिक मजबूती को भविष्य के संकट से सुरक्षा की गारंटी नहीं माना जा सकता। केंद्रीय बैंकों के लिए बदलती परिस्थितियों पर लगातार नजर रखना जरूरी है।

मल्होत्रा शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित पांचवें कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन में 'अनिश्चितता के युग में केंद्रीय बैंकों की भूमिका' विषय पर एक सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना सीधे तौर पर रिजर्व बैंक की जिम्मेदारी भले ही न हो, लेकिन यह उसके कार्यक्षेत्र से परोक्ष रूप से जुड़ा हुआ है। वित्तीय स्थिरता के बिना मुद्रास्फीति में स्थिरता हासिल करना कठिन है और इसके अभाव में अर्थव्यवस्था में भी स्थिरता बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि भारत और दुनिया में लंबे समय तक बनी वित्तीय स्थिरता के कारण ही हाल के वर्षों में विभिन्न संकटों का सामना करने में मदद मिली है। कोरोना महामारी और भू-राजनैतिक तनाव जैसे संकटों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने मजबूती दिखाई है। हालांकि, पश्चिम एशिया में जारी संकट का असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी पड़ा है और इसका प्रभाव कीमतों पर दिखाई दिया है। इसके बावजूद अर्थव्यवस्था का आधार मजबूत होने के कारण मुद्रास्फीति लक्षित दायरे में रही और विकास दर भी मजबूत बनी रही।

उन्होंने इस सदी के शुरुआती वर्षों में बैंकों की ओर से बिना पर्याप्त सावधानी के दिए गए ऋण का भी उल्लेख किया। मल्होत्रा ने कहा कि ऐसे ऋणों के बोझ से पैदा हुए कुप्रभावों से अर्थव्यवस्था को उबरने में करीब एक दशक का समय लगा। इससे यह स्पष्ट होता है कि वित्तीय क्षेत्र में लिए गए निर्णयों का असर लंबे समय तक रह सकता है।



संकटों के बीच मजबूत रही भारतीय अर्थव्यवस्था

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि भारत और दुनिया में लंबे समय तक बनी वित्तीय स्थिरता के कारण ही हाल के वर्षों में विभिन्न संकटों का सामना करने में मदद मिली है। कोरोना महामारी और भू-राजनैतिक तनाव जैसे संकटों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने मजबूती दिखाई है। हालांकि, पश्चिम एशिया में जारी संकट का असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी पड़ा है।

नकदी उपलब्धता के लिए मुद्रास्फीति का जोखिम

मल्होत्रा ने कहा कि अर्थव्यवस्था में पर्याप्त नकदी की उपलब्धता सुनिश्चित करना भी केंद्रीय बैंक की प्रमुख जिम्मेदारियों में शामिल है। इसके लिए कई बार मुद्रास्फीति बढ़ने का जोखिम भी उठाना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक को बदलती आर्थिक परिस्थितियों के बीच वित्तीय स्थिरता, मुद्रास्फीति और आर्थिक गतिविधियों के बीच संतुलन बनाए रखना होता है।

मल्होत्रा ने कहा कि अर्थव्यवस्था में पर्याप्त नकदी की उपलब्धता सुनिश्चित करना भी केंद्रीय बैंक की प्रमुख जिम्मेदारियों में शामिल है। इसके लिए कई बार मुद्रास्फीति बढ़ने का जोखिम भी उठाना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक को बदलती आर्थिक परिस्थितियों के बीच वित्तीय स्थिरता, मुद्रास्फीति और आर्थिक गतिविधियों के बीच संतुलन बनाए रखना होता है। मौजूदा दौर में यह जिम्मेदारी और महत्वपूर्ण हो गई है, क्योंकि संभावित संकट केवल पारंपरिक वित्तीय कारणों से नहीं, बल्कि तकनीकी, साइबर और भू-राजनैतिक घटनाक्रमों से भी उत्पन्न हो सकते हैं।

टाटा संस बोर्ड की बैठक पर नोएल टाटा ने उठाए सवाल

एजेंसी, नई दिल्ली। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने टाटा संस के बोर्ड को पत्र लिखकर सितंबर में एन. चंद्रशेखरन की दोबारा चेयरमैन नियुक्ति को लेकर सवाल उठाए हैं। मामले से जुड़े सूत्रों के अनुसार, नोएल टाटा ने बोर्ड से बैठक के मिनट्स और वीडियो रिकॉर्डिंग उपलब्ध कराने को कहा है। उन्होंने बाद में ली गई कानूनी राय और उसे हासिल करने के आधार पर भी सवाल किए हैं। 30 सितंबर को भेजे ईमेल में नोएल टाटा ने कहा कि चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति का विषय बैठक के एजेंडे में शामिल नहीं था। उनके अनुसार, यह मामला 'एनआरसी की तरफ से जानकारी' वाले हिस्से में उठाया गया था। नोएल टाटा ने इससे पहले 17 सितंबर को हुई बोर्ड बैठक में किसी प्रस्ताव के पारित होने से इनकार किया था। सूत्रों के मुताबिक, उनके पत्र के बाद बोर्ड की बैठक में अपनाई गई प्रक्रिया और संबंधित दस्तावेजों को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

